फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 122 प्रभात जयपुर, बुधवार 3 दिसम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

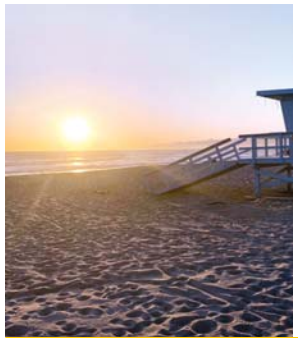

Letters make me feel better...

She said 96 twice. Then, she said I was not even born in 96. How can you think I am that old? And she has not spoken to Rishi since then

The Afghans and Their Camels in Australia

The story of the Afghans and their camels is one of resilience, cultural exchange, and contribution to Australia's growth

अब झारखंड भी कांग्रेस के हाथ से निकलेगा, बिहार के चुनाव के कारण

झारखंड के मु.मंत्री हेमंत सोरेन तीन दिन से दिल्ली में हैं तथा गृह मंत्री अमित शाह से सम्पर्क में हैं। चर्चा है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा अब इंडिया गठबंधन छोड़कर, भाजपा से हाथ मिलाएगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। कांग्रेस के हाथ से एक और राज्य सरकार निकल सकती है।

कांग्रेस झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के साथ गठबंधन सरकार चला रही है, जिसका नेतृत्व हेमंत सोरेन कर रहे हैं।

विश्वसनीय सूत्रों का कहना है कि हेमंत सोरेन पिछले 3 दिनों से दिल्ली में हैं और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संपर्क में हैं, जिसे साझेदार बदलने की उनकी तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

सोरेन की नाराज़गी और दुख की वजह बिहार में उनके प्रति कांग्रेस का व्यवहार है। बिहार में 30 से ज़्यादा सीटों पर आदिवासी वोटों का असर है और जब जेएमएम ने 6 सीटों की मांग की, तो कांग्रेस ने कह दिया कि आरजेडी वरिष्ठ साझेदार है और वही सीटें तय करेगा।

- हेमंत सोरेन की नाराज़गी की शुरुआत हुई, जब उन्होंने कांग्रेस से बिहार की तीस ट्राइबल सीटों में से छः सीटों पर टिकट मांगा। पर, कांग्रेस ने यह कह कर बात टाल दी की आरजेडी बिहार में इंडिया गठबंधन की वरिष्ठ पार्टनर है। अतः आरजेडी ही निर्णय लेगी, सीटों के बंटवारे के बारे में।
- हेमंत सोरेन ने जवाबी तर्क दिया कि कांग्रेस उसकी 35 ट्राइबल सीटों में से 2 सीटें झारखंड मुक्ति मोर्चा को दे दे और फिर वे सभी 36 ट्राइबल सीटों पर जमकर चुनाव प्रचार कर सकेंगे।
- पर, ये दो सीटें भी सोरेन को नहीं मिलीं तो क्रोधित सोरेन ने राहुल गांधी के विशेष चहेते, बिहार के प्रभारी अलुवीरा को बहुत अपशब्द सुनाये और इंडिया गठबंधन छोड़ने का निर्णय लिया।
- 42 सदस्यी विधानसभा में कांग्रेस के 16 विधायक हैं तथा आरजेडी के चार, अतः हेमंत सोरेन का आकलन है कि अगर इंडिया गठबंधन के 20 विधायक चले भी जाते हैं तो भाजपा के 21 विधायक उनके समर्थन में आ जाएंगे और सरकार चलती रहेगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा

जयपुर, 2 दिसंबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने और उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त कुलदीप कुमार को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर एक लाख बीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि चिकित्सीय साक्ष्य और पीड़िता के बयानों से साबित है कि अभियुक्त ने उसके साथ संबंध बनाए हैं।

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने फरवरी 2021 के मामले में फैसला सुनाया।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने 15 फरवरी 2021 को विश्वकर्मा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि वह एक फैक्ट्री में काम करता है और परिवार सहित उसी परिसर में रहता है। बीती रात से उसकी नाबालिग बेटी घर से लापता है। उसे आसपास तलाश किया, लेकिन कोई पता नहीं चला। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआईआर के खिलाफ संयुक्त प्रदर्शन से कतराए कुछ विपक्षी दल

तृणमूल कांग्रेस, जेएमएम और सपा, कांग्रेस के साथ खड़े नज़र आना नहीं चाहते

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। संयुक्त विपक्ष, जिसने वंदे मातरम् विवाद और एसआईआर पर संसद में चर्चा करवाने के लिए मोदी सरकार पर दबाव बनाने में सफलता पाई थी, में अब दरारें साफ दिखाई दे रही हैं। 'इंडिया' गठबंधन के बनने के बाद पहली बार विपक्ष इस बात पर बंटा हुआ दिख रहा है कि एसआईआर के खिलाफ संयुक्त प्रदर्शन किया जाए या नहीं-और यह दरार अब तक दिखाई पड़ी उनकी संयुक्त राजनीतिक चुनौती को कमज़ोर कर सकती है।

वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, समाजवादी पार्टी (सपा) इस समय कांग्रेस के साथ बहुत नज़दीक दिखने को लेकर बहुत ज़्यादा सावधान है। हाल ही में बिहार चुनाव में महागठबंधन को मिली हार-जिसमें कांग्रेस एक प्रमुख सहयोगी थी-ने सपा को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि कांग्रेस से निकटता कहीं चुनावी जोखिम न बढ़ा दे।

सपा के अंदरूनी लोग मानते हैं कि पार्टी इंडिया गठबंधन के भीतर अपने तालमेल की रणनीति पर दोबारा विचार कर रही है, खासकर उन राज्यों में, जहाँ भाजपा के लिये मुख्य चुनौती है। मुख्य चुनौती सूत्रों ने यह भी कहा कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में सीट बंटवारे को लेकर तनाव बढ़ सकता है, क्योंकि कांग्रेस 403 सीटों वाली विधानसभा में 100 से ज़्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है।

इस तनाव को और बढ़ाते हुए, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी कांग्रेस से नाराज़ बताए जा रहे हैं, क्योंकि हाल की रणनीतिक बैठकों में उनकी पार्टी जेएमएम को किनारे कर

- सपा के आंतरिक सूत्रों ने बताया कि पार्टी कांग्रेस के साथ तालमेल पर दोबारा सोच रही है और इसलिए वह कांग्रेस के ज्यादा निकट नज़र आने से कतरा रही है।
- ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल पहले ही कांग्रेस नेतृत्व वाली सामूहिक रणनीति से दूरी बना चुकी है। अरविंद केजरीवाल पहले ही इंडिया गठबंधन से अलग हो चुके हैं।
- झारखंड मुक्ति मोर्चा भी बिहार के रवैये के कारण कांग्रेस से नाराज़ है।
- देखना यह है कि क्या विपक्ष का गतिरोध एसआईआर व वंदे मातरम मुद्दे पर विपक्ष के सामूहिक विरोध की हवा निकाल देगा?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक अन्य कांग्रेस प्रभारी राजस्थान ट्राइबल इलाके का कुण्डा करने में लगे हैं

मेवाड़ की सात सीटों (उदयपुर, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, बाँसवाड़ा, राजसमंद, सलूंबर व प्रतापगढ़) में नए जिलाध्यक्षों की नियुक्तियाँ चौंकाने वाली हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। राहुल गांधी लगातार ओबीसी समुदाय की बात करते हैं और कहते हैं कि उनकी जनसंख्या के अनुसार उन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

लेकिन राहुल को उनके प्रिय "संगठन सृजन अभियान" में पूरी तरह गुमराह किया गया है, और ऐसा लगता है कि उन्हें पता ही नहीं है कि यह सब कैसे, कब और कहाँ हुआ।

मेवाड़-उदयपुर ज़िले में एआईसीसी के प्रभारी रंधावा, सीपी जोशी से सलाह-मशविरा करके काम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- तीन जिलाध्यक्ष (उदयपुर ग्रामीण, डूंगरपुर व बाँसवाड़ा) ही ट्राइबल हैं।
- दो जिलाध्यक्ष (उदयपुर सिटी व चित्तौड़गढ़) राजपूत हैं।
- प्रतापगढ़ में भी दो परस्पर विरोधी राजपूत ग्रुप्स की प्रतिस्पर्धा में नियुक्ति पैंडिंग है।
- राहुल गांधी बार-बार कह रहे हैं, ओबीसी जनता को पूरा प्रतिनिधित्व नहीं मिलता, उनकी जनसंख्या के अनुरूप। अतः राहुल ये सामाजिक संतुलन बिठाने पर बहुत जोर दे रहे है तथा विशेषकर, मेवाड़ में सबसे अधिक जनसंख्या ट्राइबल्स की है तथा दूसरे नम्बर पर हैं ओबीसी।

प्रधानमंत्री कार्यालय का नया नाम 'सेवा तीर्थ'

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। केन्द्र सरकार ने एक अहम् फैसले में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) वाले नए परिसर का नाम बदलकर सेवा तीर्थ कर दिया। सेन्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत निर्मित यह परिसर जल्द ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया कार्यालय होगा। पहले इस जगह को एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव नाम दिया गया था।

- सभी राज्यों के राजभवन अब लोक भवन कहलायेंगे।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि सेवा तीर्थ को एक ऐसा कार्यस्थल बनाया जा रहा है, जहां सेवा भावना ही सर्वोपरि होगी और राष्ट्रीय स्तर की प्राथमिकताएं आकार लेंगी। सेवा, कर्तव्य और पारदर्शिता को शासन का आधार बनाने के प्रयासों के तहत, राज्यों में राज्यपालों के आवास के नाम राजभवन से बदलकर लोकभवन करने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेना ने इमरान की बहनों को इमरान से मिलने दिया

इमरान को स्वस्थ व खुश देखकर, सस्पैंस तो खत्म हुआ, पर, सेना अभी असमंजस की स्थिति में है इमरान के बारे में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, जो अगस्त 2023 से जेल में हैं, को आखिरकार एक बड़ी राहत मिली, जब जेल प्रशासन ने आखिरकार उनकी बहनों को उनसे मिलने की अनुमति दे दी। इमरान खान की पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए- इंसाफ (पी.टी.आई.) ने इमरान खान से मिलने की मांग को लेकर देशभर में लगातार जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किए।

जेल अधिकारियों की अनुमति मिलने के बाद उनकी बहनों ने इमरान खान से मुलाकात की और बताया कि पूर्व क्रिकेटर और पूर्व प्रधानमंत्री पूरी तरह ठीक हैं।

इस बीच, पड़ोसी देश भारत में इमरान की सेहत को लेकर चिंता इस प्रकार बढ़ रही थी, मानो कोई बड़ा राजनीतिक संकट पैदा हो गया हो। राजनेता और मीडिया लगातार इमरान की सेहत और उनको होने वाले खतरों के बारे में बेचैनी से लिख रहे थे।

- इमरान पहली बार प्रधानमंत्री बने थे, सेना की इच्छा व मदद से। पर, शीघ्र ही मतभेद उत्पन्न हो गए, दोनों के बीच और इमरान को अपना पद छोड़ना पड़ा।
- इमरान के सेना के साथ संबंध कभी नरम, कभी गरम चलते रहे।
- पर, अब सेना, शाहबाज़ शरीफ से भी ज्यादा खुश नहीं है। अतः मिश्रित भावनाओं के बीच इमरान राजनीति के सैन्ट्रल स्टेज पर आ गए हैं, 23 अगस्त से लगातार जेल में कैद होने के कारण।
- क्या सेना कुछ नरम हुई है, इमरान के प्रति। अतः, एक बार और प्र.मंत्री बन सकते हैं, इमरान, अगर मधुर संबंध चलते रहे, सेना व इमरान के बीच। नहीं तो कई नाटक देखने पड़ेंगे, पाकिस्तान के राजनीतिक मंच पर।

इस मुद्दे को लेकर भारत में सोशल मीडिया का माहौल गर्मा गया था। एक वर्ग इमरान की सुरक्षा को लेकर चिंतित था, जबकि दूसरा कह रहा था कि इमरान एक कट्टरपंथी मुस्लिम हैं और कश्मीर में भारतीय सुरक्षा बलों पर गंभीर हमलों में उनकी भूमिका रही थी।

सोशल मीडिया पर कई लोग यह भी कह रहे हैं कि इमरान के लिए दुःख जताने के बजाय, भारत को उन बड़े वैश्विक मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए, जो भारत की सुरक्षा और हितों से जुड़े हैं।

फिर भी, इमरान खान भारत में खास रुचि का विषय बने रहते हैं। इसका एक बड़ा कारण उनका शानदार क्रिकेट करियर है, जिसने उन्हें भारत में भी लोकप्रिय बनाया।

लेकिन, अपने क्रिकेट के दिनों से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिया गठबंधन की नई रणनीति बनाने के लिये बैठक आज

नयी दिल्ली, 02 दिसम्बर। लोकसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने को लेकर मंगलवार को सर्वदलीय बैठक में सरकार तथा विपक्षी दलों के बीच बनी सहमति के बाद, अब विपक्षी इंडिया गठबंधन ने संसद में अपनी रणनीति पर नये ढंग से विचार करने के लिए संसद भवन परिसर में बैठक बुलाई है।

- सरकार और विपक्ष में संसद चलाने पर हुई सहमति के बाद खड़गे के चेम्बर में मीटिंग होगी।

इंडिया गठबंधन के सूत्रों के अनुसार, बैठक बुधवार सुबह 09.45 बजे राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के चेम्बर में होगी, जिसमें गठबंधन के सदन के नेता संसद में सरकार के खिलाफ अपनी रणनीति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पावर ब्रेकफास्ट के बाद मिले कर्नाटक में परिवर्तन के संकेत

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, पार्टी जो भी फैसला लेगी, हम उसे स्वीकार करेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को बेंगलुरु में अपने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार (डीकेएस) से उनके बेंगलुरु-स्थित आवास पर 'पावर ब्रेकफास्ट' के लिए मुलाकात की। यह बैठक अन्य परिस्थितियों में देखी जाती तो सामान्य लग सकती थी।

इस विवाद का केन्द्र एक समझौता है, जो कथित तौर पर कांग्रेस की 2023 की चौंकाने वाली चुनावी जीत के बाद हुआ था, कि सिद्धारमैया और डीकेएस पांच साल का कार्यकाल साझा करेंगे, यानी दोनों में से प्रत्येक मुख्यमंत्री के तौर पर ढाई साल काम करेगा।

ये दोनों कांग्रेस नेता, जो 2023 के चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर आपस में झगड़ रहे थे, नाश्ते पर मिले, जिसमें इडली, देसी चिकन करी और कॉफी (मुख्यमंत्री के लिए कम दूध वाली) के साथ दोनों ने चर्चा की। लेकिन इसका परिणाम अनिश्चित बना हुआ है, खासकर इसलिये कि सिद्धारमैया ने यह बताया कि दोनों ने आगामी कर्नाटक विधानसभा सत्र के बारे में बात की।

लेकिन सम्भवतः इस प्रकार की अपनी पहली स्वीकारोक्ति के रुप में, कि मुख्यमंत्री के रूप में उनका समय समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, सिद्धारमैया ने यह भी संकेत दिया कि जब भी कांग्रेस के शीर्ष नेता उनसे कहेंगे, वे पद छोड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, "पार्टी, विशेष रूप से राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय हम दोनों को स्वीकार होगा।"

सूत्रों ने कहा कि दोनों को दिल्ली बुलाए जाने की संभावना है, जहां वे 8 दिसंबर को उन नेताओं से मिल सकते हैं। योजना के अनुसार, सदन स्थगित हो जाने के बाद दोनों नेता बेलगावी (जहाँ कर्नाटक विधानसभा स्थित है) से दिल्ली रवाना हो जायेंगे। सूत्रों ने समझाया कि यह यात्रा, जिसमें राज्य के कांग्रेस सांसद भी उनके साथ होंगे, एजेंडा के अनुसार, किसानों के मुद्दों और राज्य के जल संसाधनों के प्रबंधन को लेकर होगी। लेकिन बैकचैनल वार्ता भी एजेंडे में होगी।

उससे पहले, सिद्धारमैया, डीकेएस और वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल मंगलुरु में एक कार्यक्रम में एक मंच पर नजर आ सकते हैं, जो दिल्ली बैठक के लिए एक पूर्वाभ्यास हो सकता है।

समझा जाता है कि राहुल गांधी और खड़गे से उनकी रुबरु मुलाकात इस सत्ता-हस्तान्तरण योजना को तय करने में महत्वपूर्ण होगी और तीन वर्षों से चले आ रहे गतिरोध को समाप्त कर, कांग्रेस -शासित इस राज्य में स्थिरता की रक्षा करेगी। हालांकि, जैसा कि अधिकांश पार्टी मामलों में होता है, इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- यह कह कर एक तरह से सिद्धारमैया ने भी पद छोड़ने के स्पष्ट संकेत दे दिए हैं।
- अब जल्दी ही, संभवतया 8 दिसंबर को दोनों नेताओं के साथ दिल्ली में बैठक होगी, जिसमें भावी दिशा तय होगी।
- सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी और खड़गे सत्ता परिवर्तन का प्लान तैयार करेंगे, पर, जैसी कि परम्परा है, अंतिम फैसला राहुल लेंगे और यह संभवतया डीके शिवकुमार के लिए शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि राहुल कार्यकाल के बीच में सत्ता परिवर्तन पर असहमति जता चुके हैं।
- सूत्रों का मत है कि डीके शिवकुमार व सिद्धारमैया दोनों ही बदलाव पर सहमत हैं, पर, तारीख पर सहमत नहीं हैं। जहाँ डीके शिवकुमार जल्द से जल्द बदलाव चाहते हैं, वहीं सिद्धारमैया इसे जितना संभव हो सके, टालना चाहते हैं, संभवतया कार्यकाल खत्म होने तक।

एयरपोर्ट चैक - इन सिस्टम में तकनीकी खराबी आई

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। अगर आप आज हवाई यात्रा के लिए रवाना होने वाले हैं तो आपको अपने लिये अतिरिक्त समय लेकर निकलना चाहिए, क्योंकि देश के कई एयरपोर्ट्स पर चेक-इन सिस्टम में तकनीकी दिक्कत आने से उड़ान सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इस वजह से कई एयरलाइंस की उड़ानें देरी से चल रही हैं, जिनमें एअर इंडिया की फ्लाइट्स भी शामिल हैं।

- देश भर के कई बड़े हवाई अड्डों से चैक-इन में तकनीकी खराबी आने से उड़ानें प्रभावित हुईं।

इसे लेकर एअर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि यह समस्या थर्ड-पार्टी सिस्टम में आई खराबी के कारण हुई है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

ठोकरें केवल धूल ही उड़ाती हैं, फसलें नहीं उगाती। –टैगोर

फिल्म नीति पर्यटन के नहीं, कला-संस्कृति के केंद्र में हो!

ओटीटी प्लेटफॉर्म, मल्टीप्लेक्स संस्कृति तथा स्मार्टफोन जैसे मनोरंजन के नये माध्यमों के आ जाने से पारंपरिक सिनेमाघरों में दर्शकों की आमद कम हो गई है। राजस्थानी भाषा की फिल्मों को तो पहले भी सिनेमाघर मिलना दूभर रहा है जिस कारण उनके निर्माताओं की यह शिकायत हमेशा बनी रही कि उनकी फिल्में दर्शकों तक पहुंच ही नहीं पाती क्योंकि उन्हें मुख्य धारा की हिन्दी फिल्मों के मुकाबले महंगे सिनेमाघरों की स्क्रीन नहीं मिल पाती। उनकी लंबे समय से मांग रही है कि राज्य सरकार राजस्थानी फिल्मों के निर्माण और प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए कुछ ठोस कदम उठाये। मगर शासन और राजनेताओं की प्राथमिकताओं में सिनेमा हाशिये पर भी नहीं रहता है। राजस्थानी सिनेमा को बढ़ावा देने का भरोसा देने की रस्म अदायगी तो खूब हुई है जिसके चलते पिछले दशकों में राज्य सरकारों ने अनेक बार फिल्म नीतियां बनाई हैं, किन्तु राजस्थानी सिनेमा को अपनी हैसियत बनाने में उन नीतियों से कभी रत्ती भर भी मदद नहीं मिली है। अब एक बार फिर उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने राज्य की नई फिल्म नीति लाने की घोषणा की है जिसे लेकर राजस्थानी भाषा की फिल्मों के निर्माण और व्यवसाय से जुड़े लोगों में हलचल बढ़ गई है। राजस्थान की पहचान उसकी अपनी गहरी सांस्कृतिक विरासत और असाधारण भौगोलिक विविधता के कारण रही है। जयपुर, जोधपुर और बूंदी के स्मारक, उदयपुर की झीलें, जैसलमेर का स्वर्णिम रेगिस्तान, स्थानीय लोगों के परिधान और लोक संगीत दुनिया भर के पर्यटकों को हमेशा ही आकर्षित करते रहे हैं। उन्हें अपने प्रचार के लिए फिल्मों की कोई दरकार नहीं रही है। किन्तु राज्य सरकारें जब भी फिल्म नीति बनाती हैं तो उसे पर्यटन के प्रोत्साहन के औजार के रूप में ही हमेशा प्रस्तुत करती रही हैं। इस बार भी उप-मुख्यमंत्री के बयान से ऐसा ही प्रतीत होता है। राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए फिल्मों के उपयोग को फिल्म नीति कहना केवल सीमित सोच का परिचय देना ही नहीं है, बल्कि वह फिल्म उद्योग के बारे में मूल समझ के अभाव को भी दर्शाता हैं। सत्ता में बैठे लोगों को कौन समझाये कि फिल्मनीति सिर्फ लोकेशन-प्रमोशन का माध्यम नहीं होती हैं; वह एक विचार, एक सृजन और एक संस्कृति का विस्तार होती हैं। राज्य की फिल्म नीति के साथ हमेशा ही यह समस्या रही है कि वह हमेशा टूरिज्म का विस्तार मानकर तैयार की जाती रही है और इस बार भी इससे अलग होने के आसार नज़र नहीं आ रहे हैं। राज्य की फिल्म नीति को कला, संस्कृति, और रचनात्मकता के उद्यम का हिस्सा होना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि फिल्म नीति में राजस्थान को सिनेमा-उद्योग के केंद्र के रूप में स्थापित करने का खाका तैयार किया जाए, न कि उसे पर्यटन का परिशिष्ट बनाकर छोड़ दिया जाए। फिल्मकारों के लिए अनुकूल वातावरण, स्थानीय प्रतिभाओं के लिए अवसर, रोज़गार एवं आर्थिक गतिविधियों का विस्तार, और संस्कृति एवं कला के संरक्षण और संवर्धन का ढांचा बनाना फिल्म नीति का वास्तविक उद्देश्य होना चाहिए। लेकिन वर्तमान समय में राजस्थान की फिल्म नीति का बड़ा हिस्सा लोकेशन शूटिंग के परमिशन, शुल्क और पर्यटन संबंधी पैकेजों पर केंद्रित रहता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि सरकार फिल्म उद्योग को एक व्यवसाय या क्रिएटिव सेक्टर के रूप में विकसित करने से पूरी तरह चूक जाती है। सचिवालय में बैठे अधिकारियों की सीख पर चलने वाले नीति निर्माताओं ने फिल्मों को सिर्फ पर्यटन बढ़ाने का साधन मान लिया है। पर्यटन को फिल्म नीति का परिणाम तो बनाया जा सकता है, लक्ष्य नहीं। फिल्म नीति में यह विभाजन स्पष्ट करना होगा। फिल्म उद्योग में कला, कौशल, रोजगार, रचनात्मकता शामिल होती है। सिने-पर्यटन उसका सह-उत्पाद हो सकता है।

राजस्थान में फिल्मों की शूटिंग तो खूब हुई, पर स्थानीय फिल्म निर्माण, स्थानीय कलाकारों का विकास, तकनीकी प्रशिक्षण आदि के पहलुओं में प्रगति नहीं हो पाई। इसलिए पर्यटन-केंद्रित सोच से हटकर 'रचनात्मक उद्योग' की दृष्टि से नीति बनाने की पहल करने की जरूरत है। नई फिल्म नीति को पर्यटन विभाग की फाइलों से निकाल कर कला और संस्कृति के तहत लाने की आवश्यकता है क्योंकि फिल्में कला का विस्तार हैं, लोकेशन-गाइड नहीं। लंबे समय से राजस्थान में फिल्म सिटी बनाने की बातें भी होती रही हैं। किन्तु अब यह भी बेमानी हो चुका है। डिजिटल तकनीक के विकास से अब फिल्म सिटी का कॉन्सेप्ट ही समाप्त हो चला है। राजस्थान की शूटिंग लोकेशन भी अब वीएफएक्स के ज़माने में अर्थहीन हो गई है। वास्तव में फिल्म सिटी के नाम पर फिल्म कारोबार से इतर के निजी निवेशक लालायित रहते हैं, जिनकी दिलचस्पी सिनेमा के बजाय रियल एस्टेट अर्थात रियायती दरों पर भूमि पाने और कर रियायतों में ही होती हैं जिसमें उन्हें सीधा मुनाफा दिखता है। इससे वास्तविक फ़िल्मकारों की मदद नहीं होती। राजस्थानी भाषा का साहित्य और यहां की लोक-कथाओं का समृद्ध भंडार किसी भी राज्य से कम नहीं है। बस जरूरतइस बात की है कि राजस्थानी फिल्में बनाने वालों को उस तरफ प्रेरित किया जाए तथा शॉर्ट फिल्म, डॉक्यूमेंट्री और इंडिपेंडेंट सिनेमा के लिए स्पेस तैयार किया जाए। राज्य में स्थानीय कलाकारों, तकनीशियनों और विद्यार्थियों के लिए सिने प्रशिक्षण का कोई कार्यक्रम नहीं है। फिल्म सिटी की बजाय राज्य सरकार को फिल्म इंस्टिट्यूट जैसा कोई अकादमिक संस्थान बनाने का सोचना चाहिए जहां फिल्म, अभिनय, सिनेमैटोग्राफी, पटकथा लेखन, मेकअप, और एडिटिंग की स्किल डेवलपमेंटका प्रशिक्षण की व्यवस्था हो। उसकी पुणे तथा कोलकाता के फिल्म एवं टेलीविज़न संस्थानों के साथ शैक्षणिक साझेदारी बनाई जा सकती है। अन्य राज्यों की तरह राजस्थान फिल्म विकास निगम भी बनाया जा सकता है, जिसमें सिने कला के असल जानकार लोगों को जोड़कर बेहतर काम किया जा सकता हैं। राजस्थान में कला और संस्कृति का भंडार है। यहां के लोक कलाकार, कथाकार, तथा शिल्पकार विश्व प्रसिद्ध हैं। लेकिन इनको सिनेमा से जोड़ने का सुव्यवस्थित ढांचा नहीं है। फिल्म विकास निगम यह काम कर सकता है। राजस्थान को महाराष्ट्र या बंगाल की तरह अपना क्षेत्रीय फिल्म उद्योग खड़ा करने के लिए राज्य सरकार फिल्म फेस्टिवलों को बढ़ावा देने की पहल भी कर सकती है। जयपुर से बाहर भी राज्य के बड़े शहरों में राजस्थानी भाषा की फिल्मों के फेस्टिवल मनाए जाने के लिए सरकार सक्रिय भागीदारी निभा सकती है। फिल्म फेस्टिवल, मार्केट और क्रिएटिव इकोनॉमी का विस्तार करने के लिए राजस्थान को साल भर चलने वाले फिल्म इवेंट कैलेंडर की जरूरत हैजो फिल्म नीति का एक अहम भाग हो सकता है। राजस्थान को सिनेमा के विश्व-नक्शे पर स्थापित करने की कल्पना भले ही अभी दूर की कौड़ी लगे किन्तु कल्पना की यह उड़ान नई फिल्म नीति का मूल मंत्र होनी चाहिए। राजस्थान की रेत, संगीत, लोक-कथाएं और संस्कृति पहले से ही अमर हैं-अब जरूरत है कि फिल्म नीति उन्हें आधुनिक सिनेमा की दृष्टि से भी उतनी ही मजबूती से स्थापित करे। राजस्थान को लोकेशन नहीं, एक क्रिएटिव सिनेमा सेंटर के रूप में विकसित करने का प्रयास होना चाहिए। राज्य सरकार यदि सही दृष्टि के साथ, पर्यटन से अलग हटकर कला और रचनात्मक उद्योग के विकास पर आधारित फिल्म नीति बनाए, तो राजस्थान न केवल भारत का बल्कि दुनिया का प्रमुख फिल्म हब बन सकता है।

पर्यटन के लिए तो राजस्थान खुद ही अपना ब्रांड है। अब जरूरत है कि फिल्म नीति उसे आधुनिक सिनेमा की दृष्टि से भी उतनी ही मजबूती से स्थापित करे। इसलिए राजस्थान को अपनी भाषा की फिल्मों की जरूरत है जिनमें यहां की कला और संस्कृति दर्ज हो सके तथा युवाओं को रोजगार और कौशल देने वाली क्रिएटिव इकोनॉमी विकसित हो सके।

राजस्थानी फिल्मों को स्थायी और विश्वसनीय प्रदर्शन स्थलों की उपलब्धता सुनिश्चित करना फिल्म नीति की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि दर्शकों को राजस्थानी फिल्मों तक सरल पहुंच मिल सके। यह स्पष्ट है कि राजस्थानी फिल्म निर्माण में कोई बड़ा निवेश नहीं आता है। मुख्य धारा के फिल्म प्रदर्शन स्थल राजस्थानी फिल्मों के निर्माताओं के बूते के बाहर हैं। इसके लिए यदि फिल्म नीति कोई सकारात्मक ठोस कदम की व्यवस्था करे तो वह राजस्थानी फिल्म निर्माण को बहुत बड़ा संबल होगा। इसके लिए बड़े शहरों में सार्वजनिक सभा भवनों, जिला मुख्यालयों पर सूचना केंद्रों के सभागृहों, कला मंडलों, टाउन हॉलों, तथा नगर निगम/नगर पालिका के सामुदायिक केंद्रों में फिल्म प्रोजेक्शन के इंतजाम करके तथा थोड़ी सुविधाएं बढ़ा कर वहां आम दर्शकों के वहन योग्य टिकट दर पर राजस्थानी भाषा में निर्मित फिल्मों के नियमित प्रदर्शन की व्यवस्था की जा सकती है। टिकटिंग व्यवस्था ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से हो सकती है। टिकट बिक्री से प्राप्त संपूर्ण आय सीधे फिल्म निर्माता अथवा निर्माण करने वाली संस्था को हस्तांतरित की जा सकती है। फिल्म प्रदर्शन की समय-सारिणी का निर्धारण करने के लिए एक फिल्म स्क्रीनिंग कमेटी बनाई जा सकती है। यह पहल क्षेत्रीय सिनेमा उद्योग के पुनर्जीवन की दिशा में एक मौलिक और व्यवहारिक कदम होगी। सरकारी सभागृहों का उपयोग बढ़ने से उनकी सांस्कृतिक उपयोगिता भी बढ़ेगी तथा राजस्थानी फिल्मों को निश्चित और स्थायी प्रदर्शन के लिए मंच मिलेगा। छोटे निर्माताओं को भी सीधी आर्थिक आय प्राप्त होगी, जिससे उद्योग में निवेश बढ़ेगा। युवा कलाकारों, तकनीशियनों और निर्देशकों को स्थायी अवसर मिलेंगे। जब फिल्मों को कला के रूप में देखा जाएगा, तभी यह उद्योग विकसित हो सकता है। राजस्थानी फिल्मों में पारंपरिक संगीत, वाद्य और नृत्य को फिल्मों में शामिल करने को प्रोत्साहन देने की फिल्म नीति में व्यवस्था होनी चाहिए। पर्यटन के लिए तो राजस्थान खुद ही अपना ब्रांड है। अब जरूरत है कि फिल्म नीति उसे आधुनिक सिनेमा की दृष्टि से भी उतनी ही मजबूती से स्थापित करे। इसलिए राजस्थान को अपनी भाषा की फिल्मों की जरूरत है जिनमें यहां की कला और संस्कृति दर्ज हो सके तथा युवाओं को रोजगार और कौशल देने वाली क्रिएटिव इकोनॉमी विकसित हो सके।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

न्याय एवं अधिकार की संकल्पना में अधिवक्ता महत्वपूर्ण कड़ी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयंती व अधिवक्ता दिवस विशेष.........

मनोज कुमार

- **आजादी के आंदोलन में अधिवक्ताओं का महत्वपूर्ण स्थान, अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी के फंदे से बचाया**
- **वर्तमान में उपभोक्ता संरक्षण क़ानून से पीड़ित उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय दिला रहे हैं**

देश के संविधान की रोशनी में न्यायप्रिय शासन व्यवस्था की चाहत रखने वाले हरेक भारतीय के लिए और विशेष रूप से अधिवक्ताओं के लिए दो दिसम्बर अपने संवैधानिक दायित्व एवं अधिकारों पर मनन करने का दिवस है। देश के प्रथम राष्ट्रपति और प्रख्यात एडवोकेट डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जन्मदिवस के मौके पर देशभर में अधिवक्ता दिवस मनाया जाता है।

3 दिसंबर 1884 को जन्में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने चंपारण सत्याग्रह, नमक सत्याग्रह, भारत छोड़ों आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और कई बार जेल गए। बहुत कम लोगों को मालूम है कि लाल बहादुर शास्त्री के 'जय जवान-जय किसान' के नारे से एवं डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन की हरित क्रांति से बहुत पहले डॉ. राजेन्द्र प्रसाद देश की अंतरिम सरकार में खाद्य एवं कृषि मंत्री रहते हुए 'अधिक अन्न उगाओ' का नारा दे चुके थे।

कई बार यह सवाल पूछा जाता है कि इस देश में अधिवक्ताओं का इतना सम्मान क्यों है? इसका बड़ा ही सरल सा जवाब है कि भारत की स्वतंत्रता में अधिवक्ताओं का विशेष योगदान रहा है। जितने भी प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी हुए, उनमें से अधिकांश अधिवक्ता ही थे। ये वही अधिवक्ता थे, जिन्होंने असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों की निरूशुल्क पैरवी कर उन्हें तत्कालीन अंग्रेज सरकार के क्रूर फांसी के फंदे से भी बचाया।

अब क्योंकि अंग्रेज सरकार का शासन तो समाप्त हो गया है, लेकिन फिर भी शोषण की प्रवृत्ति अभी भी अवचेतन मन में बची हुई है। इसी कड़ी में उपभोक्ताओं के साथ अनुचित व्यापार-कार्य व्यवहार के फंदे से बचाने में अधिवक्तागण आज भी अपना अहम योगदान दे रहे हैं। यही वजह है कि देश-प्रदेश में उपभोक्ता जागरूकता लगातार बढ़ रही है। अकेले झुंझुनूं जिले में गत 2 वर्ष में ढ़ाई हजार से अधिक प्रकरणों का निस्तारण किया गया है। उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय उपलब्ध करवाना तभी सम्भव हो पाया है, जब अधिवक्ताओं ने सकारात्मक रूप से उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की खूबसूरती को धरातल पर लागू करने में आगे बढ़ कर सहयोग किया है।

दरअसल उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम अपने आप में ऐसा संपूर्ण अधिनियम है जिसके दायरे में हर वो व्यक्ति शामिल है, जिसने वस्तु या सेवा क्रय पर रसीद ली है। इस कानूनी अधिकार के असली नायक/सेनापति का दायित्व अधिवक्ता ही निभाते है,तभी उपभोक्ताओं को न्याय मिल पाना सम्भव हुआ है। साथ ही अधिवक्तागण समय-समय पर उपभोक्ता हितों की पैरवी कर सही मायने में मजबूत लोकतंत्र का अहसास भी करवाते हैं।

वर्तमान समय की कसौटी में मजलूमों, पीड़ित-शोषित को न्याय दिलाने में अधिवक्ता को न्याय व्यवस्था का मेरुदण्ड कहा जाये तो कोई अतिश्योक्ति नहीं है। यों कहा जा सकता है कि सम्पूर्ण न्याय तभी सम्भव है, जब अधिवक्ता की मौजूदगी है। देश की जंग-ए-आजादी में आगे बढ़ कर कुर्बानी देने का गौरवशाली इतिहास अधिवक्ता समुदाय का रहा है। वहीं अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी के फंदों से बचाने में निस्वार्थ रूप से अहम भूमिका भी अधिवक्ताओं ने बखूबी निभाई है और भारतीय संविधान को बनाने में अधिवक्ताओं का अतुलनीय विशेष योगदान रहा है। हमारे देश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था की मजबूती व खूबसूरती को उच्चतम मुकाम पर रखने में अधिवक्ता समुदाय का अकल्पनीय कार्य व्यवहार आज भी अंतिम पंक्ति में खडे भारतीय के दिलोदिमाग़ में संविधान व न्याय के प्रति अटूट विश्वास जगाता रहता है। संविधान की पवित्रता से सराबोर विधि एवं न्याय में विश्वास रखने वाले विद्वान अधिवक्ताओं व आमजन को अधिवक्ता दिवस की असीम शुभकामनाएं।

प्यारे मुल्क भारत के प्रथम राष्ट्रपति महान कानूनविज्ञ स्वतंत्रता सेनानी भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को कोटि-कोटि नमन। वन्दन।।

मनोज कुमार, अध्यक्ष,
उपभोक्ता आयोग, झुंझुनूं

मारवाड़ का ही नहीं, राजस्थान का भी गौरव बढ़ाया था फिल्म अभिनेता 'सज्जन' ने

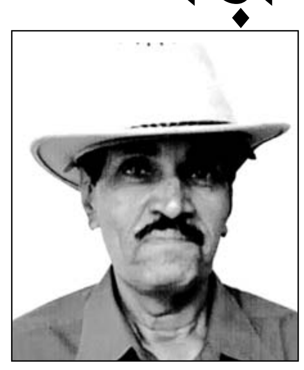

मिश्रीलाल पंवार

जोधपुर की धरा जहां वीरों की भूमि रही है वहीं राजस्थान की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में भी पहचानी जाती है। यहां ऐसे अनेक कलाकार भी हुए, जिन्होंने अपनी प्रतिभा का श्रेष्ठ प्रदर्शन कर मारवाड़ का ही नहीं, राजस्थान का गौरव बढ़ाया। ऐसे ही कलाकारों में 'सज्जन' एक उच्च कोटि के अभिनेता हुए हैं। सज्जन ने हिन्दी फिल्मों में अपनी प्रतिभा के बलबूते अलग ही पहचान बनाई। उन्होंने अधिकतम फिल्मों में चरित्र अभिनेता की भूमिका निभाई। कई बार अपने अभिनय से इतना प्रभाव छोड़ते कि फिल्म के दूसरे कलाकार उनके सामने बौने नजर आते। उन्होंने उस जमाने के सभी निर्माता निर्देशकों के साथ काम किया।

इनका पूरा नाम सज्जन लाल पुरोहित था। सज्जन का जन्म 15 जनवरी 1921 को जोधपुर में पुष्करणा ब्राह्मण परिवार में हुआ था। इन्होने जोधपुर के जसवंत कॉलेज से ग्रेजुएशन किया था। इनके घरवाले इन्हें वकील बनाना चाहते थे। इसलिए वकालत करने के लिए इन्हें कलकत्ता भेज दिया। कलकत्ता उन दिनों फ़िल्म निर्माण का भी बड़ा केंद्र था। अभिनय का इन्हें बचपन से शौक था। इसलिए वकालत की पढ़ाई करते ये कलकत्ता में फ़िल्मों की तरफ़ आकर्षित हो गए। सज्जन ने फ़िल्मों में काम करना शुरू कर दिया। पहले एक्स्ट्रा कलाकार के तौर पर काम किया । बाद में छोटे-छोटे डायलॉग्स वाले किरदार भी मिलने लगे। वे अभिनेता, नाटककार, कवि और बहुमुखी प्रतिभा के धनी कलाकार थे। जो एक बार उनसे मिलता, उनकी कलाकारी का कायल हो जाता।

कुछ समय बाद वे कलकत्ता छोड़कर बंबई आ गए। बंबई में इनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर किदार शर्मा ने सज्जन को अपना असिस्टेंट बना लिया। उस वक्त राज कपूर भी किदार शर्मा के असिस्टेंट हुआ करते थे। सज्जन को लेखन का भी शौक था। बंबई में सज्जन ने कुछ फ़िल्मों के लिए संवाद लेखन का काम भी किया था। कुछ समय किदार शर्मा के साथ काम करने वाले के बाद सज्जन गजानन जागीरदार के असिस्टेंट बने। कहते हैं उन्हें 35 रुपए महीना की तनख्वाह मिलती थी। वो नौकरी इन्होंने काफ़ी वक्त तक की थी। सज्जन ने 150 से अधिक फिल्मों और टीवी शो में काम किया। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1941 में मासूम फिल्म से एक अतिरिक्त कलाकार के रूप में की थी और 1948 में धन्यवाद से मुख्य अभिनेता के रूप में अभिनय किया था। रामानंद सागर की फिल्म आंखें में उनके साथ काम किया था। इस फिल्म के बाद से ही सज्जन की अदाकारी रामानंद सागर के जेहन में बस गई थी। जब रामानंद सागर के मन में की वीं सीरियल विक्रम और बेताल बनाने का ख्याल आया, तब उन्होंने बेताल के किरदार के लिए सज्जन को चुना। सज्जन ने भी देर न करते हुए सीधे हां कह दिया।

सीरियल में विक्रम की भूमिका अरुण गोविल ने निभाई थी, जो आगे चलकर टीवी के श्रीराम बने। वहीं, सज्जन ने बेताल बन दर्शकों के बीच अलग ही छाप छोड़ी। यह भारत का पहला ऐसा शो था, जिसमें टीवी पर स्पेशल इफेक्ट्स दिखाए गए थे। डरावनी शक्ल और बड़ी आंखें और लंबे सफेद बालों वाले बेताल का लुक उस जमाने में लोगों के बीच रोमांच पैदा कर रहा था। बेताल द्वारा बोला गया डायलॉग तू बोला, तो मैं चला जा रहा हूं। मैं तो चला। आज भी लोगों के जेहन में बसा हुआ है।

1985 में प्रसारित होने वाला टीवी शो विक्रम और बेताल पूरे देश का ध्यान खींचने में सफल रहा था। टीवी शो विक्रम और बेताल के साथ एक अन्य शो लेना-देना में काम किया। सज्जन ने अपने करियर की शुरुआत मासूम (1941), चौरंगी (1942) जैसी फिल्मों में बतौर एक्स्ट्रा कलाकार की थी। उन्होंने मीना (1944) के संवाद और दूर चलें (1946) और धन्यवाद (1948) के गीत भी लिखे।

1950-60 के दशक में इस बहुमुखी अभिनेता ने सैयां, रेल का डिब्बा, बहना, शीशा, मालकिन, निर्मोही, कस्तूरी, मेहमान, लगन, गर्ल स्कूल, परिधान, दो दूल्हे, घर-घर में दिवाली, हा-हा-ही-ही-हू-हू, पूनम झांझर, हल्ला- गुल्ला जैसी कई फिल्मों में अभिनय किया।

60 के दशक में इस बहुमुखी अभिनेता ने सैयां, रेल का डिब्बा, बहना, शीशा, मालकिन, निर्मोही, कस्तूरी, मेहमान, लगन, गर्ल स्कूल, परिधान, दो दूल्हे, घर-घर में दिवाली, हा-हा-ही-ही-हू-हू, पूनम झांझर, हल्ला- गुल्ला जैसी कई फिल्मों में अभिनय किया। 1967 में प्रदर्शित हुई हिंदी फिल्म फ़र्ज़ ने उस जमाने में सूपर डूपर रही थी । फ़र्ज़ फ़िल्म में अभिनेता सज्जन ने विलेन का किरदार निभाया था। फिल्म की नायिका बबीता थी। सज्जन ने उनके पिता दामोदर बने। फिल्म की कहानी के अनुसार, दामोदर को एक राष्ट्रद्रोही एक खलनायक के रूप में दिखायागया था। दामोदर भारत को नष्ट करने की साजिश रचने वाले विदेशी एजेंटों के साथ मिला होता है। इस फिल्म में सज्जन ने अपने अभिनय से लोगों का दिल जीत लिया।

फ़िल्मों में तो ये कोई 50 साल तक सक्रिय थे। मगर टीवी पर इन्होंने एक बार ही काम किया था। और उस एक बार में ही इन्हें लोकप्रिय के शीघ्र तक पहुंचा दिया। टीवी जगत में भी इनका नाम अमर हो गया। फ़िल्मी दुनिया में वे सिर्फ़ सज्जन के नाम से जाने जाते थे। सन 2000 में 17 मई के दिन करीब 79 साल की उम्र में सज्जन का निधन हो गया। उस दिन हर फिल्म दर्शक की आंख नम थी। पूरा जोधपुर शोक में डूबा रहा।

- मिश्रीलाल पंवार,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)।

गौतस्कों से गौवंश को बचाने के लिए झारेडा गांव में गौशाला खोली

- **एक करोड़ रुपये की बेशकीमती जमीन गौमाता के नाम कर गौसेवा में जुटा है पूरा परिवार**

अलवर, (निसं)। कहते हैं गौ सेवा से सनातन में बड़ी सेवा नहीं और गौवंश की रक्षा के लिए अनेकों गौशालाएं एवं उन्हें गौतस्करों से बचाने के लिए अनेकों गौ रक्षक दल बने हुए हैं, जो अपनी जान पर खेलकर गोवंश की रक्षा करते हैं। इसी कड़ी में उद्योग नगर में एक नवयुवक ने अपनी करीब एक करोड़ की जमीन को गौ माता के नाम करते हुए एक गौशाला खोल दी, जिस पर वहां के नागरिकों ने युवक का आभार जताया। वहीं उद्योगपतियों व आम नागरिकों ने गौमाता के भरण पोषण का जिम्मा उठाया है। लेकिन इस पुनीत काम को लेकर कुछ लोग जो गौतस्करों के करीबी उन्हें यह गौशाला रास नहीं आ रही और वे उसे अवैध बताते हुए हटवाने की फिराक में है।

अलवर उद्योग नगर एमआईए मेवात क्षेत्र से सटा हुआ है और यहां से गौतस्करी जोरों से होती है, क्योंकि यहां ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण लोग अपनी गायों को चारा आदि के अभाव में लावारिस भटकने के लिए छोड़ देते हैं। इन घूमते गौवंशों पर तस्करों की निगाह होती है और वे उन गौवंशों को चोरी कर बूचड़खाने पहुंचा देते हैं। इन सभी को देखते हुए क्षेत्र के लोगों ने एक बैठक कर यहां एक गौशाला बनाने की सोची। इसी विचार को जान कर क्षेत्र के युवा देसूला गांव के बीरू कुमार जो कि पेशे से पत्रकार भी हैं उन्होंने गौमाता की सेवा का बीड़ा उठाते हुए झारेडा में अपनी बेशकीमती जमीन गौमाता के नाम करते हुए यहां श्री श्याम गौशाला सेवा समिति खोल दी। बीरू कुमार की इस पहल का ग्रामीणों ने स्वागत किया और उसे हर प्रकार की सहायता मुहैया कराने का फैसला लिया। यह गौशाला पिछले करीब दो साल से लगातार काम कर रही है यहां करीब दर्जन भर से ज्यादा गाय है, जिनके भरण-पोषण की जिम्मेदारी गौभक्तों द्वारा उठाई जा रही है। इधर लावारिस गौवंश का यहा घूमना बन्द हो जाने से गौ तस्करी से जुड़े कुछ लोगों का खर्चा पानी बंद हो गया तो उन्होंने इस गौशाला को बंद करवाने के लिए गौशाला को अवैध बताते हुए अनेकों जगह इसकी शिकायत कर डाली। इन सभी बातों की जब यहां के सरपंच मंगल सिंह सहित क्षेत्र के मौजिज लोगों को पता चली तो उन्होंने जिला प्रशासन को लिख कर दे दिया कि यह गौशाला क्षेत्र में अच्छा काम कर रही है। यहां किसी प्रकार की लूट-खसोट नहीं है। इस गौशाला पर लोग अपनी मर्जी से चंदा या गायों का खाना देते हैं इस गौशाला का विरोध करने वाले खुद ही भ्रष्ट और गौतस्करों से मिले हुए हैं। गौशाला के समर्थन में सरपंच मंगल सिंह सहित भाजपा नेता जगदीश अटल, रूप सिंह केरवा, राजेन्द्र चौधरी डूमेडा, नरेन्द्र चौधरी, श्याम बिहारी चौधरी, विक्रम चौधरी, अजय प्रजापत, रतीराम झारेडा, हरि सिंह चौधरी, महेश चौधरी जातपुर सहित दर्जनों ग्रामीण शामिल रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 3 दिसम्बर, 2025

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र सायं 6:00 तक, परिघ योग सायं 4:57 तक, तैतिल करण सायं 7:26 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:14 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृश्चिक, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

सर्वार्थ सिद्धि योग सायं 6:00 से सूर्योदय तक है। रवियोग सायं 6:00 तक है। आज भरणी कृत्तिक दीपम (द. भारत में)। आज कृषि शिक्षा दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:40 तक, शुभ 10:58 से 12:16 तक, चर 2:53 से 4:11 तक, लाभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:04, सूर्यास्त 5:29 तक

मेष
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आज मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

मकर
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना बन सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने मोदी-शाह समेत कई केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात की

भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय मंत्री राजीव रंजन से मुलाकात कर राजस्थान के किसानों और पशुपालकों के हित से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की

नई दिल्ली/जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अपने नई दिल्ली दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम प्रधानमंत्री मोदी से भेंट कर उन्हें राज्य की डबल इंजन सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं और राजस्थान के विकास के रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी। भजनलाल शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देता रहेगा। शर्मा ने संसद भवन पहुंचकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ से भी मुलाकात की। इस दौरान तीनों नेताओं के बीच राजस्थान के चहुंमुखी विकास और केंद्र एवं राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। इस दौरान शर्मा ने शाह को राजस्थान में विकास और सुशासन की दिशा में किए जा रहे नवाचारों, लोक कल्याणकारी योजनाओं व सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। शर्मा ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एवं रसायन व उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा से शिष्टाचार भेंट कर नड्डा को उनके जन्मदिवस पर शुभकामनाएं दी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे आधुनिक सुधारों, चिकित्सा सेवाओं के सशक्तिकरण तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति पर विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को ही केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। इस दौरान राज्य में कुशल वित्तीय प्रबंधन, जीएसटी सुधारों से आमजन को हुए फायदों सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन, डेयरी तथा पंचायतीराज मंत्री राजीव रंजन सिंह के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में राजस्थान के समग्र विकास तथा किसानों और पशुपालकों के कल्याण से जुड़े कई प्रमुख मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

दोनों नेताओं ने केंद्र की योजनाओं की प्रगति और पंचायतीराज संस्थाओं की विकास यात्रा को ओर गति देने पर भी विचार-विमर्श किया। इस दौरान शर्मा ने प्रदेश में अटल ज्ञान केंद्र की स्थापना में सहयोग के लिए केंद्रीय मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक के बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि राजस्थान की डबल इंजन सरकार राज्य के त्वरित विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

- **मुख्यमंत्री ने राज्य में अटल ज्ञान केंद्र की स्थापना में सहयोग के लिए केंद्रीय मंत्री का जताया आभार**

उन्होंने बताया कि कैमल मिल्क और इससे निर्मित उत्पादों के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रभावी विपणन की दिशा में राज्य सरकार तेजी से कदम उठा रही है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुपालन और डेयरी क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न योजनाओं पर कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और गरीब कल्याण के लिए नीतियां लागू करने के साथ ही निरंतर जनहितैषी फैसले ले रही हैं।

एएजी पद्मेश मिश्रा की नियुक्ति पर पुनः लगी हाईकोर्ट की मुहर

अदालत ने उनकी नियुक्ति के खिलाफ दायर अपील भी खारिज की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा अधिवक्ता पदमेश मिश्रा को अतिरिक्त महाधिवक्ता (एएजी) बनाये जाने के आदेश को सही ठहराया है। अदालत ने उनकी नियुक्ति के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया है और इसी मामले में एकलपीठ द्वारा दिए गए फैसले को भी जायज ठहराया है।

- **हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ''मामलों को अदालतों में प्रस्तुत करना एक कला है, जिसका अनुभव से कोई लेना-देना नहीं होता है। कई बार कम अनुभव वाले वकील भी एक्सपर्ट्स और विशेषज्ञ अधिवक्ताओं से बेहत्तर जिरह कर सकते हैं। यह राज्य सरकार का दायित्व है कि, वह किसे जिरह के लिए एएजी चुनती है।''**

उल्लेखनीय है कि इस मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के ही अन्य अधिवक्ता सुनील समदरिया ने पद्मेश मिश्रा की नियुक्ति के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि, राज्य सरकार की विधि नीति के विरूद्ध जाकर मिश्रा को एएजी बनाया गया है और अधिवक्ता पद्मेश मिश्रा के पास पर्याप्त अनुभव ही नहीं है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और बलजिंदर सिंह संधू ने इस मामले में अपना फैसला सुनाया है।

जैसा कि विदित है कि, अधिवक्ता सुनील समदरिया ने इस मामले में दायर अपील में राज्य सरकार की विधिक नीति को भी चुनौती दी थी, जिसमें उन्होंने कहा कि, एक तरफ विधिक नीति के मुताबिक एएजी बनने के लिए 10 वर्ष का न्यूनतम अनुभव होना जरूरी है, वहीं दूसरी ओर विधिक नीति की धारा 14.8 के अनुसार, राज्य सरकार किसी भी अधिवक्ता को एएजी नियुक्त कर सकती है।

उनका कहना था कि, पुरानी विधिक नीति में संशोधन करने के तुरंत बाद ही पदमेश मिश्रा को एएजी बनाने के लिए सिफारिश दी गई, जिस पर तुरंत राज्य सरकार ने फैसला भी ले लिया। उनका आरोप था कि, विधिक नीति में जिस तरह संशोधन करके पदमेश मिश्रा की नियुक्ति की गई, उससे प्रतीत होता है कि, केवल मिश्रा को ही एएजी पद का लाभ देने के लिए यह नीति बदली गई थी।

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने अपने फैसले में एकलपीठ के फैसले को ही उदृत किया और कहा कि, नीति में फेरबदल करना और नीति के बाद किसी व्यक्ति विशेष की नियुक्ति तथा इस पूरी प्रक्रिया को मनमानी और दुर्भावनावश की गई नियुक्ति नहीं माना जा सकता।

इस मामले में जिरह करते हुए महाधिवक्ता ने कहा कि, विधिक नीति सिर्फ मार्गदर्शन के लिए बनायी गई गाइडलाइन है, किसी अधिनियम के अंतर्गत जारी कानून नहीं है।

उन्होंने कहा कि, इस नियुक्ति से ना तो किसी व्यक्ति विशेष को अधिकार मिलता है और ना ही किसी का अधिकार छिनता है। यह केवल और केवल राज्य सरकार की नीति और फैसला है, कि वह किस व्यक्ति विशेष को किस विभाग के मामले अदालत के समक्ष जिरह करने के लिए चुनती है।

अदालत के समक्ष यह भी तर्क प्रस्तुत किया गया कि, अतिरिक्त महाधिवक्ता का पद महाधिवक्ता के पद की तरह नहीं होता, जो एक संवैधानिक पद हैं। अदालत को यह भी बताया गया कि, सुप्रीम कोर्ट भी यह कह चुका है कि अतिरिक्त महाधिवक्ता, राज्य सरकार और महाधिवक्ता के सहायक के रूप में अदालतों में किसी विभाग के विशेष मामले प्रस्तुत करने में मदद करते हैं।

वह महाधिवक्ता की तरह किसी सार्वलनिक कार्यालय के पद पर नहीं रहते हैं और ना ही जनता के प्रति उनकी कोई जवाबदेही होती है। यह कार्य केवल महाधिवक्ता का है। चूंकि यह कोई सरकारी पद नहीं है, इसलिए व्यक्ति विशेष, एएजी को हटाने के लिए याचिका दायर नहीं कर सकता।

पदमेश मिश्रा के अनुभव पर उठे सवालों को लेकर अदालत ने टिप्पणी की, कि मामलों को अदालतों में प्रस्तुत करना एक कला है, जिसका अनुभव से कोई लेना-देना नहीं होता है। कई बार कम अनुभव वाले वकील भी एक्सपर्ट्स और विशेषज्ञ अधिवक्ताओं से बेहत्तर जिरह कर सकते हैं। यह राज्य सरकार का दायित्व है कि, वह किसे जिरह के लिए एएजी चुनती है।

वकील से दुर्व्यवहार पर हाईकोर्ट की फटकार : कुडी थानाधिकारी सस्पैंड, थाना स्टॉफ लाइन हाजिर

एस.एच.ओ. द्वारा बदत्तमीजी करने का वायरल वीडियो देखने के बाद हाईकोर्ट के मुख्याधीश ने पुलिस आयुक्त, डीसीपी वेस्ट, एसीपी और थानाधिकारी को कोर्ट में तलब कर फटकार लगाई

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर कमिश्नरेट के जिला पश्चिम के कुड़ी भगतासनी थानाधिकारी हमीर सिंह और अधिवक्ता भरत सिंह राठौड़ के साथ सोमवार की शाम को हुई नोंक-झोंक के बाद थानाधिकारी द्वारा किए गए दुर्व्यवहार को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो ने अधिवक्ताओं में हलचल पैदा कर दी। रातों रात अधिवक्ता लामबद्ध हो गए और कुड़ी थाने पर थानाधिकारी और स्टाफ को लेकर कार्रवाई की मांग करते हुए धरना प्रदर्शन करने लगे। मंगलवार सुबह तक काफी संख्या में अधिवक्ता थाने पर एकत्र हो गए और धरना प्रदर्शन जारी रहा। इस बीच राजस्थान हाईकोर्ट ने इस घटनाक्रम को लेकर प्रसंज्ञान लिया और पुलिस आयुक्त, डीसीपी वेस्ट, एसीपी और थानाधिकारी को कोर्ट में तलब कर दिया। हाईकोर्ट के कार्यवाहक न्यायाधीश एसपी शर्मा और बीएस संधू की अदालत में सुबह मामले को लेकर सुनवाई आरंभ हुई और पुलिस को कल का वीडियो दिखाया गया। कोर्ट ने पुलिस को थाने में सीसीटीवी कैमरे लगाने के सहित घटना को लेकर फटकार लगाई और एसएचओ को निलंबित किए जाने के आदेश जारी किए। साथ ही थाने में वक्त घटना तैनात पुलिस कर्मियों को थाने से हटाने के आदेश दिए। कोर्ट ने मामले में आईपीएस अधिकारी से जांच करवाने की बात भी की।

- **उच्च न्यायालय ने पुलिस थाने में सी.सी.टी.वी. कैमरे नहीं लगाये जाने को लेकर नाराजगी भी जताई**

पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश ने मामले को लेकर ऐसी पुनरावृति ना हो इसके लिए कोर्ट को आश्वस्त किया। एसएचओ सहित सायंकालिन ड्यूटी पर तैनात स्टाफ को भी हटाने के लिए बात की। जानकारी के अनुसार कमिश्नरेट के जिला पश्चिम में कुड़ी भगतासनी थाने में थानाधिकारी हमीर सिंह की एक रेप पीड़िता के साथ आए अधिवक्ताओं से नोक-झोंक हो गई थी। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। आरोप था कि थाने में एक अधिवक्ता के साथ दुर्व्यवहार किया गया।

बताया जा रहा है कि, अधिवक्ता भरत सिंह राठौड़ व महिला अधिवक्ता पत्नी एक रेप पीड़िता के साथ कुड़ी थाने गए थे। यहां मामले में कार्रवाई करने व पुलिसकर्मियों के वर्दी नहीं पहनने को लेकर अधिवक्ता की थानाधिकारी हमीर सिंह के साथ बहस हो गई। वीडियो में देखा जा सकता है कि अधिवक्ता को धमकाते थाना अधिकारी ने कहा कि तुम ये पूछने वाले कौन होते हो। इसके बाद थानाधिकारी वकील को पकड़कर अंदर ले जाते वीडियो में रिकार्ड हो गए। हालांकि उनके साथ आए अधिवक्ता ने विरोध भी जताया। यह विडियो वायरल होते ही वकीलों की भीड़ थाने पर इकट्ठी हो गई तथा घटना पर आक्रोश प्रकट करते प्रदर्शन शुरू कर दिया।

अधिवक्ता राठौड़ का आरोप है कि उनके साथ वहां दुर्व्यवहार किया गया और थानाधिकारी ने वर्दी का रौब जमाते हुए अपने अधिकारों का दुरूपयोग किया। यह वीडियो तेजी से रात को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद राजस्थान हाईकोर्ट एसोसियेशन और लायर्स एसोसियेशन के अधिवक्ता लामबद्ध हो गए और कार्रवाई की मांग करने लगे थे।

इधर इस मामले को राजस्थान हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश की अदालत के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. सचिन आचार्य ने रखा और पूरे प्रकरण से अवगत कराया। अदालत ने पहले घटना का वायरल वीडियो देखा और तुरंत संज्ञान लेकर पुलिस कमिश्नर, पुलिस उपायुक्त (डीसीपी वेस्ट) और कुड़ी थानाधिकारी को कोर्ट में तलब किया। कोर्ट ने वीडियो देखने के बाद पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश को जमकर फटकार लगाई।

जोधपुर पुलिस कमिश्नर और सरकार को हिदायत दी कि सभी पुलिसकर्मियों को सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग दी जाए। किससे, किस तरीके से बात करनी चाहिए, कैसे लोगों से पेश आना चाहिए, यह पुलिस को आना चाहिए। पुलिस कमिश्नर ने कोर्ट में कहा कि आईपीएस स्तर के अधिकारी से जांच करवाई जा रही है। अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद होगी। इसके साथ ही पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जांच रिपोर्ट भी कोर्ट में पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

चारधाम हेलीकॉप्टर सेवाओं में सुरक्षा बढ़ाना और तीर्थयात्रियों की सुविधा सर्वोपरि : मदन राठौड़

जयपुर। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने चार धाम तीर्थयात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के मुद्दे को सदन में प्रमुखता से उठाया। राठौड़ के सवाल के जवाब में नागर विमानन मंत्रीमुरलीधर मोहोल ने बताया कि हेलीकॉप्टर संचालन को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कई अतिरिक्त उपाय किए गए हैं। सहस्त्रधारा (देहरादून) और सीतापुर (केदारनाथ) हेलीपैड पर विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। इन कक्षों में यूसीएडीए के प्रभारी अधिकारी, एटीसी अधिकारी और आईएमडी अधिकारी वास्तविक समय के मौसम डेटा और यातायात स्थितियों के आधार पर गो/नो-गो निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार हैं। यह व्यवस्था तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुई है।सांसद मदन राठौड़ ने हेलीपैड निरीक्षण और प्रचालकों के ऑडिट पर भी स्पष्ट जानकारी मांगी। इसके जवाब में मंत्री ने बताया कि केदारनाथ के लिए परिचालन आरंभ करने से पहले डीजीसीए ने 7 हेलीपैडों और 6 हेलीकॉप्टर प्रचालकों का निरीक्षण/ऑडिट किया। इसके अतिरिक्त चार धाम हेतु परिचालन की अनुमति प्रदान करने से पूर्व 12 प्रचालकों और 10 हेलीपैडों की विस्तृत जाँच की गई। चार धाम और केदारनाथ मार्गों पर अतिरिक्त मौसम कैमरों की स्थापना की गई है, जिससे प्रतिकूल परिस्थितियों की त्वरित पहचान संभव हो सकी। उन्होंने बताया कि मानसून-पश्चात चरण में सभी उड़ानें सुरक्षित और सुव्यवस्थित रूप से संचालित की गई और डीजीसीए के उपायों ने विश्वसनीयता को और मजबूत किया है।

45 लाख के डोडा-पोस्त के साथ दो तस्कर भाई गिरफ्तार

ग्रेनाइट की आड़ में छिपाई गई 304 किलो से अधिक अफीम और डोडा-चूरा की खेप जब्त

जयपुर (कासं)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स राजस्थान की सूचना पर भीलवाड़ा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रक कंटेनर की गहन जांच के बाद ग्रेनाइट की बिल्टी की आड़ में तस्करी किया जा रहा 45.75 लाख रुपए मूल्य का 304 किलो 700 ग्राम अवैध डोडा पोस्त जब्त किया है। पुलिस टीम ने मौके से बीकानेर के दो तस्कर भाइयों पूरणा राम लेघा (40) और देवेंद्र उर्फ देवा (21) निवासी सोमलसर को गिरफ्तार किया है।

- **एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा किया**

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की सूचना पर भीलवाड़ा पुलिस ने 304 किलो डोडा-पोस्त जब्त कर दो तस्कर दबोचे।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि टीम को महत्वपूर्ण गोपनीय जानकारी मिली कि एक ट्रक कंटेनर में ग्रेनाइट की बिल्टी की आड़ में तस्करी की जा रही है। इस सूचना के आधार पर गुलाबपुरा थाना पुलिस ने त्वरित नाकाबंदी की।

नाकाबंदी तोडकर भागे संदिग्ध ट्रक को पीछा कर चौकी 29 मील चौराहा पुलिया पर रुकवा लिया। ट्रक की विधिवत तलाशी लेने पर उसमें छिपाए गए 15 कट्टों में भरा यह भारी मात्रा में 304 किलो 700 ग्राम अफीम डोडा चूरा बरामद हुआ। इस मामले में दोनों भाई पूरणा राम लेघा (40) और देवेंद्र उर्फ देवा (21) को गिरफ्तार किया गया।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी आंध्र प्रदेश के मातूर जिले से ग्रेनाइट भरकर पंजाब की ओर जा रहे थे। उन्होंने बीच रास्ते मध्य प्रदेश के जावर क्षेत्र से यह डोडा पोस्त लोड किया। जिसे बीकानेर जिले के गांव अर्जुनसर निवासी देवाराम उर्फ भानू नाम के व्यक्ति को देनी थी। जो अपनी कार या कैंपर गाडी लेकर उनका इंतजार करता। दोनों तस्करों ने पूर्व में तीन से चार बार मादक पदार्थों की तस्करी करने की बात स्वीकार की है।पुलिस टीम दोनों शातिर आरोपियों से गहनता से पूछताछ करने में जुटी है, ताकि उनके पूरे अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क का समूल पर्दाफाश किया जा सके।

इस कार्रवाई में कांस्टेबल विजय सिंह व गोपाल धाबाई की विशेष भूमिका और हेड कांस्टेबल महावीर सिंह व जितेंद्र की तकनीकी कुशलता सराहनीय रही। वहीं टीम में शामिल एसआई प्रताप सिंह, बनवारी लाल शर्मा, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, हेमंत शर्मा, कांस्टेबल देवेंद्र सिंह, गंगाराम व चालक दिनेश शर्मा का भी उत्कृष्ट सहयोग रहा।

230 माइनर मिनरल ब्लॉकों की ई-नीलामी प्रक्रिया शुरु

जयपुर (कासं)। राज्य में दिसंबर माह में 230 माइनर मिनरल प्लॉटों की ई-नीलामी की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई हैं वहीं चालू वित्तीय वर्ष के आगामी तीन माहों में करीब 400 माइनर मिनरल प्लॉटों की ई-नीलामी का एक्शन प्लान बनाया गया है। प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने यह जानकारी मंगलवार को सचिवालय में मेजर और माइनर मिनरल ब्लॉकों और प्लॉटों की ई-नीलामी की समीक्षा बैठक के दौरान दी। उन्होंने कहा कि खान विभाग एक और खनिज खोज कार्य को गति दे रहा हैं, वहीं फील्ड मशीनरी को और अधिक सक्रिय करते हुए प्लॉट डेलिनियेशन से लेकर ऑक्शन पूर्व तैयारियां मिशन मोड़ में पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

टी. रविकान्त ने बताया कि विभाग द्वारा आगामी तीन माह का एक्शन प्लान बना लिया है और उसी के अनुसार एनआईबी जारी करने से लेकर ऑक्शन प्रक्रिया पूरी करने तक की पूर्व तैयारियां की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मिनरल ब्लॉकों की समयबद्ध नीलामी पर जोर देते रहे हैं, जिससे अवैध खनन गतिविधियों पर रोक, वैध खनन को बढ़ावा, माइनिंग सेक्टर में निवेश और रोजगार के साथ ही राज्य सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी हो सके।निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि दिसंबर माह में 104 माइनर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी के लिए एनआईबी जारी कर दी गई है और 126 माइनर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी एनआईबी इसी सप्ताह जारी हो जाएगी।

मंत्री सुरेश सिंह रावत ने किया जंबूरी विजेता दल का अभिनन्दन

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के उपाध्यक्ष एवं राज्य सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने अपने आवास पर उत्तरप्रदेश के लखनऊ में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में सहभागिता कर लौटे प्रदेश के दल के राज्य स्तरीय पदाधिकारियों को आमंत्रित कर सम्मानित किया।

जयपुर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के उपाध्यक्ष एवं राज्य सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने अपने आवास पर उत्तरप्रदेश के लखनऊ में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में सहभागिता कर लौटे प्रदेश के दल के राज्य स्तरीय पदाधिकारियों को आमंत्रित कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर रावत ने जम्बूरी में राजस्थान दल द्वारा जीती हुए सर्वोच्च अवार्ड एवं पताकाओं का अवलोकन कर सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई अर्पित की और राजस्थान का गौरव बढ़ाने के लिए साधुवाद दिया। रावत ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड सदैव प्रदेश एवं संगठन को गौरवान्वित करता रहा है।

- **दल ने जंबूरी में प्राप्त सर्वोच्च अवार्ड का अवलोकन कराया**

भारत स्काउट व गाइड के सदस्यों का कार्य समाज एवं राष्ट्र की सेवा व समृद्धि को समर्पित रहा है। इस अवसर पर स्टेट कमिश्नर डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) पूरण सिंह शेखावत, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) बन्ना लाल, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) नीता शर्मा, सहायक संपादक नीरज जैन, सर्कल आर्गेनाइजर एल.आर. शर्मा, शरद कुमार शर्मा, गगनदीप कौर, कृष्णा सैनी, गोविन्द प्रसाद मीणा एवं राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय के शिक्षक अपने स्काउट्स एवं महात्मा गांधी बालिका इंग्लिश मीडियम विद्यालय वाटिका की अध्यापिका अपनी गाइड्स के साथ उपस्थित रहीं। शेखावत ने रावत को जम्बूरी का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करते हुए जम्बूरी में हुई प्रतियोगिताओं व गतिविधियों तथा जम्बूरी में राष्ट्रपति, उत्तरप्रदेश की राज्यपाल, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों व गणमान्यजन की उपस्थिति से अवगत कराया।

अटल भू-जल योजना से ग्रामीण भारत में जल प्रबंधन की जगी आशा : मदन राठौड़

''कैच द रेन'' अभियान देश को जल आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम

जयपुर। भाजपा के राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने सदन के पटल पर जल प्रबंधन, भूजल संरक्षण और डिजिटल मॉनिटरिंग प्रणाली से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दे को उठाया। उन्होंने जल शक्ति मंत्रालय से यह स्पष्ट जानकारी मांगी कि देश में लागू विभिन्न जल संरक्षण योजनाओं की वास्तविक स्थिति क्या है और उनका आम जनता पर कितना असर पड़ रहा है। सांसद राठौड़ ने अटल भूजल योजना की प्रगति और इससे संबंधित राज्यों तथा ग्राम पंचायतों की वर्तमान स्थिति पर सवाल उठाए। जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने बताया कि अटल भूजल योजना एक सामुदायिक नेतृत्व आधारित कार्यक्रम है, जिसे सात राज्यों गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के 8203 ग्राम पंचायतों में लागू किया गया है। यह क्षेत्र वे हैं जहां लंबे समय से जल की अत्यधिक कमी देखी जा रही है।

- **'अटल भूजल योजना एक सामुदायिक नेतृत्व आधारित कार्यक्रम है, जिसे सात राज्यों गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के 8203 ग्राम पंचायतों में लागू किया गया है'**

उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य भूजल स्तर में सुधार करना, समुदायों को जल प्रबंधन की मुख्य धारा से जोड़ना और मांग-पक्ष प्रबंधन को सशक्त बनाना है। इस योजना की बदौलत हजारों गांवों में जल उपयोग के प्रति जागरूकता और सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि जल शक्ति अभियान कैच द रेन के तहत देशभर के सभी जिलों में व्यापक कार्य चल रहे हैं। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा विकसित जियो-मंडल जीआईएस प्लेटफॉर्म और डिजिटल डैशबोर्ड इस अभियान का प्रमुख आधार हैं। इनके माध्यम से विभिन्न राज्यों से प्राप्त आंकड़ों को रियल-टाइम में संकलित किया जाता है, जिससे निरीक्षण, निगरानी और मूल्यांकन बेहद सरल हो गया है। साथ ही, राष्ट्रीय भूजल सूचना प्रणाली में जियो-टैग डेटा जोड़कर राज्यों को निर्णय लेने में बेहतरीन सहायता दी जा रही है।

मंत्री चौधरी ने बताया कि नवंबर 2023 के बाद भूजल स्तर की निगरानी के लिए पाईजोमीटर नेटवर्क का विस्तार, भू-जलकूपों के अवलोकन केंद्रों की संख्या में वृद्धि और डिजिटल जल सूचना प्रणाली का व्यापक विकास किया गया है। देशभर में लगभग 23,000 डिजिटल जल-स्तर रिपोर्ट्स का एक राष्ट्रीय नेटवर्क स्थापित किया गया है, जिसके माध्यम से भूजल की प्रवृत्तियों, रिक्त जलाशयों की क्षमता और रिचार्ज दरों का लगातार अध्ययन किया जाता है।

राजभवन का नाम अब ''लोकभवन'' होगा

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे द्वारा जारी आदेशों के अंतर्गत राजभवन को अब ''लोकभवन'' के नाम से जाना जाएगा। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की पहल पर इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। एक दिसम्बर 2025 से यह अधिसूचना प्रभावी रहेगी।राज्यपाल बागडे ने कहा कि औपनिवेशिक मानसिकता से लोकतांत्रिक भारतीय संस्कृति की ओर आगे बढ़ने की दिशा में 'लोकभवन' नामकरण बहुत बड़ी पहल है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक राष्ट्र है। हमारे देश के संविधान की उद्देशिका ही ''हम भारत के लोग'' से प्रारंभ होती है। लोकतंत्र में लोक ही प्रमुख है, इसलिए राज्यपाल का कार्यस्थल अब ''लोकभवन'' नाम से जाना जाएगा। यह केवल नामकरण नहीं, बल्कि लोगों की भावनाओं और लोक आकांक्षाओं का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि ''राज'' शब्द ब्रिटिश शासन के अवशेषों की याद दिलाता है। इसीलिए केन्द्र सरकार की पहल पर यह बडा बदलाव किया गया है।

- **राज्यपाल बागडे के निर्देश पर जारी हुई अधिसूचना**

दुकान पर बैठे युवक पर बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग की, दो जने गंभीर घायल

दोनों गंभीर हालत में जयपुर रेफर, पुलिस ने पुरानी रंजिश का मामला बताया

फायरिंग की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई।

पुलिस टीम ने घटना स्थल पर जाकर जांच शुरु की।

गंगापुर सिटी, (निसं)। शहर के सबसे व्यस्त बाजार मालगोदाम रोड स्थित पुरानी थोक सब्जी मण्डी में मंगलवार दोपहर करीब दो बजे एक दुकान पर बैठे युवक पर बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस घटना में उमरी निवासी काडू पहलवान और महूकला निवासी जितेश शर्मा घायल हो गए। जितेश शर्मा फर्नीचर की दुकान पर शादी का सामान खरीदने आया था। वहीं काडू पहलवान अपने ऑफिस में बैठे हुए थे। वहां हमलावर ने काडू पहलवान पर फायर किए। काडू पहलवाल जान बचाने के लिए अपने ऑफिस से निकल कर फर्नीचर की दुकान की ओर भागा। इस दौरान बदमाशों ने उस पर आधा दर्जन फायर किए, लेकिन निशाना चुकने से व पास की ही फर्नीचर की दुकान में जा घुसा। हमलावरों ने वहां भी फायर किए। जहां फायरिंग की चपेट में फर्नीचर खरीदने आया महुकला निवासी जितेश शर्मा भी आ गया। फायरिंग के बाद हमलावर पैदल ही मौके से भाग छूटे। अचानक हुई फायरिंग से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। लोग काफी देर तक तो यहीं नहीं समझ पाए कि माझरा है।

प्रत्यदर्शियो ने बताया कि हमलावर मुंह पर काला कपड़ा बांधे हुए थे, जिनकी संख्या करीब चार से अधिक बताई जा रही है। वहीं यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। थानाधिकारी करण सिंह राठौर ने बताया कि काडू गुर्जर के सीने, हाथ के नीचे पेट और जांघ में गोली लगी है। जितेश के हाथ और पेट के बगल में छर्रे व गोली लगने की सूचना है। दोनों घायलों की हालत गंभीर होने पर जयपुर रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार काडू पहलवान की दूसरे पक्ष के लोगों से पुरानी रंजिश है। घायल काडू ने आरोप लगाया कि हिस्ट्रीशीटर कृष्णा बांसरोटा और उसके साथियों ने उसे कई दिनों से जान से मारने की धमकियां दी थीं। पहलवान ने यह भी आरोप लगाया कि फायरिंग बांसरोटा के इशारे पर कराई गई है। फायरिंग के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। घायलों को तुरंत राजकीय अस्पताल

- **फायरिंग के बाद हमलावर पैदल ही मौके से भाग छूटे, सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू, एफएसएल टीम को भी बुलाया**

ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के दौरान अस्पताल परिसर में बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े। दोनों घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रेफर कर दिया गया। फायरिंग की सूचना पर एएसपी राकेश राजौरा, पुलिस उपाधीक्षक, कोतवाली थानाधिकारी करणसिंह राठौड़, उदेई मोड़ के थानाधिकारी राजवीर, सदर के रामरमण गुप्ता सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया और आसपास की दुकानों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि आरोपियों की पहचान हो सके। एफएसएल टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया, जिसने मौके से कारतूस, खोखे और अन्य साक्ष्य एकत्र किए।

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में रंजिश की बात सामने आ रही है। संभावित आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है और पुलिस टीम आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ कर रही है। जल्द ही हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस उपाधीक्षक गिर्राज प्रसाद मीना ने बताया कि मंगलवार को हुई फायरिंग की घटना पुरानी रंजिश के चलते हुई है। एएसपी राकेश राजौरा के अनुसार घायल काडू गुर्जर पहलवान निवासी उमरी कृष्णा बांसरोटा का धुर विरोधी है, साथ ही दोनों ही थाने के हिस्ट्रीशीटर हैं। हालांकि पुलिस अज्ञात हमलावर को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने टीम गठित कर चारों तरफ नाकाबंदी करवाई है, जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा।

दुष्कर्म के बाद नाबालिग की हत्या

उदयपुर, (निसं)। नाबालिग के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने के मामले में पुलिस ने जीरो एफआईआर

- **जीरो एफआईआर दर्ज कर घटना स्थल गुजरात मेहसाणा पुलिस को भेजी**

दर्ज कर घटना स्थल पुलिस को रिपोर्ट भेजी। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता ने आरोपी प्रकाश खराड़ी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि आरोपी मेरी नाबालिग पुत्री को ले गया। वापस नहीं लौटने पर 26 नवंबर को पडताल की तो पुत्री के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने की जानकारी सामने आई। इस पर जीरो एफआईआर दर्ज कर घटना स्थल गुजरात मेहसाणा पुलिस को रिपोर्ट भेजी।

विवाहिता ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। सविना थाना क्षैत्र में विवाहिता ने अपने मकान में फांसी का फंदा लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार सांय सविना थाना क्षैत्र बोखर मगरी निवासी इन्द्रा (32) पत्नी मांगीलाल गमेती ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इन्द्रा की दिमागी हालत ठीक नहीं रहती थी। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फंदे से निचे उतार मृतका को एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित करने पर उसे मोर्चरी में रखवा पीहर महाराज का अखाड़ा सूचना दी है, जिनके आने पर बुधवार को मृतका का पोस्टमार्टम होगा।

एक साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास

अलवर, (निसं)। एक साल की मासूम बच्ची से रेप करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। अलवर की पॉक्सो कोर्ट नंबर-3 की जज हिमांकनी गौड़ ने फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की कि एक छोटी सी बच्ची के साथ ऐसा घृणित काम 45 साल के व्यक्ति ने किया, ऐसे व्यक्ति को समाज में रहने कोई अधिकार नहीं है।

- **कोर्ट ने टिप्पणी की कि एक छोटी सी बच्ची के साथ ऐसा घृणित काम 45 साल के व्यक्ति ने किया, ऐसे व्यक्ति को समाज में रहने कोई अधिकार नहीं है**

सरकारी वकील सुनील कुमार ने बताया कि मामला 13 सितंबर 2025 का है। पीड़िता की मां ने पुलिस को दी शिकायत में कहा था कि वह अपनी बेटी को नहला रही थी। इस दौरान बच्ची खेलते-खेलते पड़ोसी के कमरे में चली गई। कुछ देर बाद बच्ची रोते हुए वापस आई। पड़ोसी से पूछा कि उसने क्या किया है। तब उसने कहा कि मेरा हाथ लग गया जिससे खून आ गया। महिला की सूचना पर पुलिस पहुंची। मामला दर्ज कर नक्शा मौका तैयार किया। पुलिस आरोपी को पकड़ा। करीब एक महीने बाद कोर्ट में चालान पेश किया। कोर्ट ने आज सुनवाई करते हुए आजीवन कारावास और 50 हजार के जुर्माने से दंडित किया है। अभियोजन पक्ष की ओर से मामले में 16 दस्तावेज और 11 गवाह पेश किए थे।

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के सविना थाना क्षैत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर में मेघवालों का मोहल्ला गोगुन्दा हॉल शहर के सविना थाना क्षैत्र सत्यदेव कॉलोनी निवासी विजय (35) कालुलाल मेघवाल ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना पर सविना थाना हेडकांस्टेबल राजेन्द्र गुर्जर ने मौके पर पहुंच कर फंदे से विजय को निचे उतार एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

मोहन भागवत और दत्तात्रेय होसबोले भीलवाड़ा आयेंगे

भीलवाड़ा, (निसं)। काफी समय बाद आर एस एस के दो बड़े पदाधिकारी दो दिन के भीतर भीलवाड़ा में आएंगे। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत और सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले भीलवाड़ा में दौरे पर आ रहे हैं। भागवत तीन दिसंबर को भीलवाड़ा आएंगे। इस दौरान पहले बिजौलिया में निजी समारोह में भाग लेंगे। बताया जा रहा है कि आरएसएस के कार्यकर्ता के शादी समारोह में शिरकत करेंगे। उसके बाद शहर में आयोजित होने वाली एक बैठक में भाग लेंगे। यह बैठक कुटुंब प्रबंधन कार्यक्रम को लेकर होगी। इसमें महत्वपूर्ण दायित्व संभालने वाले पदाधिकारी और उनके परिवारजनों के उपस्थिति रहेगी। मोहन भागवत तीन दिसंबर को ही भीलवाड़ा से अन्य कार्यक्रम के लिए रवाना हो जाएंगे। वहीं दत्तात्रेय होसबोले 4 दिसंबर को आर एस एस की समन्वय बैठक में भाग लेंगे। इस दौरान आरएसएस के चित्तौड़ प्रांत से जुड़े 14 जिलों के महत्वपूर्ण पदाधिकारी बैठक में भाग लेंगे।

पत्नी से विवाद होने पर पति ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। आपसी विवाद में पत्नी के पीहर चले जाने पर पति ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को डिंगरी जयसमंद हाल सवीना प्रेमनगर निवासी मांगीलाल पुत्र पूना (32) ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। मांगीलाल चुनाई का काम करता था। पत्नी नारायणी से विवाद होने पर दो दिन पूर्व वह अपने पीहर अम्बामाता घाटी निवासी मां के पास चली गई थी। उसके जाने के बाद मांगीलाल ने फांसी लगा ली थी। मंगलवार को सास अपनी पुत्री नारायणी को छोड़ने के लिए आई तो मकान का दरवाजा खुला हुआ था एवं मांगीलाल फंदे पर लटका हुआ था। इसकी सूचना मिलने पर एएसआई रामनाथ ने मौके पर पहुंचकर फंदे से निचे उतार चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित करने पर उसे मोर्चरी में रखवा परिजनों को सूचना दी है, जिनके आने पर बुधवार को पोस्टमार्टम होगा।

सस्ता सोना दिलाने के नाम पर 60 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

सीकर, (निसं)। विदेश से सस्ता सोना दिलवाने के नाम पर 60 लाख की ठगी के मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी रामावतार जांगिड़ को डेगाना स्टेशन से गिरफ्तार किया है। आरोपी के तीन बेटे और दोस्त मामले में पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

थानाधिकारी सुनील कुमार जांगिड़ ने बताया कि सीकर के गोकुलपुरा निवासी नेमीचंद सैनी ने पुलिस थाने में 2024 में सुजानगढ़ के लोहारगाडा निवासी गोविंद, गौतम, गोपाल, रामावतार जांगिड़ और गजानंद के खिलाफ कोर्ट के जरिए नामजद मुकदमा दर्ज करवाया। रिपोर्ट में बताया कि आरोपी गोविंद ने वॉट्सऐप पर कॉल करके उन्हें कहा कि उसका भाई गोपाल 30 सितंबर 2023 को विदेश से टैक्स पेड सोना ला रहा है। यदि नेमीचंद को सोना चाहिए तो वह भारत से सस्ता सोना ले सकता है। इस पर नेमीचंद ने गोविंद को कह दिया कि मुझे एक किलो सोना

- **आरोपी के तीन बेटे और दोस्त मामले में पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं**

लेना है। तब सोने की मार्केट वैल्यू इंडिया में 64 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम थी। गोविंद और उसके पिता रामवतार जांगिड़ से कई बार बात होने पर 60 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के हिसाब से सोना देना फाइनल किया। 29 सितंबर 2023 को 8 बजे सीकर के सम्राट सिनेमा के पास आरोपियों ने 1 किलो सोने के 60 लाख रुपए मांगे तो नेमीचंद ने 10 लाख रुपए उस वक्त दे दिए और कहा कि जब सीकर लाकर सोना चेक कराओगे तब बकाया राशि का भी भुगतान कर देंगे। अगले दिन ही आरोपी सिनेमा हॉल के पास आए और फिर नेमीचंद को कॉल किया।

आरोपियों ने नेमीचंद से 50 लाख रुपए मांगे तब आरोपियों ने वापस वही बात कही कि आप पहले बकाया राशि दो, इसके बाद मार्केट में सोने की जांच करवा देंगे। ऐसे में नेमीचंद ने वहां 50 लाख रुपए और दे दिए। आरोपियों ने नेमीचंद को कहा कि सुबह 11 से 11:30 बजे के लगभग जाट बाजार आ जाए। वहां पर सोने की जांच करवा कर सोना दे देंगे। नेमीचंद जाट बाजार पहुंच गया लेकिन वहां पर आरोपी नहीं आए। काफी समय बीतने के बाद जब वह लोग जाट बाजार नहीं आए तो नेमीचंद ने उन्हें कॉल किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। नेमीचंद कई बार आरोपियों के घर गया लेकिन आरोपियों ने सोना नहीं दिया। करीब 9 महीने से ज्यादा का समय निकाल दिया और आखिर में जान से मारने की धमकी दी। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले में इन्वेस्टिगेशन शुरू किया। मामला दर्ज होने के बाद आरोपी लगातार फरार चल रहे थे। पहले पुलिस ने मामले में तीन सगे भाई गोविंद, गौतम,गोपाल को गिरफ्तार किया। इसके बाद मामले में आरोपी गजानंद शर्मा की गिरफ्तारी हुई।

आरपीएससी : आरएएस-2024 साक्षात्कार में फर्जी दिव्यांगों पर शिकंजा कसा

अजमेर, (कास)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने आरएएस भर्ती परीक्षा-2024 के साक्षात्कार में फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्रों के जरिए नौकरी हथियाने वालों पर शिकंजा कस दिया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि आरएएस-2023 की तरह ही इस बार भी साक्षात्कार से पहले दिव्यांग अभ्यर्थियों की मेडिकल बोर्ड के जरिए सर्जिकल स्ट्राइक जैसी सघन जांच की जाएगी। आयोग के रडार पर विशेष रूप से लो विजन और हार्ड हियरिंग (कम सुनाई देना) श्रेणी के अभ्यर्थी हैं, क्योंकि पिछली जांचों में सबसे अधिक गड़बड़ी इन्हीं मामलों में मिली थी।

आयोग सचिव ने बताया कि केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के द्वारा 24 नवंबर 2025 को जारी नए सर्कुलर के तहत, अब किसी भी दिव्यांग अभ्यर्थी को लाभ तभी मिलेगा, जब

- **आरएएस-2023 की तरह ही इस बार भी साक्षात्कार से पहले दिव्यांग अभ्यर्थियों की मेडिकल बोर्ड के जरिए सघन जांच की जाएगी**
- **आयोग के रडार पर विशेष रूप से लो विजन और हार्ड हियरिंग (कम सुनाई देना) श्रेणी के अभ्यर्थी हैं, क्योंकि पिछली जांचों में सबसे अधिक गड़बड़ी इन्हीं मामलों में मिली थी**
- **524 अभ्यर्थी अब तक हो डिबार चुके हैं, फर्जीवाड़ा करने वालों पर एक लाख तक का जुर्माना और जेल भी संभव**

उसके पास सक्रिय यूडीआईडी कार्ड होगा। जिनके पास पुराने प्रमाण-पत्र हैं, उन्हें भी पोर्टल के जरिए पुनः सत्यापन करवाना अनिवार्य होगा। यह कदम प्रमाण पत्रों के दुरुपयोग को जड़ से खत्म करने के लिए उठाया गया है।

फर्जीवाड़ा रोकने के लिए आयोग ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 का कड़ा पहरा बैठा दिया है। यदि कोई अभ्यर्थी फर्जी प्रमाण पत्र के साथ पकड़ा जाता है, तो उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। जानकारी के अनुसार धारा 89: पहली गलती पर 10,000 रुपये और बाद में 50,000 रुपये तक का जुर्माना, धारा 91: धोखाधड़ी से लाभ लेने पर 2 साल की कैद और 1 लाख रु. तक का जुर्माना शामिल है।

आयोग की सख्ती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फर्जी दस्तावेजों और गलत तथ्यों के चलते अब तक विभिन्न परीक्षाओं के 524 अभ्यर्थियों को डिबार किया जा चुका है। इनमें से 415 को तो आजीवन आयोग की किसी भी परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा। शेष 109 अभ्यर्थियों को एक से पाँच वर्ष तक के लिए डिबार किया गया है।

जाँच में यह भी सामने आया है कि कई लोग फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर पहले से ही सरकारी नौकरी कर रहे हैं। आयोग ने ऐसे कर्मचारियों और उन्हें प्रमाण-पत्र जारी करने वाले डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों और चिकित्सा निदेशालय को पत्र लिखा है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, जन स्वा0 अभि0 विभाग, जिला वृत कोटा
Email: sepheddistcirclekota@rajasthan.gov.in
ई-निविदा सूचना संख्या 05 से 08/2017-19
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के उपयुक्त पंजीकृत संवेदकों से निविदा संख्या 05 से 08/2025-26 हेतु ई-निविदा द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र वेब साईट www.rajwater.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in एंव http.//eproc.rajasthan.gov.in पर देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है। http.//eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन बिड डालने की अवधि दिनांक 28.11.25 सुबह 10.00 बजे से 15.12.25 सांय 6.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदा दिनांक 16.12.25 को दोपहर 2.00 बजे उक्त वेबसाईट पर कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं तथा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएगी। इस निविदा सूचना संख्या 05 से 08/2025-26 में कुल 4 कार्य है, जिसकी अनुमानित लागत क्रमशः 20.00 लाख, 50.00 लाख, 50.00 लाख एवं 100.00 लाख कुल 220.00 लाख है।
NIB Code No. : PHE2526A4453
UBN Code No. PHE2526GLRC0110, PHE2526WSRC09112, PHE2526WSRC09114 PHE2526WSRC09116
Mobile No. : 94148-46513
(भरतलाल मीना) अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वा0 अभि0 विभाग जिला वृत कोटा
DIPR/C/17684/2025

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-mail :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
क्रमांक / भण्डार / 2025 / 677 दिनांक 26.11.2025
(ई-निविदा सूचना सं. 03/2025-26)
बीकानेर नगर निगम को रेत कट्टे व मारबल चूना व चूने के कट्टे आपूर्ति कार्य 02 वर्ष हेतु पंजीकृत फर्मो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएँ आंमत्रित की जाती हैं। ए.आर.सी निविदा से सम्बधित विवरण राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम, बीकानेर की वेबसाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती हैं।
निविदा का कुल लागतः- 15 लाख
UBN Number :- DLB2526GLOB25455
राज.संवाद / सी / 25 / 14920 आयुक्त नगर निगम, बीकानेर

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-mail :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
क्रमांक / भण्डार / 2025-26 / 675 दिनांक 26.11.2025
(ई-निविदा (ARC) सूचना सं. 04 /2025-26)
बीकानेर नगर निगम को विभिन्न प्रकार के सफाई संबंधी व अन्य सामग्री आपूर्ति कार्य 02 वर्ष हेतु पंजीकृत फर्मो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएँ आंमत्रित की जाती हैं। ए.आर.सी निविदा से सम्बधित विवरण राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम, बीकानेर की वेबसाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती हैं।
निविदा का कुल लागतः- 30 लाख
UBN Number :- DLB2526GLOB25503
राज.संवाद / सी / 25 / 14921 आयुक्त नगर निगम, बीकानेर

कार्यालय नगरपालिका हिण्डोली जिला बून्दी राज.
क्रमांक :- न0पा0हि0 / निर्माण / 2025-26 / 1756 दिनांक :- 28.11.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 11 /2025-26
नगर पालिका हिण्डोली द्वारा विभिन्न कार्यो हेतु नगर पालिका हिण्डोली में पंजीकृत कार्यो के अनुसार सक्षम स्तर के संवेदक एवं अन्य विभागों में पंजीकृत AA,A श्रेणी के संवेदकों से द्वी लिफाफा पद्वति / ई-निविदा पद्वति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 29.11.2025 से तथा अपलोड करने की दिनांक 29.11.2025 से दिनांक 11.12.2025 तक है। जिसकी कुल लागत 96.05 लाख है। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।
NIB code :- DLB2526A8578

Sr.N.	UBN No	Tender cost in lakh
1	DLB2526WSOB25646	96.05

राज.संवाद / सी / 25 / 14936 प्रशासक नगर पालिका हिण्डोली अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका हिण्डोली

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)
nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106
क्रमांक : नपबा / निर्माण / 2025 / 7521-23 दिनांक : 27.11.2025
ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 68/2025-26
नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in, पर देखें। कार्यो की लागत 4.65 लाख रूपये से 49.78 लाख रूपये तक है तथा UBN No. निम्नानुसार है :-
1. DLB2526WSOB25395, 2. DLB2526WSOB25396, 3. DLB2526WSOB25397, 4. DLB2526WSOB25398, 5. DLB2526WSOB25399, 6. DLB2526WSOB25400, 7. DLB2526WSOB25401, 8. DLB2526WSOB25402, 9. DLB2526WSOB25403, 10. DLB2526WSOB25404
राज.संवाद / सी / 25 / 14899 आयुक्त नगर परिषद बारां

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड-प्रथम, जयपुर
क्रमांकः 5281-90 दिनांकः 25/11/25
निविदा सूचना संख्या- 108-112/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यों हेतु नियमानुसार उपर्युक्त श्रेणी में इस विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है।
निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 09.12.2025 तक को सायं 5.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किए जा सकते है। वेबसाईट पर तकनीकी बिड दिनांक 10.12.2025 को इस कार्यालय में प्रातः 11.00 बजे खोली जाएगी। राजस्थान सरकार, वित्त (जी एण्ड टी) विभाग के परिपत्र कमांक प.6 (5) वित्त/साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ईप्रोक्योरमेन्ट पोर्टल पर ई-निविदाओ के प्रेषण के लिए एक ही चालान से बोली दस्तावेज मूल्य (Tender Fee) बिड सिक्योरिटी (EMD) एवं RISL फीस को ऑनलाईन ई-ग्रास सिस्टम के माध्यम से जमा करवाना आवश्यक है।
निविदा शुल्क / धरोहर राशि / प्रकिया शुल्क एवं निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in/www.dipronline.org पर देखे जा सकते है।
NIT No. 108-UBN- PHE2526WSRC09054, NIT No. 109-UBN- PHE2526WSRC09055
NIT No. 110-UBN- PHE2526WSRC09057, NIT No. 111-UBN- PHE2526WSRC09058
NIT No. 112-UBN- PHE2526WSRC09060
अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जिला ग्रामीण खण्ड प्रथम, जयपुर
DIPR/C/17605/2025 T.Ph.0141-2221802

LIVESTOCK RESEARCH STATION
Vallabhnagar - 313 601 Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences Bikaner (Rajasthan)
No. :- F. ( )/OI/LRS/VBN/RAJUVAS/2025-26/131 Date : 26/11/2025
निविदा-सूचना
पशुधन अनुसंधान केन्द्र, वल्लभनगर की विभिन्न इकाई / परियोजना / फार्म पर प्रातः एवं सायं दैनिक उत्पादित गाय व भैंस के दुध के विक्रय (प्रति लीटर दर से) हेतु (निविदा अनुमोदन होने की दिनांक से 31 दिसम्बर 2026 तक के लिए) मोहरबन्द निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः- UBN : VAU2526GLOB00081

क्र. सं.	कार्य का नाम / वस्तु श्रेणी	अनुमानित दैनिक दूध उत्पादन	अनुमानित वार्षिक मूल्य रूपये	अमानत राशि रूपये	निविदा शुल्क रूपये
1.	गाय का दुध	150 लीटर	20 लाख	30,000	400
2.	भैंस का दुध	80 लीटर	15 लाख	30,000	

नोट :- बिना धरोहर राशि सशर्त तथा अपूर्ण निविदाएं मान्य नही होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 29.12.2025 को प्रातः 11:30 बजे तक कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क जमा कराकर निविदा प्राप्त कर सकते हैं। प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग मोहरबन्द निविदाएं अलग-अलग लिफाफे में जिस पर निविदा कार्य का नाम अंकित हो, धरोहर राशि एवं निविदा शुल्क सहित दिनांक 29.12.2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे तक जमा की जा सकेगी एवं उसी दिन मध्यान्ह 1:00 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदाएं खोली जाएगी। डाक एवं ई-मेल द्वारा प्रेषित निविदाएं मान्य नहीं होगी। निविदा प्रपत्र व शर्ते विश्वविद्यालय की http//rajuvas.org वेबसाईट एवं http//sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/14975 प्रभारी अधिकारी

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय
Ph: 7374004405, Email: cmho2store@gmail.com
क्रमांक : स्टोर / 2025-26/149 दिनांक : 25/11/25
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय में आगामी एक वर्ष हेतु अधिकृत प्रिन्टिंग व स्टीकरिंग सेवा आपूर्ति एवं अन्य प्रतिष्ठित फर्मो से मोहरबंद निविदाऐं आमंत्रित की जाती है।
ई-निविदा का विवरण निम्न प्रकार है

1	विभाग का नाम	मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय
2	निविदा का कार्य	प्रिन्टिंग कार्य हेतु
3	निविदा की लागत (अनुमानित)	100 लाख रूपये (एक करोड़ रूपये)
4	अमानत राशि	02 प्रतिशत (200000/- रूपये) दो लाख रूपये मात्र
5	टेण्डर फार्म डाउनलोड की दिनांक	26.11.2025 (दोपहरः 01:00 बजे से)
6	टेण्डर फार्म डाउनलोड की अंतिम दिनांक	16.12.2025 (दोपहरः 12:00 बजे तक)
7	टेण्डर फार्म जमा / प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक	16.12.2025 (दोपहर 1:00 बजे तक)
8	टेण्डर खोलने की दिनांक	16.12.2025 (सांय 4:00 बजे तक)
9	निविदा फार्म / प्रोसेसिंग शुल्क	2000/- रूपये एवं 2000/- रूपये

1. निर्धारित समय तक प्राप्त निविदाएँ दिनांक 16.12.2025 को सांय 04:00 बजे से उपस्थित निविदाताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएगी। निर्धारित समय के बाद प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा, साथ ही बिना अमानत राशि के प्राप्त निविदाओं पर भी विचार नहीं किया जाएगा।
2. यह विज्ञिप्त वेबसाइट www.sppp.raj.nic.in पर भी देखी जा सकती है। निविदा प्रारूप https://eproc.rajasthan.gov.in वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है तथा निविदा शुल्क निविदा जमा कराते समय ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।
3. अमानत राशि, निविदा फार्म शुल्क एंव प्रोसेसिंग शुल्क कर्यालय के स्टोर शाखा मे दोपहर 1:00 बजे तक जमा करवाना अनिवार्य है। इसके अभाव मे प्राप्त निविदाओ को अपात्र माना जावेगा।
4. अन्य जानकारी हेतु प्रि-बिड मिटिंग 08.12.2025 को सायः 3:00 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय चेम्बर मे आयोजित की जावेगी।

NIB-MHS2526A3588
UBN-MHS2526WSRC05256
DIPR/C/17615/2025 मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय (राज.)

कार्यालय नगर परिषद निम्बाहेड़ा जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)
क्रमांक / नपनि / निर्माण / 25-26 / 5403 दिनांक :- 27.11.2025
निविदा संशोधन सूचना
(E NIT No.- 24/2025-26)
नगर परिषद निम्बाहेड़ा के पत्रांक 5014 दिनांक 07.11.2025 से जारी ऑनलाईन निविदा संख्या 24 / 2025-26 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता हैं :-
1. In 3.2 eligibility criteria Point no 2 Additional Qualification condition shall consider as deleted. UBN No. - DLB2526SLRC23714
राज.संवाद / सी / 25 / 14900 आयुक्त,नगर परिषद निम्बाहेड़ा

Rajasthan State Beverages Corporation Limited
(A Government of Rajasthan Undertaking)
Plot No. 2, CoERRA Bhawan, (Fourth & Fifth Floor), Opp. Aranya Bhawan, Jhalana Sansthanik Area, Jaipur-302004
Tel: 0141-2744239 email- ed.rsbcl@rajasthan.gov.in CIN-U15511RJ2005SGC020336)
No. 6124 Date : 02.12.2025
NOTICE INVITING e-BIDs
e-Bids for Loading and Unloading work of IMFL/FMFL/BEER cases at 49 Depots of 37 District for the year 2025-26 to 2027-28 (Two Year) are invited from interested bidders upto 6.00 PM on 23.12.2025 The bid documents may be downloaded from https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in, https://iems.rajasthan.gov.in
UBN NO. BCL2526SLOB00019-55
Raj.Samwad/C/25/15033 Executive Director

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.
(आपकी सेवा में सदैव तत्पर)
पताः मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी
Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com
क्रमांक : न.पा.सा. / 2025 / 3905-3907 दिनांक 27.11.2025
-:: Notice Inviting Bid ::-
Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.
UBN NO :- DLB2526WSOB25520
राज.संवाद / सी / 25 / 15017 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका सादड़ी

OFFICE OF THE PRINCIPAL & CONTROLLER
RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES,
Sector - 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033
Ph. : 0141-2795624, 634 Email : principalruhscms@ruhsraj.org
No. :- RUHS-CMS/Store/2025-26/10177 Date :- 28/11/2025
Notice Inviting E-Bids
Single Stage Two envelope online bids are invited on eprocrajasthan.gov.in upto 03.00 pm of 22-12-2025 for Supply and installation of High Performance Liquid Chromatography (Total Est. Cost Rs. 25,00,000.00) for Department of MRU at RUHS College of Medical Sciences, Jaipur. Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in or eproc.rajasthan.gov.in or www.ruhscms.org. UBN :- CMS2526GLOB00103
Raj.Samwad/C/25/14973 Principal, RUHS College of Medical Sciences, Jaipur

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- राजकाज 19096566 दिनांक :- 28/11/2025
ई-बिड सूचना संख्याः- जोन उत्तर-एबी/15/25-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से सिविल कार्यो हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन लाईन बिड आमंत्रित की गई है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्तें आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB CODE :- JOD2526A0208
Tender ID/UBN No. :- JOD2526WSOB00463 To 00466
राज.संवाद/सी/25/14967 अधिशाषी अभियंता (उत्तर-एबी)

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड
निविदा सूचना संख्या 30 व 31/2025-26
केन्द्र / राज्य सरकार के विभागों एवं उनके उपक्रमों में 'अ' अथवा 'अअ' श्रेणी एवं रा.रा.वि.प्र.नि.लि. में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से निविदा सूचना संख्या 30 व 31 / 2025-26 में वर्णित कार्य हेतु संबंधित अधिशाषी अभियन्ता (सिविल) रा.रा.वि.प्र.नि.लि. कार्यालय में निर्धारित प्रपत्र में निविदाऐ आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in व www.rvpn.co.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है। UBN :- VPN2526WSOB02310 से VPN2526WSOB02322 (13), VPN2526WSOB02324 से VPN2526WSOB02337(14), VPN2526WSOB02339 VPN2526WSOB02341 से VPN2526WSOB02346 (6), VPN2526WSOB02348
राज.संवाद/सी/25/14955 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7274/2025 अधीक्षण अभियंता (सिविल), जयपुर

रीको की अविकसित व अर्धविकसित भूमि आवंटन नीति में निवेशकों का खासा रूझान

सोलर वेस्ट रिसाइकलिंग और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को आवंटित होगी भूमि

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने और निवेशकों को प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से रीको द्वारा अविकसित एवं अर्धविकसित भूमि आवंटन के लिए लागू नीति के अंतर्गत सोलर वेस्ट रिसाइकलिंग एवं डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी दो कंपनियों को औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए भूमि आवंटित करने की मंजूरी दी है। रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि राज्य सरकार राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत निष्पादित हुए एमओयू को औद्योगिक इकाइयों में बदलने पर गंभीरता से काम कर रही है।

उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार राज्य को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए जल्द ही एयरोस्पेस एंड डिफेंस पॉलिसी लाने जा रही है। इसी दिशा में, रीको ने डिफेंस क्षेत्र की इंपीरियल आरमोरी

■ **डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के हब के रूप में विकसित होगा राजस्थान : शिवांगी स्वर्णकार**

प्राइवेट लिमिटेड को उदयपुर खुर्द (किशनगढ़) में अविकसित भूमि आवंटन की स्वीकृति दी है। कंपनी यहां 162 करोड़ रुपये का निवेश कर अत्याधुनिक डिफेंस उत्पादन इकाई स्थापित करेगी।

इसी प्रकार बाड़मेर जिले के देवका में वी7 इवन इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड को अविकसित भूमि आवंटन करने की स्वीकृति दी है। कंपनी यहां सोलर वेस्ट स्क्रैपिंग एवं रिसाइकलिंग फैसेलिटी स्थापित करेगी, जिसमें लगभग 100 करोड़ रुपये का निवेश होगा जो प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा और हरित प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम है। परबतसर मल्टीमॉडल टर्मिनल्स प्राइवेट लिमिटेड ने राइजिंग राजस्थान समिट के दौरान पीएम गति शक्ति लॉजिस्टिक टर्मिनल हेतु एमओयू किया था। कंपनी को नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे, जोधपुर डिवीजन से निजी रेलवे साइडिंग के निर्माण के लिए इन-प्रिंसिपल अप्रूवल प्राप्त हो चुकी है। कंपनी ने कुचामन-डीडवाना जिले के रीको औद्योगिक क्षेत्र परबतसर द्वितीय चरण में भूमि आवंटित की गई है।

इस परियोजना में लगभग 50 करोड़ रुपये का निवेश होगा और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। यह टर्मिनल रेलवे की पीएम गति शक्ति कार्गो टर्मिनल स्कीम और राजस्थान की लॉजिस्टिक पॉलिसी-2025 के अनुरूप स्थापित किया जाएगा जिससे स्थानीय खनन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा तथा क्षेत्र में औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

स्कूल वाहिनियों का दूसरे दिन भी औचक निरीक्षण

■ **दिल्ली रोड और जमवारामगढ़ इलाके में मोबाइल मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ भारद्वाज ने किया निरीक्षण**

जयपुर (कासं)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर जिला की टीम ने मंगलवार को ग्रामीण इलाके की स्कूलों की बाल वाहिनियों का औचक निरीक्षण किया। प्राधिकरण सचिव पवन जीनवाल ने पुलिस और आरटीओ टीम के साथ दिल्ली रोड और जमवारामगढ इलाके में बाल वाहिनियों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मोबाइल मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ भारद्वाज भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान बच्चों को स्कूल ला रही मिनी बसों और वैन को बीच रास्ते रुकवाकर निरीक्षण किया। जिसमें सामने आया कि कई वाहनों के पास पूरे दस्तावेज नहीं थे। वहीं कई वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया गया था। इसके साथ ही वाहन में जीपीएस ट्रेकर और कैमरे भी लगे हुए नहीं मिले। वहीं अधिकांश वाहनों में आपातकालीन निकास भी नहीं मिला। इस पर अनियमिता बरतने वाले वाहनों का मौके पर चालान सहित अन्य दंडात्मक कार्रवाई की गई। बीते दिन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर प्रथम और द्वितीय की टीमों ने भी औचक निरीक्षण कर कार्रवाई की थी। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने प्रदेश के सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दे रखे हैं कि वे साल में कम से कम तीन बार स्कूली वाहनों का निरीक्षण करेंगे। वहीं निरीक्षण रिपोर्ट दस अप्रैल, दस अगस्त और दस दिसंबर तक राज्य प्राधिकरण में भेजनी होगी।

सार-समाचार

गुरु तेग बहादुर साहिब की पुस्तक पर चर्चा

जयपुर । अखिल भारतीय साहित्य परिषद, जयपुर की ओर से गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें बलिदान दिवस के अवसर पर डॉ. मंजीत कौर की पुस्तक महान "प्रेरक बलिदान-श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी" पर पुस्तक पाठक संवाद एवं परिचर्चा का आयोजन राजकीय महाराजा सार्वजनिक मंडल पुस्तकालय, चौड़ा रास्ता, जयपुर में किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता मनोज कुमार, संगठन मंत्री, अखिल भारतीय साहित्य परिषद; इंदुशेखर तत्पुरुष, अखिल भारतीय साहित्य परिषद; डॉ मंजीत कौर, लेखिका; केशव शर्मा, क्षेत्रीय महामंत्री रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन विकास तिवाड़ी परिचय मधुसूदन सिंह देवल ने दिया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजस्थान डॉ विपिन कुमार, क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख डॉ महावीर कुमावत, पुस्तकालय के अध्यक्ष सहित अनेक पाठक उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता मनोज कुमार ने कहा कि बलिदान ही जीवन मूल्यों का आधार है। बलिदान के कारण ही देश, धर्म, संस्कृति और समाज जीवंत बने हुए हैं। बलिदान अपने आप में अनुपम, अतुलनीय और अद्भुत है-यही हमारी संस्कृति का संवाहक है। इंदुशेखर तत्पुरुष ने कहा कि गुरु तेग बहादुर का जीवन भारतीय सांस्कृतिक चेतना का सर्वोच्च उदाहरण है। उनका बलिदान केवल धर्म-संरक्षण का प्रतीक नहीं, बल्कि मानवाधिकारों और स्वतंत्रता के मानवीय मूल्य का वैश्विक संदेश भी है।

"मेरी शान है बिटिया" का लोकार्पण

जयपुर । खगड़िया गांधीनगर के मूल निवासी और वर्तमान में असम में हिंदी साहित्य की अलख जगाने वाले ई. विनय कुमार बुद्ध के संपादन में काव्य संकलन "मेरी शान है बिटिया" का लोकार्पण मंगलवार को जयपुर के रानी बाग रिसॉर्ट में हुआ। बेटी विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय साझा काव्य संकलन मेरी शान है बिटिया के लोकार्पण कार्यक्रम में देशभर से आए साहित्यप्रेमियों, कवियों और समाजसेवियों ने बडी संख्या में भाग लिया। संकलन के संपादक विनय कुमार 'बुद्ध' (साहित्य सुधा मंच, असम) ने बताया कि यह काव्य संग्रह बेटियों के सम्मान, उनके संघर्षों, सपनों और सामाजिक संदेशों पर आधारित देश भर के 100 से अधिक कवियों की रचनाओं का अनूठा संकलन है, जिसका उद्देश्य समाज में बेटियों को सम्मान और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध साहित्यकार 'राव' शिवराज पाल सिंह (जयपुर) ने संकलन की सराहना करते हुए कहा कि यह पुस्तक समाज में सकारात्मक परिवर्तन और बेटियों के महत्व को रेखांकित करने वाली महत्वपूर्ण पहल है। समारोह में अतिथियों ने आगामी साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया और बेटियों के सम्मान में ऐसे कार्यक्रमों को समय की मांग बताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर सत्यपाल साहू, सुधीर गुप्ता, ओमप्रकाश दोशाया, राम स्वरूप सिंह शेखावत आदि अनेक साहित्यप्रेमी और समाजसेवी मौजूद रहे।

साहित्यकार अनु बाफ़ना का सम्मान

जयपुर । संपर्क साहित्य संस्थान द्वारा मंगलवार को दुबई से जयपुर पहुंची साहित्यकार अनु बाफ़ना के सम्मान में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अखिल शुक्ला ने की, जबकि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्वयं अनु बाफ़ना रहीं। संपर्क संस्थान की महासचिव समन्वय रेनू शब्दमुखर ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान की उपलब्धियों एवं साहित्यिक गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। डॉ. रेखा गुप्ता के सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अध्यक्ष डॉ. अखिल शुक्ला ने अपने उद्बोधन में संपर्क संस्थान के सक्रिय साहित्यिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था निरंतर साहित्यिक संवेदना को समृद्ध करने में जुटी है और ऐसे आयोजन समाज में विचार-विमर्श की स्वस्थ परंपरा को मजबूत करते हैं। मुख्य अतिथि अनु बाफ़ना ने कहा कि राजस्थान की माटी के ऐसे प्रबुद्ध, संवेदनशील और सृजनशील साहित्यकारों के बीच आकर स्वयं को अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ। जिस ऊँचाई की कल्पना भी कठिन है, संपर्क संस्थान ने आज मुझे उसी साहित्यिक रसधारा से जोड़ा है। साहित्यकार अनु बाफना को सम्पर्क सेवाश्री सम्मान से अलंकृत कर उनका सम्मान किया गया। विशिष्ट अतिथि प्रिंसिपल डॉ. ऋत्विज गौड़ ने समसामयिक मुद्दों पर प्रस्तुत कविताओं पर गहन व दूरदर्शी विचार रखे। इस मौके पर रेखा गुप्ता, डॉ. सुषमा, सरोज, पुष्पा, विजया, अविनाश, मुकेश, सुनीता त्रिपाठी, साधना रस्तोगी, पत्रकार मणिमाला शर्मा, तथा तोशी जांगिड़ ने कविताओं से भागीदारी निभाई।

उमंग ने मनाया विश्व दिव्यांग दिवस

जयपुर । विश्व दिव्यांग दिवस (3 दिसंबर) को उमंग ने एक उत्सव के रूप में मनाया। उत्सव के अंतर्गत पूरे सप्ताह भर विविध गतिविधियों, खेल और संवादों के माध्यम से समावेशन की भावना को बढ़ावा दिया गया, जिसने इस आयोजन को वास्तविक अर्थों में विभिन्नताओं का उत्सव बना दिया। इस वर्ष कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को विविधता को समझने, सराहने और अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इसी उद्देश्य से उमंग के विद्यार्थियों और स्टाफ ने जयपुर के तीन विद्यालयों जयश्री पेरिवाल स्कूल (चित्रकूट), कैम्ब्रिज कोर्ट वर्ल्ड स्कूल (मानसरोवर) और वर्धमान स्कूल में जागरूकता मेलों का आयोजन किया। इस आयोजन में सीनियर छात्रों ने ज्ञानवर्धक और मनोरंजक गतिविधियों में पूरे उत्साह से भाग लिया। विद्यालय परिसरों में विभिन्न स्थानों पर दिव्यांगता पर आधारित रंगीन एवं जानकारीपूर्ण पोस्टर्स लगाए गए, जिनसे छात्र महत्वपूर्ण तथ्य जान सके। इन्हीं तथ्यों के आधार पर विभिन्न खेलों में भाग लेकर छात्रों ने पुरस्कार भी जीते, जिससे सीखने की प्रक्रिया अधिक रोमांचक बन गई। उमंग निदेशक दीपक कालरा ने कहा, जब हम किसी को वास्तव में समझते हैं, तभी हम उन्हें स्वीकार कर पाते हैं।

हथियारों के साथ आरोपी गिरफ्तार

जयपुर । खोह नागोरियान व आदर्श नगर थाना पुलिस ने ई-सिगरेट बेचने वालो के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। जहां जिला विशेष टीम जयपुर पूर्व ने ऑपरेशन आग के तहत कार्रवाई कर खोह नागोरियान व आदर्श नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ई-सिगरेट बेचने वाले को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से एक देशी कट्टा व जिंदा कारतूस बरामद किए है। आदर्श नगर थाना पुलिस ने ई-सिगरेट बेचने वाले मोहन हरमानी को हिरासत में लिया है। उपायुक्त पूर्व संजीव नैन ने बताया कि अवैध हथियार की रोकथाम के लिए विशेष अभियान ऑपरेशन आग चलाया गया। इसी के साथ गैंगवार को रोकने के लिए ई-सिगरेट बेचने वालों के खिलाफ भी विशेष निगरानी की गई। टीम ने तकनीकी सहायता व मुखबिर की सूचना पर खोह नागोरियान से आरोपी मेहराज खान (29) पुत्र रशीद जावेद विहार कॉलोनी ,खोह नागोरियान निवासी को एक अवैध देशी कट्टा व जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने दूसरी कार्रवाई आदर्श नगर इलाके में की। पुलिस ई-सिगरेट बेचने के मनोज हरवानी (37) पुत्र तेजुमल शंकर नगर,ब्रह्मपुरी निवासी को 78 ई-सिगरेट सहित गिरफ्तार कर लिया।

नींदड आवासीय योजना में हनुमंत महायज्ञ कार्यालय का शुभारंभ आज

जगद्गुरु रामभद्राचार्य के सान्निध्य में 8 से 16 जनवरी तक होगी रामकथा

जयपुर (कासं)। सीकर रोड स्थित नींदड आवासीय योजना में 8 से 16 जनवरी तक होने वाले हनुमंत महायज्ञ के लिए तैयारियां तेजी पकड़ चुकी हैं। इसी क्रम में महायज्ञ के मुख्य कार्यालय का भव्य उद्घाटन मंगलवार शाम 4 बजे मुरलीपुरा बीड स्कूल के सामने एन वी बिल्डर्स पर किया जाएगा। संत-महात्माओं की उपस्थिति से कार्यक्रम आध्यात्मिक गरिमा से भर उठेगा।

आयोजन से जुड़े हाथोज धाम के महंत बालमुकुंदाचार्य एवं अनिल संत ने बताया कि कार्यालय उद्घाटन के बाद महायज्ञ से संबंधित सभी व्यवस्थाएँ, समन्वय कार्य, सेवाभावी गतिविधियाँ और श्रद्धालुओं के लिए सूचना सेवाएं इसी कार्यालय से सुचारू रूप से संचालित होंगी। आने वाले दिनों में यह कार्यालय पूरे आयोजन का संचालन केंद्र बनेगा। आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण जगद्गुरु रामभद्राचार्य का आगमन होगा। उनके श्रीमुख से 8 से 16 जनवरी तक प्रतिदिन रामकथा का अमृतसंचार होगा। कथा श्रवण के लिए पूरे जयपुर ,नींदड क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों में श्रद्धालुओं में एक विशेष उत्साह देखा जा रहा है। नींदड़ आवास योजना स्थित विस्तृत यज्ञ भूमि पर इन दिनों कार्य पूरे जोर-शोर से चल रहा है।

विशाल आयोजन को देखते हुए अनेक प्रकार के मेगा डोम, पंडाल, विशाल यज्ञशाला, दर्शक दीर्घाएँ और सुविधाजनक मार्ग बनाए जा रहे हैं। यज्ञशाला निर्माण में पारंपरिक और आधुनिक दोनों प्रकार की व्यवस्थाओं का समावेश किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को एक दिव्य और अनुशासित वातावरण मिल सके। स्थानीय निवासियों और भक्तों ने बताया कि इस स्तर का आध्यात्मिक आयोजन पहली बार नींदड क्षेत्र में हो रहा है, जिससे पूरे इलाके में उत्साह और भक्ति का वातावरण बन गया है। आयोजकों का कहना है कि आगामी जनवरी में नींदड क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक भव्यता का केंद्र बनने जा रहा है। यह भव्य महायज्ञ और रामकथा आने वाले दिनों में न केवल क्षेत्र की पहचान को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगी, बल्कि समाज में भक्ति, संस्कार और सद्भाव का संदेश भी प्रसारित करेगी।

एयरपोर्ट पर मिला संदिग्ध पार्सल

जयपुर (कासं)। जयपुर एयरपोर्ट स्थित डोमेस्टिक कार्गो टर्मिनल पर स्क्रीनिंग के दौरान एक संदिग्ध पार्सल मिलने से सनसनी फैल गई। जहां सीआईएसएफ की टीम की ओर से स्कैन स्क्रीन पर पार्सल में नोटों की गड्डियों के बीच बैटरी नुमा इलेक्ट्रॉनिक वस्तु दिखाई दी। इसके बाद तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया गया। जानकारी के अनुसार पार्सल जयपुर से हैदराबाद के लिए इंडिगो कार्गो में बुक हुआ था। जयपुर एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल पर चेकिंग के दौरान सीआईएसएफ की टीम को पार्सल में संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस मिला। इसे टीम ने जब्त कर सुरक्षित स्थान पर रख दिया। इसके बाद पूरे स्कैनिंग क्षेत्र को घेराबंदी कर कर्मचारियों की आवाजाही सीमित कर दी गई। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित यूनिट्स को सूचना भेजी गई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पार्सल से जुडे डॉक्यूमेंट की जांच शुरू कर दी। शुरुआती जांच में कोई भी विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। लेकिन बैटरीनुमा डिवाइस की वास्तविक प्रकृति अस्पष्ट होने के कारण एटीएस टीम को भी मौके पर बुलाया गया है।

आर.पी.एस.सी. सचिव पेश होकर बताए भर्ती का सिलेबस कब जारी किया?

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2025 की 7 दिसंबर को होने वाली परीक्षा में अपडेटेड सिलेबस जारी नहीं करने से जुडे मामले में बुधवार 3 दिसंबर को आरपीएससी के सचिव को तलब किया है। अदालत ने आयोग सचिव से यह बताने को कहा है कि भर्ती का अपडेटेड सिलेबस कब जारी किया गया। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश यदुराज व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने दिसंबर, 2024 में असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों के लिए भर्ती निकाली थी। जिसका गत मार्च माह में सिलेबस जारी किया गया। वहीं बाद में सरकार ने नियमों में संशोधन कर न्यूनतम चालीस फीसदी अंक का प्रावधान कर दिया और दिसंबर माह वाली भर्ती को रद्द कर दी।

याचिका में कहा गया कि आयोग ने गत 18 सितंबर को नई भर्ती निकाल कर यथा-समय सिलेबस जारी करने की बात कही। इसके बावजूद आयोग ने अभी तक अपडेटेड सिलेबस जारी नहीं किया, जबकि 7 दिसंबर से भर्ती परीक्षा आरंभ हो रही है। ऐसे में अभ्यर्थी इतने कम दिनों में परीक्षा की तैयारी कैसे कर पाएगे।

याचिका में कहा गया कि आयोग ने पूर्व की कई भर्तियों में भी परीक्षा की तैयारी के लिए समय बढाया है। ऐसे में इस भर्ती की परीक्षा को स्थगित किया जाए और सिलेबस भी जारी किया जाए। इसका जवाब देते हुए आरपीएससी की ओर से अधिवक्ता एमएफ बेग ने कहा कि दिसंबर, 2024 की भर्ती के बाद सिलेबस जारी किया गया था। नई भर्ती में उसी सिलेबस को रखा गया है। ऐसे में नई भर्ती निकालने के बाद पुराने सिलेबस को अपलोड किया गया है। अभ्यर्थियों को किसी तरह का भ्रम ना हो, इसलिए उसे जारी करने की तारीख पुरानी वाली ही है, लेकिन उसे अपलोड नए भर्ती विज्ञापन जारी करने के बाद किया गया है। इस पर अदालत ने आयोग सचिव को पेश होकर इस संबंध में जानकारी देने को कहा है।

"सोना सिक्का" ब्रांड के नकली मूंगफली तेल के 39 टीन सीज

जयपुर । प्रदेश में चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अंतर्गत आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, राजस्थान डॉक्टर टी शुभमंगला के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा टीम ने सोना सिक्का ब्रांड के मूंगफली तेल की निर्माता कंपनी श्याम एण्ड श्याम ऑइल, प्राइवेट लिमिटेड, बीकानेर के सेल्स ऑफिसर कमलकांत द्वारा उनकी कंपनी के नाम से बेचे जा रहे नकली मूंगफली तेल की शिकायत पर कार्यवाही की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ मनीष मित्तल ने बताया कि शिकायत के आधार पर टीम तूंगा कस्बे में मैसर्स गिर्राज ट्रेडिंग कंपनी एवं मैसर्स गिर्राज प्रसाद प्रदीप कुमार पर पहुंची। इन दोनों फर्म के मालिकों ने बताया कि सोना सिक्का ब्रांड के मूंगफली तेल का ऑर्डर किया था जिस पर सप्लायर द्वारा भेजे गए सोना सिक्का के टीन संदिग्ध लगे, जिसकी सूचना दुकानदारों द्वारा कंपनी को दी गई।

जहां मौके पर टीम एवं कंपनी प्रतिनिधि ने तेल के टीन की जांच की, जिसमें टीन संदिग्ध पाए गए। एक दुकान पर 15 एवं अन्य दुकान पर 24 टीन सप्लाई किए गए थे। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा दोनों दुकानों से संदिग्ध सोना सिक्का ब्रांड के मूंगफाली तेल के नमूने लेकर 39 टीन सीज किए गए।

साथ ही नमूने जांच के लिए केंद्रीय राज्य खाद्य प्रयोगशाला में भिजवाए जायेंगे। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रमेश चंद यादव ,अवधेश गुप्ता एवं नंदकिशोर कुमावत शामिल रहे।

इस पूरे प्रकरण में मैसर्स गिर्राज ट्रेडिंग कंपनी एवं मैसर्स गिर्राज प्रसाद प्रदीप कुमार के दुकान मालिकों ने सजगता एवं सतर्कता दिखाते हुए कंपनी तक अपनी शिकायत पहुंचा कर संदिग्ध एवं घटिया क्वालिटी का तेल आमजन तक विक्रय होने से पूर्व ही रोक लिया गया,जो प्रशंसनीय है।

असमय दिवंगत 6 विद्युतकर्मियों के आश्रितों को 1.50 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता

■ **दुर्घटना के शिकार एक विद्युत कार्मिक की आश्रित पत्नी को एक करोड़ रूपए का क्लेम मिला**

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने पीड़ितों को 1.50 करोड़ रु. के चेक सौंपे।

जयपुर (कासं)। राजस्थान डिस्कॉम्स द्वारा भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से शुरू की गई व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना दिवंगत कार्मिकों के आश्रितों को मुश्किल घड़ी में संबल प्रदान कर रही है। असमय ही दिवंगत हुए जयपुर विद्युत वितरण निगम के 6 कार्मिकों के आश्रितों को ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने मंगलवार को विद्युत भवन में आयोजित कार्यक्रम में एक करोड़.50 लाख रूपए की बीमा राशि के चेक प्रदान किए। यह राशि निगम द्वारा राजकीय नियमों के अन्तर्गत देय परिलाभों के अतिरिक्त है।

ऊर्जा मंत्री ने दिवंगत कार्मिक बच्चू सिंह मीणा की पत्नी मनीषा मीणा को 1 करोड़ रूपए का चेक प्रदान किया। दौसा के मनोहरपुर सहायक अभियन्ता कार्यालय में तकनीशियन प्रथम पद पर कार्यरत बच्चू सिंह का इस साल 19 मई को सड़क दुर्घटना में देहावसान हो गया था। उन्होंने तकनीशियन (प्रथम) स्व. मनोज शर्मा एवं स्व. नवीन, तकनीशियन (द्वितीय) स्व. राकेश सुमन, लाइनमैन (प्रथम) स्व. युधिष्ठिर कुमार सैनी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी (कार्यालय अधीक्षक द्वितीय) स्व. दशरथ सिंह के आश्रितों को भी 10-10 लाख़ रूपए की सावधि बीमा राशि के चेक प्रदान किए। प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा अजिताभ शर्मा, चेयरमैन राजस्थान डिस्कॉम्स आरती डोगरा, राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेन्द्र श्रृंगी, भारतीय स्टेट बैंक के वरिष्ठ अधिकारी तथा विद्युत निगम कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि भी इस दौरान उपस्थित रहे।

निगम के मुख्य कार्मिक अधिकारी हरिभूषण भाटिया ने बताया कि 22 अप्रेल 2025 को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की उपस्थिति में विद्युत निगमों ने मुख्यमंत्री निवास पर भारतीय स्टेट बैंक के साथ कार्पोरेट सैलरी पैकेज के अन्तर्गत एमओयू किया था। जिसके अनुसार दुर्घटना मृत्यु या पूर्ण दिव्यांगता की स्थिति में बैंक द्वारा आश्रितों को 1 करोड़ रूपए, आंशिक नि:शक्तता की स्थिति में 80 लाख रूपए का तथा अन्य परिस्थितियों में बीमा कवर उपलब्ध कराया गया है। इसके लिए न तो विद्युत निगमों ने बैंक को कोई प्रीमियम दिया है न कार्मिकों ने। इस बीमा का प्रीमियम बैंक स्वयं अदा कर रहा है। योजना के जरिए वितरण निगम बिना किसी अतिरिक्त आर्थिक भार के अपने दिवंगत कर्मचारियों के आश्रित परिजनों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित कर पा रहे हैं।

प्रवासी राजस्थानी समारोह व शहर के सौन्दर्य के लिए पैसा, परंतु जर्जर स्कूलों के लिए नहीं

राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की जर्जर स्कूलों की मरम्मत करने का रोडमैप पेश नहीं करने को लेकर नाराजगी जाहिर की

■ **अदालत ने दो दिन में रोडमैप पेश नहीं करने पर 5 दिसंबर को शिक्षा सचिव को व्यक्तिगत या वीसी के जरिए पेश होने को कहा है।**

■ **अदालत ने मौखिक चेतावनी दी कि यदि स्कूलों के लिए पैसा नहीं दिया तो सरकार के बाकी खर्च रोक दिए जाएंगे।**

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की जर्जर स्कूलों की मरम्मत करने का रोडमैप पेश नहीं करने पर नाराजगी जताई है। अदालत ने दो दिन में रोडमैप पेश नहीं करने पर 5 दिसंबर को शिक्षा सचिव को व्यक्तिगत या वीसी के जरिए पेश होने को कहा है।

अदालत ने मामले में मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार प्रवासी राजस्थानी समारोह करा रही है और शहर के सौंदर्यीकरण के लिए पैसा खर्च किया जा रहा है, लेकिन समय की जरूरत होने के बावजूद भी स्कूलों पर पैसा खर्च नहीं किया जा रहा है। अदालत ने मौखिक रूप से चेतावनी दी कि यदि स्कूलों के लिए पैसा नहीं दिया तो सरकार के बाकी खर्च रोक दिए जाएंगे। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार कभी केन्द्र सरकार से बजट आने का कहती है तो कभी दूसरे मद से राशि मिलने की बात करती है, लेकिन सरकार के पास पैसा नहीं है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश झालावाड़ में सरकारी स्कूल की छत गिरने से बच्चों की मौत के बाद लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद अदालत में पेश हुए। उनकी ओर से रोडमैप पेश करने के लिए अदालत से समय मांगा। इस पर अदालत ने कहा कि कई बार अवसर दिए जाने के बाद राज्य सरकार की ओर से अभी तक रोडमैप पेश नहीं किया गया है। ऐसे में आगामी सुनवाई तक रोडमैप पेश नहीं करने की सूरत में शिक्षा सचिव पेश होकर अपना जवाब दें।

अदालत ने 6 नवंबर को सुनवाई करते हुए राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर कडी टिप्पणी करते हुए कहा था कि सरकार साल 2047 के विजन की बात करती है, लेकिन स्कूलों को लेकर कल की प्लानिंग भी नहीं है। इस दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को जानकारी दी गई थी कि प्रदेश में करीब 86 हजार स्कूली कमरे क्षितग्रस्त हैं, लेकिन राज्य सरकार ने यह नहीं बताया था कि इन सभी कमरों को ठीक कैसे किया जा सकता है। इसके अलावा निर्माणाधीन इमारत और मरम्मत का बजट भी अलग-अलग नहीं बताया था।

तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने कई वाहनों को टक्कर मारी

■ **टोंक रोड स्थित आजाद नगर में सोमवार देर रात 11 बजे का मामला**

■ **भीड़ ने फॉर्च्यूनर पर लाठी, डंडे व पत्थर से किया हमला**

■ **आगे वाले टायर के नीचे बाइक आने के बाद रुकी फॉर्च्यूनर कार, लोगों ने चालक को पकड़कर पुलिस को सौंपा**

जयपुर । टोंक रोड स्थित आजाद नगर में सोमवार देर रात 11 बजे तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार ने जमकर आंतक मचाया और कई राहगीरों को कुचलने का प्रयास किया। राहगीरों ने तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार को रोकने के लिए उस पर लाठी-डंडे और पत्थर बरसाए, लेकिन कार चालक ने उसकी रफ्तार और बढ़ा दी। जिसके बाद उसने एक बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। बाइक आगे वाले टायर में फंस गई और तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर को रुकना पड़ा। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने शराब के नशे में धुत कार चालक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी।

सूचना पर मौके पर पहुंची सांगानेर थाना पुलिस ने फॉर्च्यूनर को जब्त कर चालक राजकुमार उर्फ राजू (40) खैरथल, तिजारा अलवर निवासी को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि शराब के नशे में धुत फॉर्च्यूनर कार चालक ने आजाद नगर में करीब 6-7 लोगों पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। वहीं चार दुपहिया वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। हादसे के बाद फॉर्च्यूनर कार चालक ने फरार होने का प्रयास किया। लेकिन एक बाइक फॉर्च्यूनर कार के आगे वाले टायर में फंस गई और तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर को रुकना पड़ा । जिसके बाद भी कार चालक ने भागने का प्रयास किया। लेकिन गुस्साए लोगों ने फॉर्च्यूनर कार पर लाठी - डंडे -पत्थर से हमला कर उसे क्षितग्रस्त कर दिया।

Let's Hug Day: Celebrating the Power of Connection

Let's Hug Day celebrates the simple yet powerful act of a hug, a universal gesture of warmth, comfort, and connection. Observed annually, the day reminds us how a heartfelt embrace can lift spirits, ease stress, and strengthen relationships. Studies show that hugging releases oxytocin, often called the 'love hormone,' which helps lower blood pressure and promotes emotional well-being. In a fast-paced world dominated by screens and distance, Let's Hug Day encourages people to pause, reach out, and share genuine human connection. Whether it's family, friends, or someone in need, a hug speaks the language of care without words.

#HISTORY

The Afghans and Their Camels in Australia

The story of the Afghans and their camels is one of resilience, cultural exchange, and contribution to Australia's growth

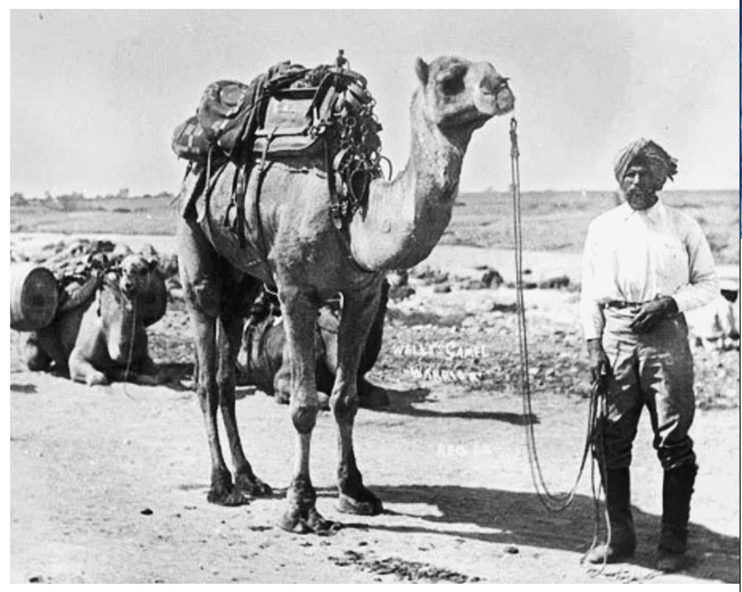

In the mid-19th century, Australia's vast and arid interior posed significant challenges for exploration and settlement. Early European settlers struggled with the harsh desert environment, but the introduction of Afghan cameleers and their camels revolutionized the exploration and development of the Australian outback.

The Arrival of Afghans and Camels

In the 1860s, the British brought Afghan camels to Australia to aid in transport across the country's vast, dry interior. Camels, unlike horses, were well-suited to the Australian outback, able to carry heavy loads, travel long distances, and survive on minimal water. The Afghan cameleers, mostly from regions like Afghanistan, northern India, and Pakistan, were skilled in handling these animals and navigating harsh desert landscapes.

Contributions to Exploration and Transport

1. **Exploration and Mapping**

The Afghans played a crucial role in mapping Australia's interior. Their expertise in desert travel helped explorers like John McDouall Stuart and Edgar Hiley survey remote regions of the outback. This was vital for opening up the central desert areas to future settlement and development.

2. **Establishing Transport Routes**

Camels were used to haul goods across long distances, vital for connecting remote settlements and cities. One of their most important contributions was to the construction of the Overland Telegraph Line, which connected Australia to the rest of the world. Camels could transport supplies over the desert in ways that horses and oxen couldn't.

3. **Camel Industry**

Camel industry grew as the demand for long-distance transport continued. By the early 20th century, Australia had the largest herd of wild camels in the world. Many of the camels brought by the Afghans were released into the wild once their primary role in transport diminished.

Cultural Legacy of the Afghan Cameleers

The Afghan cameleers didn't just contribute to Australia's exploration; they also formed small communities, particularly in places like Marree and Port Augusta in South Australia. They built mosques, established shops, and lived according to their traditions, leaving a lasting cultural imprint. They were often marginalized and faced discrimination, although their contributions were integral to the development of Australia's interior.

Decline of the Camel Era

With the advent of motorized vehicles in the early 20th century, the use of camels for transport began to decline. As the camel era waned, many Afghans returned to their homeland, though some remained in Australia and integrated into the broader society. However, despite their vital role, Afghan cameleers were often overlooked in Australian history.

The Legacy of the Ghan

Today, the Afghan cameleers' contributions are celebrated, particularly through the Ghan Railway, named in honour of the cameleers. The legacy of the camels also lives on in the wild herds that roam the outback. Museums and historical societies across Australia recognize the crucial role of the Afghans in opening up the interior and shaping the nation's development.

The story of the Afghans and their camels is one of resilience, cultural exchange, and contribution to Australia's growth. The cameleers not only helped map the outback but also created a transport system that opened up vast regions of Australia. Their legacy remains a vital part of the nation's history and continues to inspire interest in the role of immigrants in shaping Australia.

Letters make me feel better...

The letters were different. Like ones we used to write in India nearly two decades ago. Not short or pointed with a get well soon end; but descriptions of their lives, memories of India, new happenings etc. Reminded me of postal letters we wrote to our cousins during school and college days.

Puget Sound water body with Mt Rainier in the back.

Ruby Canyon, Colorado.

Venice beach's sunset.

Mountain town lake, North Idaho.

#GETTING BETTER

● Rakshat Hooja

So, I had met this good looking MGDian last November. She would often hang out with me. Or actually, I would with her but this is my story. It was basically volunteering for pro bono work, still fun. I never asked her age as I had a feeling the age gap was going to turn out to be huge and I would have felt old! So, why put myself through that agony?

Then one day, my school classmate, Rishi, who is a Professor of Physics at an IIT, came to the cafe where we were having coffee. Obviously, he joined us, was very excited that the girl was an MGDian and immediately mentioned that she must know his sister. Rishi also added that his sister passed out in 96.

The girl stopped eating. She said 96 twice. Rishi was excited as he thought she was thinking of people in the batch. Then, she said I was not even born in 96. How can you think I am that old? And she has not spoken to Rishi since then.

I just laughed uncontrollably and told Rishi that he is old. And told the girl that I am 2008 batch. And she has invited me to lunch to her farm once I recover from COVID!

COVID

Did I say recover from Covid? I am in hospital and recovering. I had tested positive a few days ago and was asymptomatic. But symptoms appeared and here I am. But getting better, so that is another positive. And lots and lots of positive vibes from well wishers. That has really kept me going.

Anne with her partner.

Raghu and Amanda at Lake Superior.

Amy with her husband.

Foraged mushrooms.

Emma with her daughter.

RECONNECT

And something very interesting happened. My students from the days when I directed the University of Minnesota, India Program found out that I was unwell. They decided to send me letters from the US to cheer me up. It just felt so good to reconnect.

The letters were different. Like ones we used to write in India nearly two decades ago. Not short or pointed with a get well soon end; but descriptions of their lives, memories of India, new happenings etc. Reminded me of postal letters we wrote to our cousins during school and college days.

It was really relaxing to read the letters in the middle of all the negative Covid news. They really made me feel better. I am reproducing edited extracts from some of them below as the audience may also enjoy reading something different in these times. There is a brief description of the author followed by the letter.

Meridith

She was a student of the first batch I taught. One of my favourites. A theatre graduate, she now lives in New York State.

"We (my partner and I) are ok. We've been pandemic-lucky: able to work from home mostly. We had scheduled our wedding in January 2019 for October 2021, and suddenly, need to actually plan it so working on that a lot. I see my sister tomorrow! I know you remember her fondly. I'm going to stay with them till the 7th just to help out and give her and her husband some kid relief.

Fauci- the new pup- is driving us crazy but she's very cute. She's way cuddlier than Esquire was at this age. But she's also way less motivated by food which makes training hard. She's still a nightmare on a leash!

So, some memories of 2005 India now.

We all really missed cheese. It was the one food we couldn't really find, and for some reason, we were so homesick for it. Seema had her partner ship us velveeta and we found macaroni in a store and paid way too much for it and we had a secret macaroni and cheese party. And it was HEAVENLY.

This cheese situation was the same reason we ended up at Pizza Hut sometimes. It was the designated expat American hangout in town because it was the only place that tasted just like home. Kirstin would sneak in booze and spike our sodas and we'd eat cheesy breadsticks!" A very different India in 2005 indeed!

Fauci and Esquire in Mere's New York Home.

Amy Kae

Spent a full year in India. And then more time in Bangalore. Remember long discussions about research and life in India with her. Lives in Seattle now. "I'll try to keep it as light as possible since I can imagine how tired you must be of everything else. Things are starting to stabilize here - regarding both COVID and the political climate.

Sameer (her husband) and I recently spent a month in Los Angeles. We traveled by car, as safely as we could. It was wonderful to get a change in scenery, and particularly, weather. All the while understanding how lucky we are, and have been.

We stayed less than a block from the beach in Venice. Have you visited Venice? Knowing you, you probably have! I'm always impressed by how many places you visit when you come to the U.S. Love it. We really enjoyed Venice and the sunny, mild weather is a bonus. We appreciate that it's a historical surfing spot and attracts crowds from all over the world, especially during spring break and summer.

Being close to the beach was amazing. I've never had such easy access to the sand and water and it was a real treat! It was so peaceful and energizing at the same time.

When we returned from LA, spring had sprung in the Puget Sound area, so it was nice to come home to flowers blooming, birds singing, and green leaves on trees. It was the perfect time to leave and then come back, a cool transformation to experience. We've been mostly keeping busy with work. I've been in my current role for just over two years, managing web content and web analytics for a team at Microsoft. I'm lucky to say that I love both my job and my team, and hope to continue doing this sort of work for some time to come." Parts of the US do seem to be moving back towards normal. I do hope it stays that way.

Students' overnight field trip, Shekhawati, 2005.

Emma

She did her medical internship in the back and beyond of Rajasthan. An amazing women whose travel blog became the inspiration for my own travel and writing. "Happy to share some more positive news. I have a daughter who is about to turn 2 in a few months - she is my greatest joy in life. I've been also lucky to be able to work from home during the pandemic so far. Also, I live in Colorado now and the mountains and hiking has been a new adventure.

I remember so many things about the time in India - it was a period of real personal growth for me. One memory I've thought about lately is the overnight bus ride I took to get to the location of my internship. It was a long night but sitting in the bus as the sun came up was such a beautiful sight. The terrain was flat, vast and brown with a single huge tree, and right by the tree, the sun was coming up practically bright red and so huge. Everyone on the bus got a really special view and it was a great welcome to a new place that I'd be exploring the next few weeks. I've never seen the sun rise so big before.

I also laugh thinking about getting to know Sunita Bapna, my host mom. She wasn't the warmest host at first and I would show up to her kitchen in the morning hoping to learn. She really made me earn her respect and I would show up everyday and she would say you can watch ... finally, after what felt like weeks, she let me peel a potato with her. From then on, I had passed the test I think to make it in her kitchen and I learned her recipe for daal and a cabbage carrot dish and how to make roti. I still remember and cook those dishes today! So many great memories but those two popped into mind just now." Rites of passage in an Indian kitchen! Always an interesting story!

Anne

One of the nicest people you will ever meet. Always helping everyone. I still remember how worried she was when I was dropping her to the bus to her internship site and how confident she became subsequently. "I'm doing good, I haven't been affected by corona and most of the people are getting vaccinated here, so, life is feeling somewhat more 'normal' as they say. I am working as a Medical Massage Therapist in Standpoint, a small mountain lake town in Northern Idaho! I love it. It's quiet and serene. I think about India often. I look forward to visiting there again someday soon."

Amanda

One of my best friends from the Minnesota days. Attended her marriage in Nepal a couple of years ago!

"Oh my India memory. I was with several other Minessota students, all girls, and we were on a train somewhere in Punjab. I think we were going to Dharamshala via Amritsar? We had a bottle of beer, and we were trying to keep it concealed from any judgy eyes of people around us, but also trying to open it without a bottle opener. We were sitting in one section of benches, and there were two very large, silent, uncle-aged men, sitting on the little bench across the aisle from us. After struggling unsuccessfully for about 5 minutes to either keep our activity a secret or to open the bottle, one of the men, a Sikh, made a noise and motioned for us to give him the bottle. He had a really stern look on his face, and we were really afraid he was angry and going to take it from us, that he was upset we were trying to drink alcohol. We all froze, then slowly handed it to him. Now what?

All of our jaws dropped as he silently opened the beer WITH HIS STEEL BANGLE and handed it back to us. He had been scoffing because he just couldn't watch us struggling like amateurs anymore. It was so cool. We all laughed and had a great rest of our journey.

In Minnesota, now that we are in month 14 of quarantine, we have been doing what we can to stay busy. We planted a lot of fruit trees and bushes last summer- peaches, plums, apples, apricots, strawberries, blueberries, gooseberries (which is very similar to amla) and raspberries. We should get berries this year and hopefully peaches next year. Apples, plums and blueberries will take longer... I've just started some tomato seedlings that I will plant at the end of May.

I've also started taking long hikes in the wildlife refuge near my house and birdwatching. Apparently, there are 230-odd birds that fly through here each year, and I had no idea. I've been trying to find some of them. We've also tried our hands at foraging for mushrooms." Bird watching is one of my favourite activities too!

As I read through these letters and many more, I felt so much better. When we are struggling, personally and as nation, it means a lot to know there are people and friends out there who care, are doing well and are willing to share. The road to recovery is long. But when you have friends, it can be easier. I am home now and getting better.

rajeshsharma1049@gmail.com

Group photo in Indian clothes - Amy in green saree on my left.

THE WALL

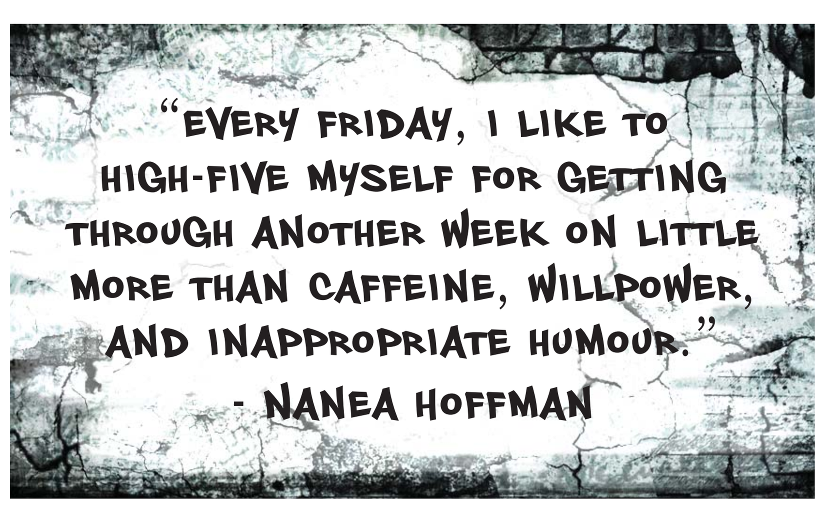

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

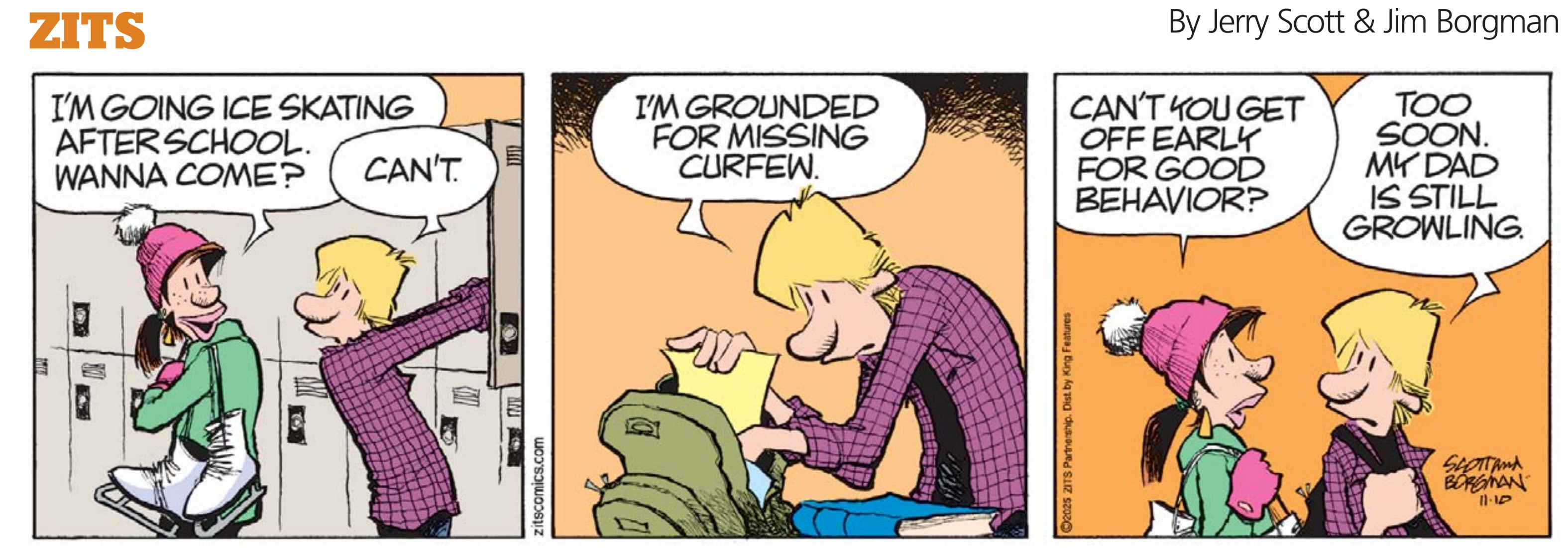

कोटा में कबाड़ गोदाम में भीषण आग लगी

सात दमकलों ने आग पर काबू पाया, लपटें पहुंचने पर पास की बिल्डिंग खाली कराई

कोटा, (निसं)। शहर के अनंतपुरा थाना इलाके की पत्थरमंडी, दीनदयाल नगर स्थित एक कबाड़ के गोदाम में आग लगने का मामला सामने आया है। यह आग मंगलवार सुबह करीब 9.30 बजे लगी। सूचना मिलते ही नगर निगम की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। इस कबाड़ गोदाम के नजदीक ही एक तीन मंजिला इमारत है, जिसके भूतल पर दुकानें हैं और ऊपर के दो फ्लोर पर रिहायशी फ्लैट बने हुए हैं। आग की लपटें इस बिल्डिंग तक पहुंचने लगी थी। ऐसे में पुलिस व अग्निशमन टीम ने सावधानीपूर्वक इमारत को खाली करवाया। लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। आग से पूरे इलाके में धुआं फैल गया था। मौके पर अनंतपुरा थाना पुलिस भी पहुंची। नगर निगम के दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का प्रयास किया।

कोटा में कबाड़ के गोदाम में लगी आग पर दमकलों ने काबू पाया।

- गोदाम टीनशेड से बना हुआ था, इसमें रबर, चादरें, लोहा, प्लास्टिक, रद्दी, खाली बोतलें, कांच व गत्ते सहित अन्य कई तरह का स्क्रैप पड़ा हुआ था

नगर निगम के अग्निशमन अनुभाग के मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि 7 दमकलों ने करीब दो घंटे में इस आग पर काबू पाया है। पहली दमकल की टीम ने सूचना दी कि आग भीषण है जिसके बाद अन्य अग्निशमन केंद्रों से भी दमकलें भेजी गईं। यह गोदाम छीतरलाल व दिनेश नामक कबाड़ियों का है जिसका क्षेत्रफल 40 गुणा 90 फीट है और यह टीनशेड से बना हुआ है। इस गोदाम में रबर, चादरें, लोहा, प्लास्टिक, रद्दी, खाली बोतलें, कांच व गत्ते सहित अन्य कई तरह का स्क्रैप पड़ा हुआ था। आग की सूचना निवर्तमान पार्षद सोनू धाकड़ व जसवंत डैनी ने दी थी। इसके तत्काल बाद पुलिस कंट्रोल रूम से भी फोन आ गया था। मौके पर पहुंचे अनंतपुरा थाने के कांस्टेबल जितेंद्र सिंह ने बताया कि इस गोदाम के पास मौजूद मिश्रित (रिहायशी व व्यावसायिक) बिल्डिंग तक आग पहुंच गई थी जिससे वहां के निवासियों को बाहर निकाला गया। समय पर दमकल के पहुंच जाने से आग पर काबू पा लिया गया अन्यथा बिल्डिंग भी चपेट में आ सकती थी।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी व्यास ने बताया कि प्राथमिक तौर पर आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि, गोदाम मालिक दिनेश और छीतरलाल का आरोप है कि आग किसी व्यक्ति ने जान बूझकर लगाई है। इस संबंध में आगे की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

सीएम भजनलाल पांच को फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे

जयपुर/श्रीगंगानगर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान का नहरी तंत्र मजबूत बन रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पांच दिसम्बर को फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। इससे गंगनहर में वर्षभर पानी की पर्याप्त आवक बनी रहेगी तथा किसान रबी व खरीफ फसलों की जरूरत के अनुसार सिंचाई कर सकेंगे।

- इससे गंगनहर में वर्षभर पानी की पर्याप्त आवक बनी रहेगी तथा किसान रबी व खरीफ फसलों की जरूरत के अनुसार सिंचाई कर सकेंगे

फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण के तहत आर.डी. 0 से 168.230 तक सी.सी.लाईनिंग, 2 हैड रेगूलेटरों का पुनर्निर्माण, 1 हैड रेगूलेटर का नव निर्माण, 1 क्रोस रेगूलेटर का पुनर्निर्माण, 19 वी.आर.बी./डी.आर.बी. का पुनर्निर्माण, 3 रेलवे क्रॉसिंग ब्रिज का पुनर्निर्माण कार्य करवाया जाएगा। इन विकास कार्यों से हरिके बैराज में आने वाले अधिक पानी को फिरोजपुर फीडर में लाया जाएगा तथा इसका प्रत्यक्ष लाभ गंगनहर को होगा।

इन पुनर्निर्माण कार्यों से गंगनहर के 3.14 लाख हैक्टेयर क्षेत्र के काश्तकार लाभान्वित होंगे तथा फसलों का उत्पादन भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर बजट घोषणा वर्ष 2024-25 में फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। केन्द्रीय जल आयोग द्वारा इस कार्य की डीपीआर स्वीकृति दी गई। इस परियोजना की कुल लागत 647.62 करोड़ रुपये है। इसमें पंजाब राज्य की हिस्सेदारी 379.12 करोड़ रुपये एवं राजस्थान राज्य की हिस्सेदारी 268.50 करोड़ रुपये है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1925 में 5 दिसम्बर को स्व. महाराजा गंगा सिंह ने गंगनहर का शिलान्यास किया था। वर्ष 2025 में इस परियोजना के 100 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। इससे फिरोजपुर फीडर की कुल पानी आहरण की क्षमता में वृद्धि होगी।

खाद बीज की दुकानों का निरीक्षण किया

भीलवाड़ा, (निसं)। रबी फसलों में सुनियोजित एवं आवश्यकतानुसार उर्वरकों की उपलब्धता एवं किसानों को उच्च गुणवत्ता का कृषि आदान उपलब्ध कराने के उद्देश्य को लेकर कृषि आयुक्तालय की टीम ने भीलवाड़ा में खाद बीज की दुकानों का निरीक्षण किया।

- कृषि आयुक्तालय की टीम ने भीलवाड़ा में जांच की

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक विनोद कुमार जैन ने बताया कि कृषि आयुक्तालय जयपुर में जल उपयोगिता प्रकोष्ठ के सहायक निदेशक जितेन्द्र कुमार नोगिया एवं नरेन्द्र जैन ने मैसर्स निम्बार्क ऐजेन्सी पर स्टॉक निर्धारित तिथि तक संधारित नहीं रखने एवं बिना पीसी में इन्द्राज कराये पोटाश डेविडेट फ्रोम मोलासिस पाये जाने पर तत्काल बिक्री पर रोक लगाकर फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसी प्रकार हिन्दुस्तान सीड्स एवं फर्टीलाइजर के प्रतिष्ठान पर बिल बुक निर्धारित प्रारूप में संधारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि किसानों को फसल की आवश्यकतानुसार रबी सीजन में समय पर यूरिया एवं अन्य उर्वरक उपलब्ध हो इसके लिए कृषि विभाग द्वारा कृषि आदान विक्रेताओं के स्टॉक एवं गोदामों का निरीक्षण किया जा रहा है, किसानों को उच्च गुणवत्ता का कृषि आदान उपलब्ध कराने हेतु सेम्पल लिये जा रहा है, जिनको विश्लेष्ण हेतु प्रयोगशाला में भेजा जायेगा। विभाग के निरीक्षको द्वारा कृषि आदान के प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण और मौके पर मौजूद उर्वरक के स्टॉक का पॉस मशीन एवं स्टॉक रजिस्टर से मिलान करेंगे एवं किसी भी स्तर पर अनियमितता पाये जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। संयुक्त निदेशक जैन ने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम स्थापित किया है।

पुलिस ने बीएलओ बनकर दुष्कर्मी को फकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। पुलिस ने छह साल से फरार दुष्कर्म के आरोपी नरेश शर्मा को गिरफ्तार किया है। नरेश शर्मा अपनी महिला मित्र के साथ उत्तर प्रदेश के नवाबगंज, बरेली में नाम बदलकर राजेश शर्मा के रूप में छुपा हुआ था। वह थाना कोतवाली चित्तौड़गढ़ का निवासी है और दुष्कर्म के मामले में फरार था। इसके अलावा, चंदेरिया थाना क्षेत्र में 15 साल और सुभाषनगर, भीलवाड़ा में 5 साल से धोखाधड़ी के मामलों में फरार अन्य आरोपी भी हैं।

भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर थाना कोतवाली के थाना प्रभारी सुनील चौधरी की टीम ने विशेष प्रयास कर नरेश शर्मा को गिरफ्तार किया। टीम के हेडकांस्टेबल ओमप्रकाश चौधरी ने बीएलओ बनकर गहन जांच की और मिली सूचना के आधार पर नरेश को पकड़ने में सफलता हासिल की। आरोपी के खिलाफ स्थाई वारंट था और वह फरार रहने के दौरान नाम बदलकर रह रहा था।

ड्रग्स मंगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर में वर्षों पूर्व सोना, बादाम, लोंग की होने वाली तस्करी से निजात मिली, परन्तु वर्तमान में ड्रग्स तस्करी करने वाले बड़े बड़े गिरोह सक्रिय हैं। पुलिस द्वारा 4 महीने पहले 3 करोड़ 35 लाख रुपए की एमडीएमए ड्रग्स पकड़ी गई थी, पर ड्रग्स मंगवाने वाला आरोपी फरार था। इस मामले में जिले की कोतवाली पुलिस ने इस केस में सप्लाई मंगाने वाले वांटेड आरोपी भोमसिंह पुत्र शैतानसिंह राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ड्रग्स नेटवर्क में और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं।

नशीले कैप्सूल और गोलियों के साथ ई-रिक्शा चालक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पालिका बाजार के पास गश्त के दौरान एक ई-रिक्शा चालक को 1 लाख 30 हजार से ज्यादा अवैध नशीले कैप्सूल और टैबलेट्स के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त टैबलेट्स और कैप्सूल की बाजार कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है।

- ई-रिक्शा में 1.25 लाख प्रतिबंधित कैप्सूल व टैबलेट्स ले जा रहा था

सदर थानाधिकारी सुभाष चन्द्र के नेतृत्व में सब-इंस्पेक्टर हंसराज खरोड़ की टीम ने यह कार्रवाई की। आरोपी की पहचान त्रिलोक राम (45) निवासी 71 आरबी (रायसिंहनगर) के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि त्रिलोक राम डीटीडीसी कोरियर कंपनी में पार्ट टाइम डिलीवरी का काम करता है। आरोपी पिछले काफी लंबे समय से नशा तस्करों के संपर्क में था और कोरियर कंपनी पर लिखे पते से अलग-अलग जगहों पर इन नशीली दवाओं की डिलीवरी करता था। आरोपी इन कैप्सूल और गोलियों को छिपाकर ई-रिक्शा में ले जा रहा था। आरोपी के कब्जे से प्रेगाबालिन कैप्सूल आईपी 300 मिलीग्राम (न्यूरो-300) 35 हजार कैप्सूल, टैपेंटाडॉल हाइड्रोक्लोराइड टैबलेट्स (टैनीडॉल) 95 हजार टैबलेट्स बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पूछताछ में आरोपी से नशे की सप्लाई करने वाले बड़े सरगना और अन्य साथियों के नाम उगलवाने की कोशिश की जा रही है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

झुंझुनूं, (निसं)। बुहाना थाना इलाके के कुहाड़वास-भूरीवास रोड पर बीती रात को हादसे में अमित उर्फ बंटी की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त बुधराम घायल हो गया। बलौदा गांव का रहने वाला बुधराम मेघवाल शादियों में केटरिंग का काम करता है। उसने 22 नवंबर को कुहाड़वास में एक केटरिंग का काम किया था। जिसका पेमेंट लाने वह अपने दोस्त के साथ कुहाड़वास गांव गया हुआ था। जहां से पेमेंट लेने के बाद दोनों रात को बाइक से रवाना हुए। इसी दौरान कुहाड़वास से निकलते ही भूरीवास के समीप आश्रम के समीप पीछे से अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मारी।

देसूला की चरागाह भूमि पर नहीं रुक पाई अवैध प्लाटिंग

अलवर, (निसं)। अलवर तहसीलदार और राजस्व विभाग के लापरवाह अधिकारियों और पटवारी की मिलीभगत के चलते उद्योग नगर के देसूला गांव में गौचर भूमि पर भूमाफियाओं द्वारा हो रही अवैध प्लाटिंग पर अभी तक किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई है। जिला प्रशासन के आला अधिकारियों की मेहरबानी से भूमाफिया इस करोड़ों की गौचर भूमि पर अवैध प्लाटिंग करने में लगे हुए हैं। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल से लेकर इसके समाचार मीडिया में लगातार प्रकाशित किये जा रहे हैं, लेकिन जिला प्रशासन के अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

- ग्रामीणों ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल से लेकर पटवारी, तहसीलदार अलवर को भी की है, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई

ग्रामीणों ने बताया कि देसूला की गौचर भूमि खसरा नं 534 पर पिछले कई दिनों से प्लाटिंग की जा रही है। यहां तक कि यहां भवनों का निर्माण तक भी किया जा चुका है। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल से लेकर पटवारी दिनेश कुमार को भी की जब पटवारी ने कोई कार्यवाही नहीं की तो ग्रामीणों ने इसकी शिकायत तहसीलदार अलवर को भी की है, लेकिन राजस्व विभाग द्वारा अभी तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

चाकू के हमले से श्रमिक की हत्या, दो घायल

उदयपुर, (निसं)। शराब के नशे में आपसी विवाद होने पर अरोपी ने चाकू से साथी श्रमिकों पर हमला कर दिया। जिससे एक श्रमिक की मौत हो गई तथा दो श्रमिक घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार एक दिसंबर तड़के जिले के बैकरिया थाना क्षेत्र उपलावास गांव में शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर कहासूनी होने पर बावलवाड़ा निवासी जीवन पुत्र रासा ने चाकू से हमला कर देवरी एमपी निवासी विरसिंह (23) पुत्र हीरासिंह, वीरन (32) पुत्र सुखनंदन एवं कपूर (21) पुत्र डालू पर हमला कर फरार हो गया। इसका पता चलने पर बैकरिया थानाधिकारी उत्तमसिंह ने मौके पर पहुंचकर उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। इस पर पुलिस उप अधक्षक डूगरसिंह ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल कर निरीक्षण किया तथा मृतक वीरसिंह का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा एवं घायलों को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती कराने के लिए रवाना किया। बैकरिया थाना क्षेत्र में हाईटेंशन लाईन बिछाने का काम चल रहा है। जहां पर वीरसिंह, वीरन एवं कपूर मजदूरी करते हैं तथा जीवन हिताची मशीन का आपरेटर का काम करता है।

आईएसआई जासूस प्रकाश सिंह को टेलीग्राम-वॉट्सएप पर ट्रेनिंग मिली थी

श्रीगंगानगर, (कासं)। मंगलवार को सीआईडी इंटेलिजेंस ने श्रीगंगानगर से गिरफ्तार पाकिस्तानी जासूस प्रकाश सिंह उर्फ बादल (34) को जयपुर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने प्रकाश को 11 दिसम्बर तक पीसी रिमांड पर भेज दिया।

जानकारी के अनुसार जांच में सामने आया कि श्रीगंगानगर से गिरफ्तार पाकिस्तानी जासूस प्रकाश सिंह उर्फ बादल (34) कोई सामान्य जासूस नहीं था, वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का एक्टिव और ट्रेंड एजेंट था। आईएसआई की ओर से उसे टेलीग्राम और वॉट्सएप के जरिए ट्रेनिंग दी गई थी। बताया गया कि उसे कब क्या करना है। साइंस का स्टूडेंट रहा प्रकाश डी फार्मा (फार्मासिस्ट) कर चुका है। जांच में सामने आया कि पाकिस्तान से बॉर्डर पर ड्रोन से आने वाली ड्रग तस्करी का सबसे बड़ा सरगना भी प्रकाश सिंह ही था। पाकिस्तानी हैंडलर से ड्रग लेकर तस्करों तक पहुंचाना और उसे सप्लाई करने तक का काम वह खुद ही करता था। बॉर्डर एरिया के चप्पे-चप्पे से वाकिफ प्रकाश खुद को मार्बल का मिस्त्री बताता था। शातिर तरीके से पाकिस्तान को सेना से जुड़े फोटो-वीडियो शेयर कर रहा था।

- सीआईडी इंटेलिजेंस ने पाकिस्तानी जासूस प्रकाश सिंह उर्फ बादल को जयपुर कोर्ट में पेश किया, 11 दिसम्बर तक पीसी रिमांड पर भेजा

जानकारों के अनुसार अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाई आईएसआई ने अपनी रणनीति पूरी तरह बदल दी है। पहले वह केवल ड्रग्स, हथियार और जाली नोट तस्करों को संरक्षण देती थी, लेकिन अब इन स्मगलरों के पूरे नेटवर्क को अपने सीधे नियंत्रण में लेकर उन्हें बिना किसी अतिरिक्त ट्रेनिंग के जासूस बना रही है।

फिरोजपुर (पंजाब) निवासी प्रकाश सिंह इसी का हिस्सा था। जासूसी करने से पहले प्रकाश सिंह पाकिस्तान से आने वाली ड्रग को देश के अलग-अलग राज्यों में सप्लाई करता था। आईएसआई के जरिए ये ड्रग राजस्थान से जुड़े बॉर्डर पर ड्रोन से गिराई जाने लगी। प्रकाश सिंह ड्रग तस्करी के इस मॉडल का मुख्य सरगना था। जांच में सामने आया कि प्रकाश सिंह पिछले 13 साल से इंटरनेशनल ड्रग तस्करी के बड़े नेटवर्क का हिस्सा रहा है। साल 2012-13 में वह हेरोइन के साथ पकड़ा गया। इसके बाद वह सितम्बर 2014 तक पंजाब की जेल में रहा। इस दौरान वह अमृतसर के बड़े ड्रग स्मगलरों के लिए मीडिएटर का काम करता था। जेल में रहने के दौरान कुछ दूसरे ड्रग तस्करों से उसका कॉन्टैक्ट हुआ। जेल से बाहर आते ही उसने पाकिस्तानी ड्रग तस्करों से कॉन्टैक्ट बनाए। इसके बाद वह साल 2015 के बाद से बॉर्डर पर पाकिस्तान से हेरोइन मंगवाने लगा। वह आईएसआई के जरिए आने वाली हेरोइन को बॉर्डर पर भेजने की लोकेशन बताता था। यानी बॉर्डर पर कहां पर किस जगह ड्रग के पैकेट गिराने हैं, ये सारे काम प्रकाश सिंह करता था। इसके बाद वह ड्रग तस्करों तक पहुंचाता था। जांच में सामने आया कि पाकिस्तान से आने वाली ड्रग को उसने राजस्थान के अलावा पंजाब और गुजरात में सप्लाई किया। ये भी सामने आया कि पिछले कुछ सालों में बॉर्डर पर ड्रोन के जरिए आई ड्रग में भी प्रकाश सिंह की बड़ी भूमिका आ रही है।

सोशल मीडिया के जरिए वह आईएसआई के कॉन्टैक्ट में था। उसे बताया जाता था कि उसे अब कौनसा टास्क करना है। इस दौरान सेना से जुड़ी जानकारी वह पाकिस्तान भेजने लगा। वह राजस्थान के बॉर्डर इलाकों में अपने आपको मार्बल का मिस्त्री बताता था। जांच में सामने आया कि प्रकाश ने राजस्थान के अलावा पंजाब और गुजरात से भारतीय सेना से जुड़ी जानकारी और गोपनीय सूचना पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेजी थी। इसके बदले में उसे मोटी रकम दी जा रही थी।

सीआईडी इंटेलिजेंस के आईजी प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि प्रकाश दूसरों के मोबाइल नंबर लेकर उनके नाम से वॉट्सएप अकाउंट बनाता था। उन अकाउंट्स से पाकिस्तानी हैंडलर जासूसी और अन्य राष्ट्रविरोधी गतिविधियां चलाते थे। इसके बदले उसे मोटी रकम भी मिल रही थी। प्रफुल कुमार ने बताया कि 27 नवंबर को श्रीगंगानगर के साधुवाली सैन्य क्षेत्र के पास संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली थी। बॉर्डर इंटेलिजेंस टीम ने उसे दबोच लिया। मोबाइल चैक किया तो कई पाकिस्तानी नंबरों से चैटिंग मिली। फिर जॉइंट इंटेरोगेशन सेंटर श्रीगंगानगर और बाद में जयपुर ले जाकर सभी खुफिया एजेंसियों ने गहन पूछताछ की। डिजिटल डेटा से सारी बातें साबित हो गई।

सड़क हादसे में युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकट गांगाणा फांटा के पास में सोमवार की देर शाम बाइक सवार दो युवकों को ट्रक चालक ने चपेट में ले लिया। हादसे में एक युवक की तत्काल मौत हो गई, जबकि दूसरे का उपचार जारी है। परिजन ने मृतक के परिवार को आर्थिक मदद की मांग की। मृतक परिवार में इकलौता कमाने वाला था। दोपहर तक परिजन का धरना-प्रदर्शन जारी था। परिजन ने प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग भी रखी। हालांकि दुर्घटना के बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त करने के साथ उसके चालक को भी पकड़ लिया।

बोरानाडा पुलिस के अनुसार शंकर नगर, सांगरिया निवासी गजेंद्र वैष्णव पुत्र रामचंद्र वैष्णव की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका साला चांदपोल निवासी नरेश वैष्णव पुत्र मुरलीधर वैष्णव फोटोग्राफी का काम करता था। सोमवार की शाम को अपनी बाइक साथ परिचित के साथ गांगाणा फांटा से निकल रहा था, तब एक ट्रक चालक ने चपेट में ले लिया। हादसे में उसके साले नरेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि साथ वाला घायल हो गया। उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। इधर इस घटना को लेकर मृतक के बहनोई गजेंद्र का कहना है कि मृतक अपने परिवार में एक मात्र कमाने वाला था। पिता भी बीमार है।

कुंभलगढ़ फेस्टिवल के दूसरे दिन लोक कलाकारों के संग थिरके पर्यटक

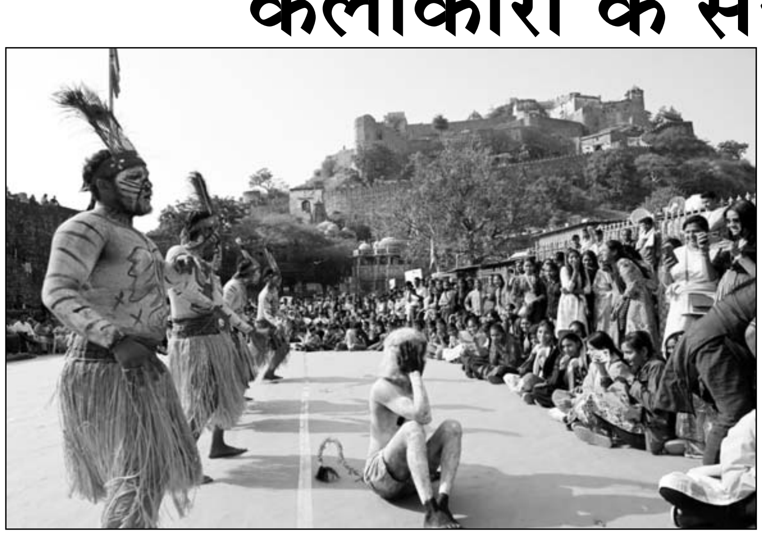

तीन दिवसीय कुंभलगढ़ फेस्टिवल के तहत लोक कलाकारों ने लोक नृत्य पेश किये। वहीं देशी-विदेशी पर्यटकों ने भी पारंपरिक लोक नृत्यों का आनंद लिया।

राजसमंद, (निसं)। तीन दिवसीय कुंभलगढ़ फेस्टिवल का दूसरा दिन भी उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा। सूर्योदय से लेकर देर शाम तक आयोजित कार्यक्रमों में देशी-विदेशी पर्यटकों की उल्लेखनीय भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा दुर्ग परिसर जीवंत माहौल से भर उठा।

दिनभर मंच पर चकरी, सहरिया, चंग-ढप, कच्छी घोड़ी, लाल अंगी, बांकिया, बहरूपिया, कालबेलिया, लंगा और गवरी जैसी पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों की अद्भुत प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। लोक कलाकारों की सजीव प्रस्तुति पर पर्यटकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और कई अवसरों पर वे लोक धुनों पर थिरकते भी नजर आए। पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों और पर्यटकों की सामूहिक सहभागिता ने पूरे वातावरण में उल्लास का अनोखा दृश्य प्रस्तुत किया।

शाम लोकराग-संदीप रत्नू द्वारा प्रस्तुत लोक संगीत का नाट्यय कार्यक्रम दिन का मुख्य आकर्षण रहा। प्रभावशाली मंचन और मधुर लोक धुनों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसके बाद परिसर तालियों की गूंज से गुंजायमान हो उठा। पगड़ी बांधो प्रतियोगिता में भी पर्यटकों ने विशेष रुचि दिखाई और बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने गतिविधि में भाग लिया। दूसरे दिन कुंभलगढ़ दुर्ग में आगंतुकों की लगातार आवाजाही रही। प्राचीन वास्तुकला, प्राकृतिक सौंदर्य और राजस्थानी संस्कृति की मिश्रित अनुभूति ने आगंतुकों को पूरा दिन व्यस्त रखा। परिवारों, युवा समूहों और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की सक्रिय भागीदारी से फेस्टिवल परिसर में लगातार रौनक बनी रही। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक सुमिता सरोच, उप निदेशक शिखा सक्सेना, एसडीएम साक्षी पूरी, सहायक निदेशक विवेक जोशी, सहायक निदेशक जितेंद्र माली, पर्यटक अधिकारी नीलू राठौड़, होटल एसोसिएशन के प्रतिनिधि, स्थानीय अधिकारी और बड़ी संख्या में देश-विदेश से आए पर्यटक उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर से टक्कर मारकर हत्या करने का आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। ट्रैक्टर से टक्कर मारकर हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना सदर के अंतर्गत 29 नवंबर को सुबह 8:30 बजे प्रियदर्शनी नगर के पास सुवाणा हलेड रोड के पास खाली जमीन पर एक व्यक्ति की लाश मिली थी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान महेन्द्र सिंह पंवार के रूप में की।

- परिजनों ने रुपये के लेनदेन और अवैध संबंध के कारण हत्या की आशंका जताई थी

पुलिस ने हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

परिजनों ने रुपये के लेनदेन और अवैध संबंध के कारण हत्या की आशंका जताई। पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारसमल जैन और सी ओ सदर माधव उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की। एफएसएल टीम ने घटनास्थल की वैज्ञानिक जांच की, जिसमें यह पाया गया कि मृतक को पीछा करते हुए ट्रैक्टर से टक्कर मारकर कुचलकर हत्या की गई। पूछताछ के दौरान पुलिस ने करीब 20 संदिग्धों से पूछताछ की। जांच में सामने आया कि आरोपी रामेश्वर पुत्र रामचंद्र, जो लक्ष्मीपुरा थाना बनेड़ा का निवासी है, ने अपने फार्म ट्रैक्टर से मार्निंग वॉक पर निकले महेन्द्र सिंह को टक्कर मारकर हत्या की। दोनों आरोपी और मृतक दोस्त थे और करीब 7-8 वर्षों से दूध डेयरी के व्यवसाय में साथ थे, लेकिन महेन्द्र के आरोपी की पत्नी से अवैध संबंध होने से रामेश्वर ने हत्या की साजिश रची। आरोपी ने बताया कि वह सुबह करीब 4 बजे कच्चे रास्ते पर इंतजार करता रहा और जैसे ही महेन्द्र सड़क पर आया, उसने ट्रैक्टर से टक्कर मारी। महेन्द्र बचने की कोशिश कर खेतों की ओर भागा, लेकिन आरोपी ने पीछे जाकर फिर से टक्कर मारी और उसे ट्रेक्टर के आगे के टायर के नीचे कुचल दिया। हत्या के बाद आरोपी ने अपने घर जाकर रोजाना की दिनचर्या शुरू कर दी ताकि किसी को शक ना हो। पुलिस को मुखबीर की सूचना मिली, जिसके बाद रामेश्वर को पकड़ लिया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

दो इनामी आरोपी गिरफ्तार, हथियार और बाइक बरामद

मनोहरपुर, (निसं)। थाना पुलिस मनोहरपुर को बड़ी सफलता मिली है। दुकान में तोड़फोड़ कर जानलेवा हमला करने और नकदी लूटने के मामले में फरार चल रहे 1000-1000 रुपये के इनामी दो आरोपियों ओमप्रकाश शर्मा उर्फ एसपी उर्फ संजू पंडित पिता: पूरणमल शर्मा, लेटकाबास, दीपक कुमार मीणा उर्फ चिंटू मीणा उर्फ सत्या पिता राजेश कुमार मीणा शेरपुरा, खोरी, थाना शाहपुरा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा डूडी ने बताया कि 11 अक्टूबर 2025 को परिवादी कृष्ण गुर्जर निवासी मामटोरी कला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वह मनोहरपुर के आमलियों का बास स्थित अपनी परमानंद गारमेंट्स दुकान पर ग्राहकों को सामान दे रहा था। इसी दौरान सचिन गुर्जर, रजनीश गुर्जर, मनीष गुर्जर सहित 10-15 हथियारबंद लोग अचानक दुकान में घुस आए। और हमलावरों के पास नंगी तलवारें, फरसी, कुल्हाड़ी और दो बंदूकें थीं। उन्होंने दुकान का काउंटर तोड़ दिया, तोड़फोड़ मचाई और बंदूक की नोक पर गल्ले से 45,750 रुपये लूट लिए। जब व्यापारी ने रोकने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। ग्राहकों और आसपास के लोगों के शोर मचाने पर सभी आरोपी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। वही पुलिस ने पहले ही 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि दो बालकों को निरूद्ध किया गया था। लेकिन दो आरोपी लंबे समय से फरार थे, जिन पर इनाम घोषित था।

फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) रजनीश पूनिया, वृत्ताधिकारी शाहपुरा मुकेश चौधरी के निर्देशन में तथा थानाधिकारी मनोहरपुर सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम रामकरण-हेड कांस्टेबल,रामचंद्र कांस्टेबल, रमेशकांस्टेबल,राकेश कांस्टेबल (विशेष भूमिका) टीम ने गोपनीय सूचनाओं, लगातार निगरानी और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर दोनों इनामी आरोपियों ओमप्रकाश शर्मा उर्फ एसपी उर्फ संजू पंडित पिता: पूरणमल शर्मा (29) निवासी: रणधीरा की ढाणी, लेटकाबास, थाना शाहपुरा (जयपुर),दीपक कुमार मीणा उर्फ चिंटू मीणा उर्फ सत्या पिता राजेश कुमार मीणा (20) निवासी: शेरपुरा, खोरी, थाना शाहपुरा (जयपुर) को दबोच लिया। और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल,लाठी बरामद की है।

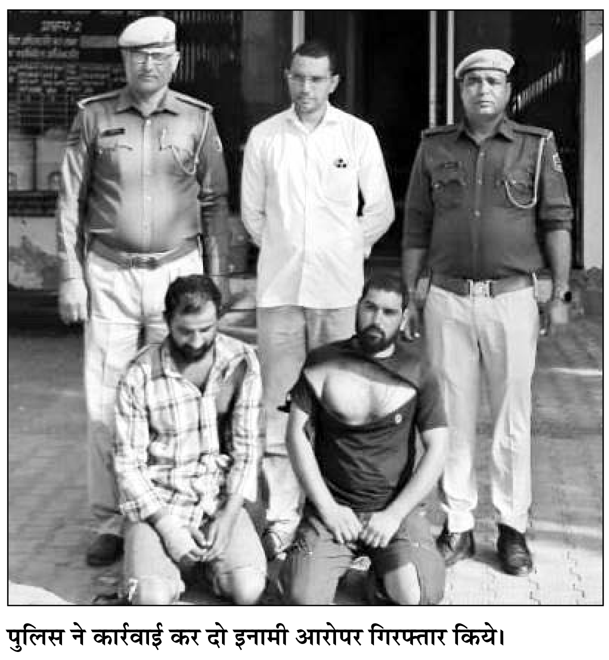

पुलिस ने कार्रवाई कर दो इनामी आरोपर गिरफ्तार किये।

कमिश्नर ने महिलाओं, बच्चों को रेन बसेरे भेजा

अलवर। अलवर नगर निगम के कमिश्नर सोमवार रात शहर के दौरे पर निकले। इस दौरान उन्होंने सडक़ किनारे सो रहे लोगों को उठाया। लोगों से पूछा-रोड किनारे क्यों सो रहे हो। पास में रेन बसेरा है, वहां जाना चाहिए।कमिश्नर को शहर के बिजली घर चौराहे के पास दुकान के आगे तो महिला-पुरुष और छोटे बच्चे सोते मिले। उन्हें तुरंत ई-रिक्शा से रेन बसेरे में भेजा गया। कई लोगों ने उन्हें कहा कि उनके पास आधार कार्ड नहीं है। इस कारण सडक़ पर सोना पड़ता है। एक बुजुर्ग ने कहा कि शाम को मजदूरी करने के बाद गाडी नहीं मिलती है। इस कारण यहीं आस-पास सो जाते हैं। कमिश्नर सोहन सिंह नरूका ने बताया कि शहर में कोई भी व्यक्ति खुले में ठंड में रात गुजारने को मजबूर न हो, इसके लिए 'बसेरा वाहिनी' को सक्रिय किया गया है। यह सेवा पूरी तरह फ्री है और रात को समय खुले में सो रहे जरूरतमंद लोगों को सुरक्षित आश्रय स्थलों तक पहुंचाने का काम करेगी।

कोटपूतली-बहरोड़ जिले के जिलाध्यक्ष का स्वागत

पावटा। कोटपुतली बहरोड़ जिले के नवनियुक्त प्रथम कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर का विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में जगह जगह उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कोटपुतली बहरोड़ जिले के नवनियुक्त प्रथम कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर को बनाए जाने पर युवा नेतृत्व से कार्यकर्ताओं में उत्साह है। कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं सहित अग्रवाल महासभा पावटा ने फूल मालाओं और नारेबाज़ी के साथ उनका अभिनंदन किया।

■ युवा नेतृत्व से कार्यकर्ताओं में उत्साह

भव्य स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। यहां पावटा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष महादेव प्रसाद, विराटनगर ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र राताावाल, पावटा संगठन मंत्री अजय सैनी, ब्लॉक उपाध्यक्ष ओपी बायला, मनोज अठावाल, राजू धनकड, रिजवान कुरैशी, मालीराम बाडीगर, मुरारी लाल शर्मा, उदयभान यादव, मूल जी खारवाल, केशर सिंह, हनुमान वर्मा, रामावतार सिंह, उप सरपंच रोहिताश मीणा,सूरजमल बुनकर, सत्यनारायण टेलर, सूरजमल मानव, बंशीधर कसाना, बनवारी मानव, लक्खा शर्मा, मुल जी धाबाई, अर्जुन खारवाल, जगदीश बारेठ, जितेंद्र मीणा, जगदीश बुनकर, सरपंच धर्मेंद्र मीणा, राजू खटाना, विक्रम यादव, एसपी पोसवाल, हंसराज कीलाधर, विकास यादव व अठावाल महासभा पावटा महामंत्री यतीश बंसल, नितेश गुप्ता, विवेक गोयल, गौतम बंसल, गोपाल मोटाका, पूर्व कोषाध्यक्ष नेहिल मंगल सहित कांठोस पदाधिकारी का कार्यकर्ता मौजूद रहे। पावटा कांठोस ब्लॉक अध्यक्ष महादेव प्रसाद, विराटनगर ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र राताावाल, पावटा संगठन मंत्री अजय सैनी, ब्लॉक उपाध्यक्ष ओपी बायला सहित कार्यकर्ताओं ने कहा कि पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर जैसे युवा नेता को जिला कांग्रेस की कमान सौंपे जाने से संगठन में नया जोश आया है और इससे पार्टी को मजबूती मिलेगी।

कोटपुतली बहरोड़ जिले के नवनियुक्त प्रथम कांठोस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर ने कहा कि पार्टी ने मुझे जो जिम्मेवारी सौंपी है उसे पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाऊंगा।

कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं, सभी कार्यकर्ताओं को पूरा मान सम्मान दिया जायेगा। पार्टी की मजबूती के लिए मेहनत करूंगा और क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने का काम करूंगा।

श्री बंशीवारा मंदिर का जीर्णोद्धार का कार्य शुरू

निवाई। झिलाय नगर में श्री मूरली मनोहर जी महाराज श्री बंशीवारा मंदिर का जीर्णोद्धार का कार्य शुरू हो गया। जिससे श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दोड गई।

जीर्णोद्धार समिति के ताराचन्द बोहरा ने बताया कि श्री बंशीवारा मंदिर का जीर्णोद्धार के कार्य को लेकर ठेकेदार रामजीलाल प्रजापत झिलाय के सानिध्य में दो जेसीबी मशीनों एवं दर्जनों मजदूर द्वारा मंदिर जीर्णोद्धार हेतु पुराने मंदिर को जमींदोज किया गया है। मंदिर जीर्णोद्धार को लेकर जीर्णोद्धार समिति की बैठक आयोजित हुई जिसमें सर्व सम्मति से मंदिर का नवीन नक्शा पास कर समिति सदस्यों से स्वीकृति ली। मंदिर पुजारी मनीष पारीक ने भगवान श्री मूरली मनोहर जी का गर्भ गृह के बारे में सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही नव निर्माण का मुहूर्त निकाला जाएगा। उन्होंने बताया कि नवीन मंदिर की कुर्सी पांच फीट ऊपर रहेगी। मंदिर की उंचाई कुर्सी से सवा 13 फीट ऊंची रहेगी और हर मंदिर में वेदी बीच में रहेगी।

साइड में परिक्रमा करीब चार फीट चौडी होगी। परिक्रमा में दाहिनी तरफ एक कमरा और जीना का निर्माण किया जाना तय हुआ है। बैठक में समिति के महेशकुमार मिश्रा, मोहनलाल सोनी, भंवरलाल पारीक, ताराचंद बोहरा, भगवानसहाय सोनी, त्रिलोकचंद बोहरा, प्रेमचंद बोहरा, जगदीशप्रसाद बेंवाल, विष्णु बोहरा, रामपाल सिंगवाड़िया, बाबूलाल सोनी, सत्यनारायण वर्मा, लालचंद बोहरा व बद्रीनारायण बरुनियां सहित कई सदस्यों ने ठेकेदार को निर्माण कार्य चालू करने के निर्देश दिए।

6 में से 4 उम्मीदवारों ने लिए नाम वापस

शाहपुरा। शाहपुरा दी बार एसोसिएशन शाहपुरा के 12 दिसंबर को होने वाले चुनाव को लेकर नाम वापसी के बाद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष महासचिव कोष अध्यक्ष चारु महत्वपूर्ण पदों पर मैदान में अब 2-2 ही उम्मीदवार बचे है। जिनकी कब आमने-सामने सीधी टक्कर होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी एडवोकेट मनोज गुर्जर ने बताया कि मंगलवार को नाम वापसी का अंतिम दिन था। नाम वापसी के बाद अध्यक्ष पद पर अब एडवोकेट बाल गोविंद सोनी व मंगल चंद यादव ही बचे हैं।

अवैध बजरी ले जाते दो ट्रेक्टर ट्रोली जब्त

टोंक। जिला पुलिस कप्तान राजेश कुमार के निर्देशन में चलाये जा रहे अवैध बजरी परिवहन व खनन की रोकथाम अभियान के तहत पुलिस उप-अधीक्षक निवाई रविप्रकाश शर्मा के सुपरविजन एवं निवाई थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने अभियान में कार्यवाही करते हुए मंगलवार को निवाई क्षैत्र से अवैध बजरी परिवहन करते हुये दो ट्रेक्टर-ट्रोली मय बजरी से भरे हुये को जप्त किया गया। इस दौरान ट्रेक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

नाम परिवर्तन

मैं श्यामू मुरारिया पुत्र बलराम जाटव निवासी भीकमपुरा पोस्ट हरनगर तहसील करौली राजस्थान शपथपूर्वक घोषणा करता हूं कि मेरे दस्तावेजों में गलती से मेरा नाम श्यामू जाटव हो गया जो कि गलत है जबकि मेरा सही नाम श्यामू मुरारिया है।

अत: अब भविष्य में मुझे मेरे सही नाम श्यामू मुरारिया के नाम से जाना जायें।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जो दूसरों के लिए कुआं खोदता है, वही उसमें गिरता है : प्रभव सागर

निवाई। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में राष्ट्रीय संत आचार्य वर्धमान सागर महाराज के आशीर्वाद से जैन नसियां संत निवास में मुनि प्रभव सागर महाराज के सानिध्य में धार्मिक कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमडीपडी।

जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा, विमल जौला एवं हितेश छाबडा ने बताया कि धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनि प्रभव सागर महाराज ने कहा कि प्रसन्नमुद्रा व मुस्कानयुक्त चेहरा ही महानुभावों व धर्मात्माओं की पहचान है। उसकी मुखमुद्रा में सहज मुस्कुराहट व वितराग भाव रहते हैं।

■ आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं ससंघ को निवाई आगमन हेतु किया श्रीफल भेंट

आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं ससंघ को निवाई आगमन हेतु श्रीफल भेंट करते श्रद्धालु।

जो प्रतिनित्य पूजा पाठ, स्वाध्याय व सत्संग करता है, यात्राएं करता है वह प्रफ्फुलित रहता है। यह सभी धर्मात्मा के चिन्ह है। उसका चेहरा उदास, अकड़ा हुआ व रोने जैसा नहीं रहता। पद्मनन्दि पंचविंशति ठांथ में कहा गया है कि जो अपने कानों से श्रद्धापूर्वक, रुचिपूर्वक, प्रीतिपूर्वक व भगवान की वाणी सुनता है वह भव्य है। उसने कुछ भी नहीं किया केवल कानों से सुना है किंतु रुचिपूर्वक सुना है इसलिए वह भाव है।

आचार्य कहते हैं कि उसको निश्चित रूप से मोक्ष प्राप्त होगी। पवित्र भावों के साथ, श्रद्धापूर्वक जिनवाणी, आध्यात्मिक तत्वज्ञान व भगवान की वाणी को सुनता है वह भव्य है। उन्होंने कहा कि यदि साथ में कुछ प्रैक्टीकल करलें तो फिर उसकी महिमा ही अलग है। इन सबके लिए सत्संगति की आवश्यकता है, साधु की संगति की आवश्यकता है। भारतीय संस्कृति में सभी महापुरुषों ने सत्संगति की प्रशंसा की है।

इस दुनिया में कुछ लोग सच्चे व लोग अच्छे होते हैं, जो लोग अच्छे होते हैं जरूरी नहीं कि वह सच्चे भी हो, लेकिन जो लोग सच्चे होते हैं वह अच्छे भी होते हैं। किसी के बारे में बुरा विचार नहीं करें, क्योंकि उसका बुरा हो ना हो आपका बुरा तो निश्चित है, कहा भी है जो दूसरों के लिए कुआं खोदता है, वही उसमें गिरता है। धर्म सभा के बाद जिनवाणी की स्तुति की गई। इसके बाद जैन नसियां में सायंकाल में शांतिनाथ चंदा प्रभु भगवान एवं पंच परमेष्ठी की आरती की गई। उसके बाद आनंद यात्रा एवं संस्कृति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बुधवार को आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं ससंघ को निवाई आगमन हेतु शीतकालीन प्रवास के लिए श्रीफल भेंट किया गया।

इस अवसर पर महेंद्र चंवरिया, मोहित चंवरिया, जितेंद्र चंवरिया, सुशील गिंदौडी, सुनील भाणजा, नवरत्न टोंग्या, मनोज पाटनी, नेमिचन्द खण्डेवत, राजेश बनेठा, अशोक बिलाला, विष्णु बोहरा, विनोद सुनारा, सुनील जैन, हितेश छाबडा, विमल जौला, योगेंद्र सिंहल, रौनक व राहुल बोहरा सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

ट्रक जब्त: निवाई। क्षेत्रीय वन अधिकारी धारीलाल बैरवा के निर्देशन में वन विभाग की टीम ने बायपास पर स्थित गांव मूंडिया के समीप अवैध लकड़ी परिवहन करते हुए एक 12 चक्का ट्रक को जब्त किया।

खण्डनस्वरूप आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य दामोदर प्रसाद खण्डेलवाल पुत्र स्व. श्री रघुनाथ प्रसाद, निवासी मकान नम्बर 3700, बाबू का टीबा, सूरजपोल बाजार, रामगंज, जयपुर ने स्वयं को सुभाष सिंधी गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड द्वारा आवंटित भूखण्ड संख्या 12-ए, बृजपुरी, जगतपुरा, जयपुर को आज दिवस तक भगवान सहाय गुप्ता पुत्र स्व. श्री रेवडमल गुप्ता, निवासी 1/312, मालवीय नगर, जयपुर या अन्य किसी व्यक्ति को विक्रय/विक्रय इकरारनामा /अन्तरण आदि नही किया है और ना उक्त भूखण्ड का कब्जा सुपुर्द किया है। भगवान सहाय गुप्ता द्वारा दैनिक भास्कर दिनांक 20.6.2025 में प्रकाशित आम सूचना बिना किसी विधिक आधार के प्रकाशित करायी गयी है, जिसके खण्डनस्वरूप यह सूचना प्रकाशित की जा रही है।

जयपुर दिनांक2.12.2025 — सर्वेश सारस्वत, एडवोकेट मो.-9829060759

नाम परिवर्तन

मैं राजूदेवी पत्नी श्री भंवरलाल मीणा निवासी- 170 श्रीरामनगर सांगानेर जयपुर, मेरा बचपन में रेणू उर्फ राजा नाम था, भारतीय जीवन निगम पॉलिसी में भूलवश रेणू उर्फ राजा दर्ज हो गया, जो गलत है। मेरा सही नाम राजूदेवी पत्नी श्री भंवरलाल मीणा है मुझे इसी नामसेजानाजावें।

मैं सूबेदार (Hony Capt) No- 482839 H शपथकर्ता ब्रजेन्द्र सिंह पुत्र श्री रामखिलाड़ी निवासी-ग्राम व पोस्ट कटारा अजीज, तहसील टोडाभीम जिला करौली राजस्थान मेरे पिता का नाम आर्मी अभिलेखों में रामखिलानी (Ramkhilani) व जन्मतिथि- 01/07/1943 दर्ज हो गयी है जो गलत है सही नाम रामखिलाड़ी (Ramkhiladi) व जन्मतिथि- 01/01/1943 जो पिता आधार सं.- 376497490453 व आर्मी अभिलेखों दर्ज़ करवाने है। भविष्य में रामखिलाड़ी (Ramkhiladi) व 01/01/1943 नाम से जाना जावे।

मैं सूबेदार (Hony Capt) No- 482839 H शपथकर्ता ब्रजेन्द्र सिंह पुत्र श्री रामखिलाड़ी निवासी-ग्राम व पोस्ट कटारा अजीज, तहसील टोडाभीम जिला करौली राजस्थान मेरे पुत्र सौरव सिंह (Saurav Singh) जो गलत है सही नाम सौरभ सिंह (Saurabh Singh) जो आधार सं.-555776489707 व शैक्षिणक सत्र सही करवाने है भविष्य में सोरभ सिंह (Saurabh Singh) नाम से जाना जावे।

मैने मेरा नाम संजय सोनी से बदल कर संजय कुमार रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। संजय कुमार पुत्र श्री शंकरलाल जौहरी प्लॉट न 19, सुदामा मार्ग, ब्रह्मपुरी, जयपुर (राज.)

I have changed my name from Hemant Kumar to Hemant Kumawat. In future known me as Hemant Kumawat S/o Ravindra Kumar R/o A-19, Sen Colony, Power House Road, Railway Station Jaipur Rajasthan.

I have changed my name from Sheetal to Sheetal Chauhan W/o Kanderp Chauhan R/o D-126/A, Mahaveer Marg, Ambabari, Jaipur. For all purpose.

खोया पाया

मेरा मकान सं.68/278, G-F, प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का मूल अदेय प्रमाण पत्र, मूल मांग पत्र, जमा रसीद कहीं गुम हो गयी है। मिलने पर सम्पर्क करें- भावना शर्मा- 8005800150

मेरे आवास संख्या 56/109 मानसरोवर जयपुर का आवंटन पत्र व कब्जा पत्र (Ghanding over taken over) गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। चन्द प्रकाश माथुर मो. 866924263

मेरे भूखण्ड सं- 94 & 95 आनन्द भवन गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना पटेल नगर जयपुर का पंजीकृत पट्टे के साथ संगलन मूल 50 रु का स्टाम्प पेपर कही गुम हो गया है सूचित करे राजेन्द्र मेहता मो. 9783683661

जेडीए की योजना (वाल्मिकी अम्बेडकर आवास योजना) गोविन्दपुरा योजना तहसील सांगानेर में स्थित आवास गृह संख्या एफ- 1057 का ओरिजनल जेडीए आवंटन पत्र संख्या डी-318 दिनांक 07.12.2017 कहीं खो गया है। मिलने पर सूचित करें। अल्ताफ हुसैन- 9829698604

जेडीए की योजना (वाल्मिकी अम्बेडकर आवास योजना) गोविन्दपुरा योजना तहसील सांगानेर में स्थित आवास गृह संख्या जी- 1057 का ओरिजनल जेडीए आवंटन पत्र संख्या डी-315 दिनांक 07.12.2017 कहीं खो गया है। मिलने पर सूचित करें। अल्ताफ हुसैन- 9057280697

मेरे प्लाट नं-136 मित्र गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना मित्र नगर जयपुर का सहकारी समिति से जारी मूल सोसाइटी रसीद जिसमे मूल आवंटी धर्मेन्द्र कुमार सारस्वत पुत्र श्री जगन्नाथ सारस्वत के पक्ष मे जारी दिनांक:21/07/1981 की है जो कि कही गुम हो गयी है मिलने पर सूचित करे श्रीमति दौलत कँवर मो- 9929386118

मेरे भूखण्ड सं.-346 व 347 योजना जॉयमैक्स गार्डन-ए का अपंजीकृत पट्टा मय साईट प्लान व स्टाम्प पेपर सहित समस्त मूल दस्तावेज कही गुम हो गये है मिलने पर सूचित करे- शशि प्रकाश अग्रवाल मो. 9784167899

मेरे भूखण्ड सं.-348 व 349 योजना जॉयमैक्स गार्डन-ए का अपंजीकृत पट्टा मय साईट प्लान व स्टाम्प पेपर कही गुम हो गया है मिलने पर सूचित करे- सुनीता अग्रवाल मो. 9784167899

मेरे MPNRC Bhopal MP Supplementary Examination Sexxion DEC. 2022, अमित कुमार पुत्र SHEODAN JAGIR ENROLMENT NO. 28108 GNM 191121 ROll No.G25D2260710002 BRANCH GNM NEW YEAR SECOND KE MARKSHEET म्कहीं गुम हो गई। मिलने पर सूचित करें- 9549999898

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बस्सी, जयपुर
प्रार्थना पत्र संख्या 417/2024
ज्योतिका कुमारी
बनाम
ठाकुर रघुवीर सिंह व अन्य

नाम-1. अमरवीर सिंह व मानवीर सिंह पुत्रान ठाकुर रघुवीर सिंह, जाति राजपूत, निवासीयान- बांसखो हाउस, गंगापोल, जयपुर राजस्थान
2. श्रीमति ज्योति सिंह पत्नी ठाकुर राजदेव सिंह पुत्री ठाकुर रघुवीर सिंह, जाति राजपूत, निवासी- 9, अजबपुर देहरादून (उत्तरांचल)
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है, कि.....
अतः आपको चेतावनी दी जाती है, कि आप इस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 04.12.2025 को 10:00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता.11 माह 11 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
दिनांक- न्यायालय-रीडर
मोहर अपर जिला एवं सैशन न्यायालय बस्सी, जयपुर महानगर प्रथम

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बस्सी, जयपुर
प्रार्थना पत्र संख्या 397/2024
जनार्दन शर्मा
बनाम
ठाकुर रघुवीर सिंह व अन्य

नाम-1. अमरवीर सिंह व मानवीर सिंह पुत्रान ठाकुर रघुवीर सिंह, जाति राजपूत, निवासीयान- बांसखो हाउस, गंगापोल, जयपुर राजस्थान
2. श्रीमति ज्योति सिंह पत्नी ठाकुर राजदेव सिंह पुत्री ठाकुर रघुवीर सिंह, जाति राजपूत, निवासी- 9, अजबपुर देहरादून (उत्तरांचल)
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है, कि.....
अतः आपको चेतावनी दी जाती है, कि आप इस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 04.12.2025 को 10:00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता.11 माह 11 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
दिनांक- न्यायालय-रीडर
मोहर अपर जिला एवं सैशन न्यायालय बस्सी, जयपुर महानगर प्रथम

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बस्सी, जयपुर
प्रार्थना पत्र संख्या 407/2024
जनार्दन शर्मा
बनाम
ठाकुर रघुवीर सिंह व अन्य

नाम-1. अमरवीर सिंह व मानवीर सिंह पुत्रान ठाकुर रघुवीर सिंह, जाति राजपूत, निवासीयान- बांसखो हाउस, गंगापोल, जयपुर राजस्थान
2. श्रीमति ज्योति सिंह पत्नी ठाकुर राजदेव सिंह पुत्री ठाकुर रघुवीर सिंह, जाति राजपूत, निवासी- 9, अजबपुर देहरादून (उत्तरांचल)
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है, कि
अतः आपको चेतावनी दी जाती है, कि आप इस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 04.12.2025 को 10:00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता.11 माह 11 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
दिनांक- न्यायालय-रीडर
मोहर अपर जिला एवं सैशन न्यायालय बस्सी, जयपुर महानगर प्रथम

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बस्सी, जयपुर
प्रार्थना पत्र संख्या 427/2024
जनार्दन शर्मा
बनाम
ठाकुर रघुवीर सिंह व अन्य

नाम-1. अमरवीर सिंह व मानवीर सिंह पुत्रान ठाकुर रघुवीर सिंह, जाति राजपूत, निवासीयान- बांसखो हाउस, गंगापोल, जयपुर राजस्थान
2. श्रीमति ज्योति सिंह पत्नी ठाकुर राजदेव सिंह पुत्री ठाकुर रघुवीर सिंह, जाति राजपूत, निवासी- 9, अजबपुर देहरादून (उत्तरांचल)
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है, कि
अतः आपको चेतावनी दी जाती है, कि आप इस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 04.12.2025 को 10:00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता.11 माह 11 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
दिनांक- न्यायालय-रीडर
मोहर अपर जिला एवं सैशन न्यायालय बस्सी, जयपुर महानगर प्रथम

प्रपत्र-5
राजस्थान सरकार
कार्यालय राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, राजस्थान, जयपुर हैण्डलूम हवेली, अशोक मार्ग, सी. स्कीम, जयपुर
अपील/निगरानी संख्या 639/24
Hotel Diggi Palace ...अपीलार्थी
बनाम
Chachal Sharma ...प्रत्यर्थी
(अपील अन्तर्गत धारा 41 उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019)
प्रेषित :
चंचल शर्मा, W/o स्वश्री अजय कुमार प्लाट नं.-19, गुर्जर घाटी, आमेर रोड अर्ता फार्म जयपुर-302002
श्री होटल डिग्गी पैलेस ने इस आयोग के समक्ष जिला मंच JPR-III के आदेश दिनांक 16-05-24 जो परिवाद संख्या 77/23 उजवानी Hotel Diggi Palace बनाम Chachal Sharma मैं पारित हुआ हैं, के विरूद्ध अपील प्रस्तुत की है। अपील व प्रलेखों की प्रतियां संलग्न की जा रही हैं।
आपको के समक्ष दिनांक 15-12-25 प्रतिनिधि के द्वारा राज्य आयोग के समक्ष दिनांक. ....को प्रात 10 बजे उपस्थित हों यदि आप द्वारा अधिकृत .. को प्रात 10 बजे उपस्थित हों। यदि आप द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि उपर्युक्त नियत तिथि व समय पर उपस्थित नहीं हुए तो अपील गुणावगुण के आधार पर एक पक्षीय कार्यवाही कर निर्णित कर दी जायेगी ।
आज दिनांक 26-11-25 को जारी किया गया ।
उप-पंजीयक/रीडर
मोहर राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, राजस्थान, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय

जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
क्रमांक : 4780 **आम जाहिर सूचना** दिनांक : 02.12.2025
राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा कार्यालय आदेश क्रमांक 1432 दिनांक 04.11.2000 जारी कर फ्लैट संख्या-10/882 (जी.एफ.) मालवीय नगर, जयपुर, क्षेत्रफल 34.582 वर्गमीटर का हस्तान्तरण श्री चंदन राय एवं श्रीमती मलिना राय के पक्ष में किया गया था। उक्त दोनों क्रेताओं में से श्री चन्दन रॉय की मृत्यु दिनांक 27.07.2024 को हो जाने के कारण श्रीमती मलिना राय पत्नी स्व. श्री चन्दन राय, श्री सौगत रॉय पुत्र स्व. श्री चन्दन राय एवं श्री सौमन रॉय पुत्र स्व. श्री चन्दन राय के द्वारा आवेदन-पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की छाया प्रति, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ-पत्र, मृत्यु प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास/फ्लैट का प्रतिस्थापन अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है, अतः उक्त फ्लैट के प्रतिस्थापन के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो, तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती मलिना राय पत्नी स्व. श्री चन्दन राय, श्री सौगत रॉय पुत्र स्व.श्री चन्दन राय एवं श्री सौमन रॉय पुत्र स्व. श्री चन्दन राय के पक्ष में फ्लैट के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी। सम्पदा प्रबंधक, वृत्त तृतीय, रा.आ. मण्डल, जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन

813 (आदेश 5 के नियम 1 और 5)
समक्ष अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश, क्रम सं.18, जयपुर महानगर प्रथम, सांगानेर मुख्यालय, जयपुर
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया विरूद्ध मैसर्स जैन किराणा स्टोर एवं अन्य
वाद बाबत् वसूली 1,60,684.57/- रूपये
वाद संख्या 471 सन् 2023
बनाम: 1. मैसर्स जैन किराणा स्टोर, एक प्रोपराईटरशिप फर्म, पंजीकृत कार्यालय:- मकान संख्या 82/25, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर-302029 एवं मकान संख्या 32/312, सैक्टर नं 3, ब्लॉक संख्या 30, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर-302033 जरिये प्रोपराईटर श्री प्रदीप कुमार जैन। 2. श्री प्रदीप कुमार जैन पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण जैन प्रोपराईटर मैसर्स जैन किराणा स्टोर निवासी: मकान संख्या 82/25, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर-302029 एवं मकान संख्या 32/312, सैक्टर नं 3, ब्लॉक संख्या 30, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर-302033
वादी ने आपके विरूद्ध वसूली के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 6 माह दिसम्बर सन् 2025 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज दिनांक 29 माह 11 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है। आज्ञा से, न्यायाधीश, शेरिस्तदार/रीडर
सील अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-18 जयपुर महानगर प्रथम, सांगानेर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय

जे0एल0एन0 मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर -0141-4901853
क्रमांक-4781 दिनांक-02/12/25
आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या 4/द/4 जवाहर नगर जयपुर, क्षेत्रफल 139.00 वर्ग गज का आवंटन प्रेम बिहारी लाल शर्मा पुत्र श्री राम शरण शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 5468 दिनांक 30/08/1976 जारी किया गया। उनके के द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उपपंजीयक जयपुर प्रथम दिनांक 20/07/1990 को करवाया गया। तत्पश्चात प्रेम बिहारी लाल शर्मा पुत्र श्री राम शरण शर्मा के द्वारा उक्त आवास का मुख्यारनामाआम श्री वाशी थावाणी पुत्र श्री वाधुमल थावानी को नियुक्त किया गया। उक्त मुख्त्यारनामाआम का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर प्रथम मे दिनांक 30/11/2000 को करवाया गया है। तत्पश्चात श्री वाशी थावाणी पुत्र श्री वाधुमल थावानी के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्रीमती रुक्मणी देवी पत्नी श्री मेघराजमल को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर-प्रथम मे दिनांक 28/02/2001 को करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती रुक्मणी देवी पत्नी श्री मेघराजमल के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्रीमती नीतू वाधवानी पत्नी श्री नितेश वाधवानी को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर-नवम मे दिनांक 04/08/2023 को करवाया गया। श्रीमती नीतू वाधवानी पत्नी श्री नितेश वाधवानी के द्वारा आवास का मूल आवंटी के नाम पंजीयन हो जाने के बाद पश्चातवर्ती अंतिम क्रेती का नाम मण्डल अभिलेख मे दर्ज करने बाबत निवेदन किया गया है। अतः नाम दर्ज के संबंध मे किसी भी व्यक्ति/बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञिप्त प्रकाशन के 07 दिवस मे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवे, अन्यथा उक्त अवधि मे कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती नीतू वाधवानी पत्नी श्री नितेश वाधवानी का नाम मण्डल रिकार्ड मे दर्ज कर दिया जायेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत तृतीय, रा0आ0म0जयपुर

कार्यालय उपायुक्त (विद्याधर जोन) नगर निगम जयपुर

(अम्बाबाडी सर्किल, अम्बाबाडी जयपुर)
क्रमांकः- एफ-55 ( ) वि.जोन/ ज.न.नि./2025/3189
सार्वजनिक सूचना दिनांकः 25/11/2025
भूखंड सं. 8-ए पुराना (115-ए नया) श्री राम नगर-बी, झोटवाडा, जयपुर (सयुंक्त गृह नि.स.स.) का श्री कन्हैयालाल शर्मा पुत्र श्री छुट्टन लाल शर्मा को क्षेत्रफल 125 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। प्रकरण में मूल आवंटी द्वारा रजि. विक्रय पत्र के द्वारा भूखंड सं. 8-ए पुराना (115-ए नया) क्षेत्रफल 125 वर्गगज को दिनांक 25.05.2011 को श्रीमती भंवरी देवी कंडेल पत्नी श्री भवानी शंकर कंडेल के पक्ष में बेचान कर दिया। श्रीमती भंवरी देवी मृत्यु दिनांक 07.05.2021 एवं श्री भवानी शंकर कंडेल मृत्यु दिनांक 13.05.2021 के पश्चात् श्री मनीष कंडेल उर्फ मनीष कुमार कंडेल पुत्र स्व. श्री भवानी शंकर कंडेल द्वारा रजि. विक्रय पत्र के द्वारा उक्त भूखंड क्षेत्रफल 125 वर्गगज को दिनांक 20.03.2025 को श्री नवीन कुमार काला एवं श्रीमती वर्षा जैन पत्नी श्री नवीन कुमार काला को बेचान कर दिया। आवेदकगण श्री नवीन कुमार काला एवं श्रीमती वर्षा जैन पत्नी श्री नवीन कुमार काला द्वारा चैन ऑफ दस्तावेज के आधार पर भूखंड सं. 8-ए पुराना (115-ए नया) क्षेत्रफल 125 वर्गगज भूखंड का नाम हस्तान्तरण किया जाना है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तांतरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी। उपायुक्त विद्याधर जोन नगर निगम जयपुर

IN THE COURT OF HON'BLE PRINCIPAL DISTRICT AND SESSIONS JUDGE, NAGPUR
(NEW EXT. BUILDING, ROOM NO. 904, 9th FLOOR) DISTRICT COURT, CIVIL LINES, NAGPUR. (MAHARASHTRA)
Crl. M.A. No. 24/2025 FIXED FOR: 12/12/2025
M/s Narayani Realities and Construction
.-VERSUS-
M/s Radha Krishna Buildtech & Others
TO, Non-Applicants::,
1. M/s Radha Krishna Buildtech, A Partnership Firm, Address: At Studio-1, 301-302, Coral Studio One, Sahakar Marg. Lalkothi, Jaipur 302001.
2. M/s Radha Krishna Buildtech Pvt. Ltd., Partner of M/s Radha Karlshna Buildtech, Address: At Coral Castle, 501, E-92, Subhash Marg, C Scheme, Jalpur-302001.
3. Mr. Kuldeep Ashok kumar Vyas, Partner of M/s Radha Krishna Buldtech, Address: At Studio 1, 301-302, Coral Studio One, Sahakar Marg, Lalkothi, Jyoti Nagar Police Station (Jalpur South), Jaipur-302005.
4. Mr. Krishna Kumar Yadav, Partner of M/s Radha Karishna Bulldtech, Address: At Studio 1, 301-302, Coral Studio One, Sahakar Marg, Lalkothi, Jyoti Nagar Police Station (Jaipur South), Jaipur - 302005.
5.Mr. Giriraj Ratan Daga, Partner of M/s Radha Karishna Bulldtech, Address: B- 13/D, Daga House, Shiv Marg, Near Mira Hospital, Bani Park, Jyoti Nagar Police Station,Japur-30201
6.Mr. Shyam Sunder Daga, Partner of M/s Radha Karishna Bul dtech, Address: B- 13/D, Daga House, Shiv Marg, Near Mira..Hospital, Bani Park, Jyoti Nagar Police Station, Jalpur-302016.
7.Mr. Govind Ratan Daga, Partner of Ms Radha Karishna Buildtech, Address: At B-13/D, Daga House, Shiv Mug, Near Mira Hospital, 911 Bani Park, Jyoti Nagar Police Station, Jaipur-302016.
Whereas the above named applicant have filed an Petition Under Section 448 of Bhartiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023..You are hereby noticed to appear in the Court of Principal District and Sessions Judge, Nagpur in person or by a pleader duly instructed on the 02nd day of August, 2025 at 11.00 a.m. to show cause in the said application. Falling wherein, the said application will be heard and determined exparte in your absence. Also take notice that in default of your filing an address for service on or before the date mentioned you are liable to have your defence struck out, Given under my hand and seal of the Court this 22nd day of July, 2025.
By Order Superintendent
Principal District & Session Court, Nagpur

कार्यालय नगर निगम, जयपुर

(जलेबी चौक, पुराना पुलिस मुख्यालय भवन, जयपुर)
क्रमांक :- जसअ / 2025 / 317 दिनांकः 28.11.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 05/2025-26
नगर निगम जयपुर में वेस्ट टू वेल्थ पार्क विकसित करने का कार्य हेतु पंजीकृत फर्म से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, टेण्डर शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर, की बेवसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, www.jaipurmc.org एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर UBN No. JMC2526WSOB02088 पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।
अधिशाषी अभियन्ता (प्रो0) पार्ट-02 नगर निगम जयपुर
राज.संवाद / सी / 25 / 14910

प्रारूप-10 नियम 6 (7) देखिए
प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, सांभर लेक
क्रमांकः नपासा/2025/2075 **लोक सूचना** दिनांक 02/12/25
श्री राजकमल जोतरिवाल पुत्र श्री मान सिंह, उम्र 37 वर्ष जाति बलाई निवासी आदर्श कॉलोनी, बिचून मार्ग फुलेरा, तहसील फुलेरा जिला जयपुर (राज) ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजनों के लिये भू उपयोग परिवर्तन हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारो के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्-

क्र.सं.	जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	रकबा	चाहा गया उपयोग
1	जयपुर	लालपुरा	3241/2812, 3250/2811, 3252/3243	कुल किता 03 रकबा 1.4264 हैक्टेयर	कुल किता 03 रकबा 1.4264 हैक्टेयर भूमि को आवासीय मे रूपान्तरण हेतु

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोगार्थ (आवासीय भू-रूपान्तरण) हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 02.12.25 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका मण्डल सांभर लेक

प्रारूप-10 नियम 6 (7) देखिए
प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, सांभर लेक
क्रमांकः नपासा/2025/2072 **लोक सूचना** दिनांक 02/12/25
श्री राजेन्द्र वर्मा पुत्र श्री रामपाल वर्मा उम्र 31 वर्ष जाति बलाई निवासी तेज्या का बास, तहसील फुलेरा जिला जयपुर (राज) ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजनों के लिये भू उपयोग परिवर्तन हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारो के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र.सं.	जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	रकबा	चाहा गया उपयोग
1	जयपुर	लालपुरा	3251/2811, 3253/3243	कुल किता 02 रकबा 0.9509 हैक्टेयर	कुल किता 02 रकबा 0.9509 हैक्टेयर भूमि को आवासीय मे रूपान्तरण हेतु

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोगार्थ (आवासीय भू-रूपान्तरण) हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 02.12.25 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका मण्डल सांभर लेक

कार्यालय नगर निगम जयपुर

(सांगानेर स्टेडियम वाली रोड, गर्ल्स स्कूल के पास, सांगानेर जयपुर)
E-mail :- eesanganerzone01@gmail.com
क्रमांक :- जसअ / 2025 / 313 दिनांकः 27.11.2025
निविदा सूचना संख्या 153-170/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत संवेदकों एवं नगर निगम ग्रेटर जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि. अभि. (सांगानेर जोन) से संबंधित विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in & www.jaipurmc.org पर देखी जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का Unique Bid Number JMC2526WSOB02047 से JMC2526WSOB02065 है।
अधिशाषी अभियंता सांगानेर जोन नगर निगम जयपुर
राज.संवाद / सी / 25 / 14908

कार्यालय ग्राम पंचायत दांतिल, पंचायत समिति पावटा (कोटपूतली बहरोड)

क्रमांक :- ग्रा.पं.दा/निविदा/2025-26/213 दिनांक -02.12.2015
ई-निविदा सूचना 2025-26
सर्वसाधारण एवं पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता है कि पंचायत समिति पावटा के अधिनस्थ ग्राम पंचायत दांतिल में नियम 181 के तहत पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम, एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी ए.वं एवं सी तथा डी व ई श्रेणी के संवेदकों से खुली निविदा के माध्यम से (डिफेक्ट लाइविलिटि पिरीयड दो वर्ष) एव कार्य के लिए मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा शर्ते एवं जी-शिड्यूल एवं अन्य सूचनाओं विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in/ व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकर्त है।
ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत दांतिल पं.स.पावटा (कोटपूतली-बहरोड) — UBN-ZJP2526WSRC01921 ZJP2526WSRC01922 — प्रशासक ग्राम पंचायत दांतिल पं.स.पावटा (कोटपूतली-बहरोड)

कार्यालय ग्राम पंचायत द्वारिकपुरा, पंचायत समिति पावटा (कोटपूतली बहरोड)

क्रमांक :- ग्रा.पं.द्वा/निविदा/2025-26/95 दिनांक -02.12.2025
ई-निविदा सूचना 2025-26
सर्वसाधारण एवं पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता है कि पंचायत समिति पावटा के अधिनस्थ ग्राम पंचायत द्वारिकपुरा में नियम 181 के तहत पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम, एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी ए.बी एवं सी तथा डी व ई श्रेणी के संवेदकों से खुली निविदा के माध्यम से (डिफेक्ट लाइबिलिटि पिरीयड दो वर्ष) एक कार्य के लिए मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा शर्ते एवं जी-शिड्यूल एवं अन्य सूचनाओं विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in/ व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत द्वारिकपुरा पं.स.पावटा (कोटपूतली-बहरोड) — UBN-ZJP2526WSOB01914 ZJP2526WSOB01913 — प्रशासक ग्राम पंचायत द्वारिकपुरा पं.स.पावटा (कोटपूतली-बहरोड)

मिलावटी कलाकंद का कारोबार करने वाले दो गोदाम सील

कार्रवाई के दौरान दोनों फर्म पर पर नहीं मिला लाइसेंस, मिल्क पाउडर, मिलावटी मिठाई और तेल के नमूने लिए तथा शेष पूरा सामान जब्त किया

खैरथल। खैरथल तिजारा जिले के तिजारा क्षेत्र में मिलावटी कलाकंद व मावा से निर्मित मिठाई तैयार कर अलवर की पहचान मिल्क के नाम को बदनाम करने में लगे दो बड़े गोदामों पर खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों की टीम ने बड़ी कार्रवाई सील किया है। यहां तक जांच में सामने आया कि दोनों निर्माताओं के पास खाद्य लाइसेंस ही नहीं है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि विभाग की टीम ने ग्राम डोटाना में मैसर्स बरकत पुत्र अलादीन (ग्राम फुलावास) और मैसर्स शाकीर पुत्र अलादीन (ग्राम डोटाना) के गोदामों पर छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान गोदामों में भारी मात्रा में मिल्क पाउडर, रिफाइंड ऑयल के पीपे, पाम ऑयल, एसएनएफ पाउडर आदि मिला, जिनसे बड़ी मिक्सिंग मशीनों में मिलावटी मिठाई तैयार की जाती थी।

यह मिठाई कलाकंद और मिल्क केक के नाम पर 450 से 500 रूपए प्रति किलो के भाव से बाजार में बेची जा रही थी। टीम ने मौके से मिल्क पाउडर, मिलावटी मिठाई और तेल के नमूने लिए तथा शेष पूरा सामान जब्त किया। जांच के दौरान दोनों निर्माताओं के पास खाद्य लाइसेंस नहीं होना पाया गया। जिस पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 के तहत गोदामों को सील करने की कार्रवाई की गई।

इसके अलावा खैरथल स्थित मैसर्स बल्लभगढ़ कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर यूनियन लिमिटेड पर निरीक्षण किया गया। यहां मैसर्स देवेंद्र कुमार (मैनेजर) और भूप सिंह (ड्राइवर) से मिश्रित दूध का सैंपल लिया गया एवं डेयरी में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए। कार्रवाई टीम में महिपाल सिंह और सुभाष यादव भी उपस्थित रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अरविंद गेट ने बताया है कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त, राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार यह अभियान पूरे जिले में शुरू किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में स्वस्थ आहार की आदतों को बढ़ावा देना और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु सामूहिक प्रयासों को मजबूत करना है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने खाद्य सुरक्षा विभाग को निर्देशित किया गया है कि बच्चों द्वारा सामान्य रूप से खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों-जैसे शिशु आहार, चॉकलेट, रंगीन खाद्य पदार्थ, सॉफ्ट ड्रिंक, बेबी फूड, चाइनीज फूड, पानी पुरी, पाव भाजी आदि-का सघन निरीक्षण और नमूनीकरण किया जाए।

स्कूल बस-वैन में ओवरलोडिंग पर कसा शिकंजा, डीएलएसए टीम की कार्रवाई

बच्चों की सुरक्षा से किसी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा

सांभरझील, (निसं) ।राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर जिला के सचिव पवन कुमार जीनवाल तथा मोबाइल मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ भारद्वाज ने आज शहर के विभिन्न विद्यालयों के रूट पर चल रही स्कूल बसों एवं वैन का विशेष निरीक्षण अभियान चलाया।

टीम ने सुबह विद्यालय समय पर अलग-अलग स्थानों पर वाहनों की जांच की, जिसमें कई स्कूल बसें और वैन ओवरलोडिंग, निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने, फिटनेस प्रमाण पत्र की कमी, फर्स्ट-एड बॉक्स न होने, तथा सुरक्षा मानकों का पालन न करने की स्थिति में पाई गईं। अधिकारियों ने मौके पर ही संबंधित चालकों के चालान बनाए और विद्यालय प्रबंधन को सख्त चेतावनी जारी करते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा से किसी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। निरीक्षण टीम ने यह भी निर्देश दिया कि सभी वाहन नियमित रूप से मेंटेनेंस कराएं, ड्राइवरों का वेरिफिकेशन सुनिश्चित हो तथा परिचालकों को सुरक्षा मानकों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाए। अभियान के दौरान अधिकारियों ने अभिभावकों और आमजन से भी अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अनियमितता दिखने पर तुरंत रिपोर्ट करें, ताकि सुरक्षित छात्र परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। टीम ने बताया कि ऐसे निरीक्षण समय-समय पर जारी रहेंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से निजी सहायक नीरज कुमार शर्मा कनिष्ठ सहायक प्रसून दीक्षित लोकेश अठावाल, रीडर, मोबाइल मजिस्ट्रेट सहायक उप निरीक्षक पुलिस सुरेश कुमार पुलिस कांस्टेबल बने सिंह आदि उपस्थित रहे।

पिता ने की बास्केटबॉल ग्राउंड की घोषणा

सांभरझील, (निसं)। धीरूभाई अंबानी विश्वविद्यालय,अहमदाबाद की छात्रा कोमल माथुर ने पीएमश्री दरबार उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को सस्टेनेबल डेवलपमेंट,पर्यावरण, समाज और सरकार विषय पर प्रोजेक्ट प्रस्तुत कर विस्तार से विद्यार्थियों को समझाया, साथ ही इस विषय की गंभीरता और भविष्य में आवश्यकता पर रोशनी डाली। बता दे की कोमल माथुर ने इसी वर्ष मणिपाल यूनिवर्सिटी से लॉ स्नातक में गोल्ड मेडल हासिल किया है । प्रोजेक्ट पेश करने के दौरान उनके पिता अखिलेश माथुर भी मौजूद रहे जिन्होंने स्कूल के प्रिंसिपल टीकमचंद मालाकार के अनुरोध पर बास्केटबॉल की खेल प्रतिभाओं की खातिर ग्राउंड की कमी को ध्यान में रखते हुए बास्केटबॉल ग्राउंड बनवाने की घोषणा की। करीब 5 लाख से अधिक की राशि से बनने वाले बास्केटबॉल ग्राउंड को शीघ्र तैयार करवाए जाने का भरोसा दिलाया। प्रिंसिपल टीकमचंद मालाकार की मौजूदगी में समस्त स्टाफ ने स्कॉलर व भामाशाह का साफा, दुपट्टा व मोमेंटो देकर अभिनंदन कर स्कूल प्रशासन की ओर से उनका साधुवाद प्रकट किया।

तीन दिवसीय पंच कुंडीय श्री राम मारुति यज्ञ व कथा का समापन

मंदिर परिसर में भव्य सजावट एवं रोशनी प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही

राजगढ़, (निसं)। कस्बे के बांदीकुई मार्ग स्थित धार्मिक आस्था के केंद्र शेखा की बगीची हनुमान मंदिर पर तीन दिवसीय पंच कुंडीय श्री राम मारुति यज्ञ एवं कथा का समापन मंगलवार को पूर्ण आहुति के साथ हुआ। इस अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालु महिला पुरुषों ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पूर्व विधि विधान के साथ हवन यज्ञ एवं वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन हुआ।

हनुमान मंदिर के महंत नवल दास महाराज की ओर से सभी साधु संतों को श्रद्धा एवं उल्लास पूर्ण माहौल में विदा किया। भारी संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुषों ने हनुमान जी महाराज के दर्शन कर धर्म लाभ कमाया। मंदिर के महंत नवल दास महाराज ने बताया कि श्री राम यज्ञ एवं सुंदरकांड के समापन पर सुबह से ही श्रद्धालु महिला पुरुषो का आना प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के समापन पर विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें गायक कलाकार वकील निराला एवं अन्य गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक रोचक भजन प्रस्तुत कर सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भव्य सजावट एवं रोशनी प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही। अवधूत दत्त आश्रम के महंत स्वामी अमन भारती महाराज ने रोचक एवं मनभावन संगीतमयी सुंदरकांड कथा प्रवचन कर श्रद्धालुओं को तालियां बजाने को मजबूर कर दिया। मंदिर के महंत नवल दास महाराज एवं अमन भारती महाराज सहित साधु संतों का श्रद्धालुओं ने स्वागत किया।का स्वागत किया। विशाल भंडारे में मालपुआ एवं खीर सहित अन्य व्यंजनों कासायं तक श्रद्धालुओं ने भरपूर लाभ उठाया।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, चाकसू, जिला-जयपुर (राज.)

क्रमांक/न.पा.चा./2025/6062 दिनांक :- 28.11.2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस नगर पालिका क्षेत्र में स्थित विभिन्न भूखण्डों की निम्नानुसार पत्रावली/ प्रार्थना पत्र मय साईट प्लान राजस्थान नगरीय क्षेत्र कृषि भूमि के अकृषि उपयोग के अनुज्ञा एवं आवंटन नियम 2012 एवं धारा 69ए के तहत् निस्तारण हेतु विचाराधीन है :-

क्र. सं.	नाम	पिता/पति का नाम	पता	एरिया	विषय
1.	अब्दुल समद	अब्दुल रजाक	भूखण्ड सं. 165,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	155.13 वर्गगज	नियमन
2.	सलमान खान	छोटू खान	दुकान नं. C-6, ,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	25.55 वर्गगज	नियमन
3.	अब्दुल समद	अब्दुल रजाक	भूखण्ड सं. 112,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	168.75 वर्गगज	नियमन
4.	अब्दुल समद	अब्दुल रजाक	भूखण्ड सं. 158,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	112.68 वर्गगज	नियमन
5.	कमलेश मीणा	रामलाल मीणा	भूखण्ड सं. 07,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	86.66 वर्गगज	नियमन
6.	कमलेश मीणा	रामलाल मीणा	भूखण्ड सं. 06,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	216.66 वर्गगज	नियमन
7.	कमलेश मीणा	रामलाल मीणा	भूखण्ड सं. 04,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	216.66 वर्गगज	नियमन
8.	नुमान खान	लतीफ खान	भूखण्ड सं. 80,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	76.25 वर्गगज	नियमन
9.	नुमान खान	लतीफ खान	भूखण्ड सं. 15,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	50.00 वर्गगज	नियमन
10.	नुमान खान	लतीफ खान	भूखण्ड सं. 13,14, आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	100.00 वर्गगज	नियमन
11.	सलमान खान	छोटू खान	भूखण्ड सं. 166,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	111.25 वर्गगज	नियमन
12.	शरीफ खान	छोटू खान	भूखण्ड सं. 222,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	150.00 वर्गगज	नियमन
13.	आरिफ खान	छोटू खान	भूखण्ड सं. 223,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	86.66 वर्गगज	नियमन
14.	सलमान खान	छोटू खान	दुकान नं. C-2, ,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	25.55 वर्गगज	नियमन
15.	सलमान खान	छोटू खान	दुकान नं. C-3, ,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	25.55 वर्गगज	नियमन
16.	सलमान खान	छोटू खान	दुकान नं. C-5, ,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	25.55 वर्गगज	नियमन
17.	सलमान खान	छोटू खान	दुकान नं. C-8, ,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	25.55 वर्गगज	नियमन
18.	अमिता कुमारी मिश्रा	सुमित कुमार मिश्रा	भूखण्ड सं. 272,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	200.00 वर्गगज	नियमन
19.	कार्तिक चौहान	विजय सिंह चौहान	भूखण्ड सं. 111,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	139.38 वर्गगज	नियमन
20.	माया वैध	विमल वैध	भूखण्ड सं. 171,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	111.25 वर्गगज	नियमन
21.	जानवी गुप्ता	विनोद कुमार गर्ग	भूखण्ड सं. 139,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	60.62 वर्गगज	नियमन
22.	कंचन	अशोक	भूखण्ड सं. 126,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	200.00 वर्गगज	नियमन
23.	कंचन	अशोक	भूखण्ड सं. 127,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	100.00 वर्गगज	नियमन
24.	लाड कंवर	विजय सिंह चौहान	भूखण्ड सं. 1,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	397.22 वर्गगज	नियमन
25.	सलमान खान	छोटू खान	दुकान नं. C-7, ,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	25.55 वर्गगज	नियमन
26.	दिनेश सिंह	जगदीश सिंह	भूखण्ड सं. 46,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	80.00 वर्गगज	नियमन
27.	शिवरा सिंह चौहान	महेन्द्र सिंह चौहान	भूखण्ड सं. A-51, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
28.	आरिफ खान	छोटू खान	भूखण्ड सं. C-76, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	54.16 वर्गगज	नियमन
29.	इरफान खान	मदारी खान	भूखण्ड सं. C-66, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	54.16 वर्गगज	नियमन
30.	अंकिता	विकास	भूखण्ड सं. A-104-A, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं. 2, फागी रोड, चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
31.	अंकिता	विकास	भूखण्ड सं. B-1, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	188.70 वर्गगज	नियमन
32.	अंकिता	विकास	भूखण्ड सं. B-32, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
33.	अंकिता	विकास	भूखण्ड सं. B-41, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	212.50 वर्गगज	नियमन
34.	अंकिता	विकास	भूखण्ड सं. B-26, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	150.17 वर्गगज	नियमन
35.	नरेन्द्र	दीप चन्द	भूखण्ड सं. C-120, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	100.09 वर्गगज	नियमन
36..	नरेन्द्र	दीप चन्द	भूखण्ड सं. C-117, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	195.78 वर्गगज	नियमन
37.	नरेन्द्र	दीप चन्द	भूखण्ड सं. C-124, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	84.62 वर्गगज	नियमन
38.	नरेन्द्र	दीप चन्द	भूखण्ड सं. C-112, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
39.	नरेन्द्र	दीप चन्द	भूखण्ड सं. C-118, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	137.54 वर्गगज	नियमन
40.	विकास	शीशराम	भूखण्ड सं. B-107, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	143.06 वर्गगज	नियमन
41.	विकास	शीशराम	दुकान नं. 97, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
42.	विकास	शीशराम	भूखण्ड सं. B-71, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	249.49 वर्गगज	नियमन
43.	विकास	शीशराम	दुकान नं. 59, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
44.	विकास	शीशराम	भूखण्ड सं. B-47, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
45.	विकास	शीशराम	भूखण्ड सं. B-42, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	188.87 वर्गगज	नियमन
46.	पूजा कुमारी	कपिल	भूखण्ड सं. C-101, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	147.24 वर्गगज	नियमन
47.	पूजा कुमारी	कपिल	भूखण्ड सं. C-100, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	220.68 वर्गगज	नियमन
48.	पूजा कुमारी	कपिल	भूखण्ड सं. C-92, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	177.84 वर्गगज	नियमन
49.	पूजा कुमारी	कपिल	भूखण्ड सं. C-90, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	164.90 वर्गगज	नियमन
50.	पूजा कुमारी	कपिल	भूखण्ड सं. C-110, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	148.12 वर्गगज	नियमन
51.	पूजा कुमारी	कपिल	भूखण्ड सं. C-111, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	155.28 वर्गगज	नियमन
52.	शिशराम	हरदवारी	भूखण्ड सं. A-35-A, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	86.79 वर्गगज	नियमन
53.	शिशराम	हरदवारी	भूखण्ड सं. A-42, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	76.99 वर्गगज	नियमन
54.	शिशराम	हरदवारी	भूखण्ड सं. A-47, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	181.36 वर्गगज	नियमन
55.	कपिल	शीश राम	भूखण्ड सं. C-82, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
56.	कपिल	शीश राम	भूखण्ड सं. C-81, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
57.	कपिल	शीश राम	भूखण्ड सं. C-80, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
58.	कपिल	शीश राम	भूखण्ड सं. C-79, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	175.59 वर्गगज	नियमन
59.	कपिल	शीश राम	भूखण्ड सं. C-78, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	90.84 वर्गगज	नियमन
60.	कपिल	शीश राम	भूखण्ड सं. C-52, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	99.01 वर्गगज	नियमन
61.	नरेन्द्र	दीप चन्द	भूखण्ड सं. C-119, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	226.47 वर्गगज	नियमन
62.	शिशराम	हरदवारी	भूखण्ड सं. A-45, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	121.02 वर्गगज	नियमन
63.	शिशराम	हरदवारी	भूखण्ड सं. A-46, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	82.98 वर्गगज	नियमन
64.	शिशराम	हरदवारी	भूखण्ड सं. A-72, आशियाना जंक्शन, वार्ड नं.2, फागी रोड, चाकसू	122.97 वर्गगज	नियमन
65.	रज्जाक खान	रामजू खान	भूखण्ड सं. 20, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
66.	रज्जाक खान	रामजू खान	भूखण्ड सं. 24 ,चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
67.	रज्जाक खान	रामजू खान	भूखण्ड सं. 29, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
68.	रज्जाक खान	रामजू खान	भूखण्ड सं. 25, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
69.	रज्जाक खान	रामजू खान	भूखण्ड सं. 26, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
70.	रज्जाक खान	रामजू खान	भूखण्ड सं. 28, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
71.	अफसाना	रज्जाक खान	दुकान नं. 13, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
72.	अफसाना	रज्जाक खान	दुकान नं. 12, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
73.	अफसाना	रज्जाक खान	भूखण्ड सं. 16, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
74.	अफसाना	रज्जाक खान	भूखण्ड सं. 19, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
75.	कल्लो बैगम	सलीम खान	दुकान नं. 9, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
76.	कल्लो बैगम	सलीम खान	दुकान नं. 8, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
77.	कल्लो बैगम	सलीम खान	भूखण्ड सं. 32, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	178.88 वर्गगज	नियमन
78.	कल्लो बैगम	सलीम खान	भूखण्ड सं. 17, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
79.	सलीम खान	फजरू खान	भूखण्ड सं. 31, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
80.	सलीम खान	फजरू खान	दुकान नं. 11, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
81.	सलीम खान	फजरू खान	भूखण्ड सं. 18, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
82.	सलीम खान	फजरू खान	दुकान नं. 6, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
83.	सलीम खान	फजरू खान	दुकान नं. 7, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
84.	सलीम खान	फजरू खान	दुकान नं. 10, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 1, फागी रोड, , चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
85.	रेहाना बैगम	सनवर खान	भूखण्ड सं. 9, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 2, फागी रोड, , चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
86.	रेहाना बैगम	सनवर खान	भूखण्ड सं. 8, चमन वाटिका-B ,वार्ड नं. 2, फागी रोड, , चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
87.	विमला देवी ग्रप्ता	श्याम लाल ग्रप्ता	भूखण्ड सं. 2,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	216.66 वर्गगज	नियमन
88.	चन्द कान्ता बंसल	शैलेश बंसल	भूखण्ड सं. 3,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	216.66 वर्गगज	नियमन
89.	गायत्री देवी	मुकेश कुमार गुप्ता	भूखण्ड सं. 213,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	150.00 वर्गगज	नियमन
90.	दीपक माथुर	सोहन लाल माथुर	भूखण्ड सं. 234,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	138.88 वर्गगज	नियमन
91.	दीपक माथुर	सोहन लाल माथुर	भूखण्ड सं. 235,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	138.88 वर्गगज	नियमन
92.	दीपक माथुर	सोहन लाल माथुर	भूखण्ड सं. 236,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	138.88 वर्गगज	नियमन
93.	दीपक माथुर	सोहन लाल माथुर	भूखण्ड सं. 237,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	138.88 वर्गगज	नियमन
94.	दीपक माथुर	सोहन लाल माथुर	भूखण्ड सं. 238,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	138.88 वर्गगज	नियमन
95.	दीपक माथुर	सोहन लाल माथुर	भूखण्ड सं. 239,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	175.00 वर्गगज	नियमन
96.	कनहिया लाल माथुर	सोहन लाल माथुर	भूखण्ड सं. 224,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	175.00 वर्गगज	नियमन
97.	कनहिया लाल माथुर	सोहन लाल माथुर	भूखण्ड सं. 225,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	138.88 वर्गगज	नियमन
98.	कनहिया लाल माथुर	सोहन लाल माथुर	भूखण्ड सं. 226,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	138.88 वर्गगज	नियमन
99.	कनहिया लाल माथुर	सोहन लाल माथुर	भूखण्ड सं. 227,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	138.88 वर्गगज	नियमन
100.	कनहिया लाल माथुर	सोहन लाल माथुर	भूखण्ड सं. 228,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	138.88 वर्गगज	नियमन
101.	कनहिया लाल माथुर	सोहन लाल माथुर	भूखण्ड सं. 229,आशियाना ग्रीन लैण्ड, वार्ड नं. 12, टोंक रोड, चाकसू, जयपुर	138.88 वर्गगज	नियमन
102.	गायत्री बैरवा	मुरारी लाल बैरवा	भू.सं. A-91 , A-92 , आशियाना एम्पायर सिटी वार्ड नं. 23, नया 33, चाकसू, जयपुर	200.00 वर्गगज	नियमन
103.	श्रीकान्त पंचोली	भगवान सहाय पंचोली	भू. सं. A-66 ,आशियाना टाउन , वार्ड नं. 21, नया 26, कस्बा चाकसू, जयपुर	100.00 वर्गगज	नियमन
104.	ललित शर्मा	मुकेश कुमार शर्मा	भू. सं. C-26 ,आशियाना टाउन , वार्ड नं. 26, चाकसू, जयपुर	100.00 वर्गगज	नियमन
105.	सीता देवी शर्मा	राजेन्द्र प्रसाद शर्मा	भू. सं. C-31 ,आशियाना टाउन , वार्ड नं. 26, चाकसू, जयपुर	100.00 वर्गगज	नियमन
106.	सलमान खान	छोटू खान	भू. सं. 75, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
107.	सलमान खान	छोटू खान	भू. सं. 76, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
108.	सलमान खान	छोटू खान	दुकान नं. 34, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
109.	सलमान खान	छोटू खान	दुकान नं. 36, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
110.	सलमान खान	छोटू खान	दुकान नं. 35, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
111.	सलमान खान	छोटू खान	दुकान नं. 37, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
112.	शरीफ खान	छोटू खान	भू.सं. 120, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
113.	शरीफ खान	छोटू खान	भू.सं. 94, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	150.00 वर्गगज	नियमन
114.	शरीफ खान	छोटू खान	भू.सं. 77, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
115.	शरीफ खान	छोटू खान	दुकान नं. 39, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
116.	शरीफ खान	छोटू खान	दुकान नं. 38, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
117.	आरिफ खान	छोटू खान	भू.सं. 86, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	150.00 वर्गगज	नियमन
118.	आरिफ खान	छोटू खान	दुकान नं. 65, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
119	आरिफ खान	छोटू खान	दुकान नं 64, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
120.	आरिफ खान	छोटू खान	दुकान नं. 63, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
121.	आरिफ खान	छोटू खान	दुकान नं. 62, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	33.33 वर्गगज	नियमन
122.	आरिफ खान	छोटू खान	दुकान नं. 61, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
123.	आरिफ खान	छोटू खान	दुकान नं. 60, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
124.	आरिफ खान	छोटू खान	दुकान नं. 59, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
125.	आरिफ खान	छोटू खान	दुकान नं. 58, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
126.	आरिफ खान	छोटू खान	दुकान नं. 57, अशोक वाटिका ,मीरापुरा, चाकसू	22.22 वर्गगज	नियमन
127.	सलमान खान	छोटू खान	भू.सं. 102, अशोक वाटिका, फागी रोड, चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
128.	सलमान खान	छोटू खान	भू.सं. 105, अशोक वाटिका, फागी रोड, चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
129.	अरसद अली	गफूर खान	भू.सं. E-107A ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, चाकसू, जयपुर	100.00 वर्गगज	नियमन
130.	अरसद अली	गफूर खान	भू.सं. F-28 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
131.	अरसद अली	गफूर खान	भू.सं. A-108 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	125.00 वर्गगज	नियमन
132.	अरसद अली	गफूर खान	भू.सं. D-105 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	194.44 वर्गगज	नियमन
133.	अकरम खान	अब्दुल रज्जाक	भू.सं. D-24 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	133.33 वर्गगज	नियमन
134.	अकरम खान	अब्दुल रज्जाक	भू.सं. A-170 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	150.00 वर्गगज	नियमन
135.	अकरम खान	अब्दुल रज्जाक	भू.सं. B-04,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
136.	अकरम खान	अब्दुल रज्जाक	भू.सं. A-71 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	125.00 वर्गगज	नियमन
137.	मोबिन	गफूर खान	भू.सं. D-139 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
138.	मोबिन	गफूर खान	भू.सं. A-90 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	250.00 वर्गगज	नियमन
139.	मोबिन	गफूर खान	भू.सं. C-18 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	93.09 वर्गगज	नियमन
140.	मोबिन	गफूर खान	भू.सं. F-02 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	66.66 वर्गगज	नियमन
141.	शबनम	मोहम्मद रफीक	भू.सं. C-51 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	120.13 वर्गगज	नियमन
142.	शबनम	मोहम्मद रफीक	भू.सं. B-136 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
143.	शबनम	मोहम्मद रफीक	भू.सं. F-157 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	50.00 वर्गगज	नियमन
144.	शबनम	मोहम्मद रफीक	भू.सं. D-163 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
145.	नरगिस	हासिम खान नागोरी	भू.सं. F-122 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
146.	नरगिस	हासिम खान नागोरी	भू.सं. C-126 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	128.33 वर्गगज	नियमन
147.	नरगिस	हासिम खान नागोरी	भू.सं. E-159 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	50.00 वर्गगज	नियमन
148.	नरगिस	हासिम खान नागोरी	भू.सं. F-176 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
149.	शोयब	गुलफान	भू.सं. A-218 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	125.00 वर्गगज	नियमन
150.	शोयब	गुलफान	भू.सं. A-80 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	125.00 वर्गगज	नियमन
151.	शोयब	गुलफान	भू.सं. D-43 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	133.33 वर्गगज	नियमन
152.	शोयब	गुलफान	भू.सं. E-32 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
153.	अतीफ खान	लतीफ खान	भू.सं. E-153 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	50.00 वर्गगज	नियमन
154.	अतीफ खान	लतीफ खान	भू.सं. B-146 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
155.	अतीफ खान	लतीफ खान	भू.सं. C-107 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
156.	अतीफ खान	लतीफ खान	भू.सं. D-173 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
157.	मोहम्मद रफीक खान	चॉद खान भाटी	भू.सं. D-147 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	150.00 वर्गगज	नियमन
158.	मोहम्मद रफीक खान	चॉद खान भाटी	भू.सं. E-150 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	125.00 वर्गगज	नियमन
159.	मोहम्मद रफीक खान	चॉद खान भाटी	भू.सं. A-165,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	88.88 वर्गगज	नियमन
160.	मोहम्मद रफीक खान	चॉद खान भाटी	भू.सं. B-37 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
161.	अली हसन खान	गफूर खान	भू.सं. B-02 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	100.00 वर्गगज	नियमन
162.	अली हसन खान	गफूर खान	भू.सं. D-09 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	133.33 वर्गगज	नियमन
163.	अली हसन खान	गफूर खान	भू.सं. A-69 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	125.00 वर्गगज	नियमन
164.	अली हसन खान	गफूर खान	भू.सं. A-189 ,आशियाना हैवन्स वार्ड नं. 2, फागी रोड चाकसू	125.00 वर्गगज	नियमन
165.	कल्लो बैगम	सलीम खान	भू.सं. 19, आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	100.00 वर्गगज	नियमन
166.	कल्लो बैगम	सलीम खान	भू.सं. D-22, आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	50.00 वर्गगज	नियमन
167	कल्लो बैगम	सलीम खान	भू.सं. C-24, आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	50.00 वर्गगज	नियमन
168.	कल्लो बैगम	सलीम खान	भू.सं. D-34 A, आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	50.06 वर्गगज	नियमन
169.	कल्लो बैगम	सलीम खान	भू.सं. C-11, आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	72.50 वर्गगज	नियमन
170.	रज्जाक खान	रामजू खान	भू.सं. D-75 A, आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	99.33 वर्गगज	नियमन
171.	रज्जाक खान	रामजू खान	भू.सं. 41 , आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	51.00 वर्गगज	नियमन
172.	अफसाना	रज्जाक खान	भू.सं. C-37, आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	42.76 वर्गगज	नियमन
173.	अफसाना	रज्जाक खान	भू.सं. 31, आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	100.00 वर्गगज	नियमन
174.	अफसाना	रज्जाक खान	भू.सं. 18, आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	100.00 वर्गगज	नियमन
175.	सलीम खान	फजरू खॉ	भू.सं. D-59 , आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	100.00 वर्गगज	नियमन
176.	सलीम खान	फजरू खॉ	भू.सं. C-34 , आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	110.79 वर्गगज	नियमन
177.	सलीम खान	फजरू खॉ	भू.सं. 27 , आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	100.00 वर्गगज	नियमन
178.	शबनम बैगम	आरिफ खान	भू.सं. 39 , आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	51.00 वर्गगज	नियमन
179.	शबनम बैगम	आरिफ खान	भू.सं. 40 , आशियाना सिटी, वार्ड नं. 1, फागी रोड, ,चाकसू,जयपुर	51.00 वर्गगज	नियमन
180.	रेहाना बैगम	सनवर खान	भू.सं. 43, आशियाना केपिटल सिटी, वार्ड नं. 23 नया वार्ड नं.33,निमोडिया रोड,चाकसू,जयपुर	62.22 वर्गगज	नियमन
181.	रेहाना बैगम	सनवर खान	भू.सं. 49, आशियाना केपिटल सिटी, वार्ड नं. 23 नया वार्ड नं.33,निमोडिया रोड,चाकसू,जयपुर	194.44 वर्गगज	नियमन

उक्त भूमि के नियमन के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई भी आपत्ति है तो वह आपत्ति को लिखित में इस सूचना प्रकाशन की तिथि से सात दिवस के अंदर-2 इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति अंगीकार नहीं की जावेगी एवं तदानुसार प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा।

उक्त सूचना आज दिनांक 28.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मुहर द्वारा प्रसारित किया गया।

राज.संवाद/सी/25/14872

अधिशाषी अधिकारी

लंबी अवधि के प्रारूप मुझे रास आते हैं, विकेटों के बीच दौड़ने पर कोहली से सलाह लेता हूं।
-तिलक वर्मा

भारतीय बल्लेबाज, अपनी फिटनेस की सलाह को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **रॉबिन स्मिथ**

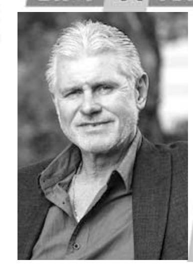

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन स्मिथ का 62 साल की उम्र में निधन हो गया है। स्मिथ के परिवार उनके निधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक दिसंबर को साउथ पर्थ में अपार्टमेंट में स्मिथ का अचानक निधन हो गया। स्मिथ ने 1988 और 1996 के बीच इंग्लैंड के लिए खेले 62 टेस्ट मैचों में 43.67 की औसत से 4,236 रन बनाए, जिसमें नौ शतक भी शामिल थीं, और वह उस टीम का हिस्सा थे जो 1992 विश्वकप फाइनल तक पहुंची थी। अपनी मौत से ठीक दो हफ़्ते पहले, स्मिथ ने पर्थ के लिलाक हिल में इंग्लैंड लायंस टीम के टूर मैच के दौरान एक दोपहर उनके साथ बिताई थी।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर के 463 वनडे, 664 ओवरऑल इंटरनेशनल मैच और 2,278 वर्ल्ड कप रन भी विराट कोहली के लिए कभी ना पा सकने वाली चुनौती हैं।

चोटिल ख्वाजा टेस्ट से हुये बाहर

गाबा, 2 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज पीठ की चोट के कारण गुरुवार को शुरु होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट से बाहर हो गये है। ख्वाजा

की जगह अभी किसी अन्य बल्लेबाज का चयन नहीं किया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि जॉश इंग्लिस और ब्यू वेबस्टर की ऑस्ट्रेलियाई एकादश में वापसी हो सकी है। ख्वाजा ने मंगलवार को थोड़ी देर अभ्यास किया और इस दौरान उन्हें तकलीफ हो रही थी। वह अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। यह देखना बाकी है कि उनकी जगह कौन ओपनिंग करेगा। मार्नस लाबुशेन ने पर्थ टेस्ट की पहली पारी में ओपनिंग की थी, जबकि ट्रैविस हेड ने दूसरी पारी की शुरुआत की थी। पर्थ में चौथी पारी में शानदार प्रदर्शन के बाद, हेड ने संकेत दिया है कि उन्हें ओपनिंग करने में खुशी होगी। इंग्लिस ने पिछले हफ्ते इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शानदार शतक लगाया था ऐसे में अगर उनका चयन होता है तो वह भी एक विकल्प हो सकते हैं। इंग्लिस को लाने से ऑस्ट्रेलिया को हेड को मिडिल-ऑर्डर में बनाए रखने में मदद मिलेगी। अगर वे इसके बजाय वेबस्टर के साथ जाते हैं, तो हेड के ऑर्डर में ऊपर जाने की संभावना है। वेबस्टर ने पिछले साल भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया था। इस बीच, इंग्लैंड ने अपनी एकादश में एक बदलाव किया है और चोटिल मार्क वुड की जगह स्पिन-गेंदबाज ऑलराउंडर विल जैक्स को टीम में शामिल किया है। जैक्स, जिन्होंने दूसरे टेस्ट से पहले अभ्यास सत्र के दौरान लेंथ में गेंदबाजी की थी, उन्हें फ्रंटलाइन स्पिनर शोएब बशीर से आगे रखा गया है।

इंग्लैंड एकादश: जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और जोफ्रा आर्चर।

महिला क्रिकेट टीम को जयपुर आने की फ्लाइट टिकट नहीं मिली

जयपुर, 2 दिसंबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में जारी सियासी घमासान लगातार बढ़ता जा रहा है। एडहॉक कमेटी की अंदरूनी लड़ाई का खामियाजा अब खिलाड़ियों को उठाना पड़ रहा है। इसकी वजह से राजस्थान अंडर - 23 टीम की महिला खिलाड़ी नागपुर में ही अटक गई है। उनके पास जयपुर आने के फ्लाइट की टिकट नहीं है। न ही वहां ठहरने की कोई व्यवस्था है। राजस्थान अंडर - 23 विमेंस टीम जो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए नागपुर गई थी। टीम सोमवार को हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। जिसे मंगलवार को जयपुर आना था। लेकिन राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के बिगड़े वित्तीय हालत के बाद राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पास विमेंस टीम के लिए फ्लाइट टिकट बुक कराने तक की व्यवस्था नहीं है। इसकी वजह से विमेंस टीम को अब नागपुर में ही परेशान होना पड़ रहा है।

डीएलआई ने की राजस्थान ट्रॉयल्स की घोषणा, जयपुर में होगा आयोजन

जयपुर, 2 दिसम्बर। भारत की सबसे बड़ी और सबसे तेज़ी से बढ़ती टेनिस बॉल क्रिकेट लीग ड्रीम लीग ऑफ इंडिया ने राजस्थान ट्रायल्स की घोषणा की है, जिसका आयोजन 4 और 5 दिसंबर को जयपुर में किया जाना सुनिश्चित किया गया है। जयपुर ट्रायल्स राधे क्रिकेट एकेडमी एंड ग्राउंड, नरसिंहपुरा, जयपुर में आयोजित होंगे, जहां सभी प्रतिभागियों के लिए रिपोर्टिंग समय सुबह 8:00 बजे निर्धारित किया गया है। दिल्ली, गुरुग्राम, ग्रेटर नोएडा, गज़ीर, मोहाली और लखनऊ में मिली जबरदस्त सफलता के बाद अब लीग राजस्थान की उभरती हुई प्रतिभाओं को खोजने जा रही है। डीएलआई जूनियर (13-18 वर्ष) और सीनियर (18 वर्ष व उससे अधिक) इन दो आयु वर्गों के क्रिकेटरों को आमंत्रित कर रहा है ताकि वे अपने कौशल का प्रदर्शन कर सकें और भारत के सबसे ऊर्जावान ग्रासरूट क्रिकेट प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनने का मौका पा सकें। पूर्व क्रिकेटर चैतन्य नंदा ने आगामी ट्रायल्स के बारे में कहा कि, "राजस्थान हमेशा से कच्ची क्रिकेट प्रतिभा का केंद्र रहा है और हम उस बात को लेकर बेहद उत्साहित हैं कि हमें यहां क्या मिलने वाला है?

खेलों इंडिया पहल से किशोरों को जीवन का उद्देश्य मिला : क्लार्क

जयपुर, 2 दिसंबर। भारतीय टेनिस सर्किट में एक जाना-पहचाना नाम बन चुके ऑस्ट्रेलियाई कोच टॉड क्लार्क ने खेलो इंडिया पहल सराहना करते हुए कहा कि इससे किशोरों को जीवन का उद्देश्य मिलता है। 2008 में भारत आने के बाद से क्लार्क ने यहां रहकर देश की संस्कृति को करीब से अपनाया है। वर्तमान में वे ओडिशा स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी में टेनिस निदेशक के रूप में काम कर रहे हैं और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में अपने खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। क्लार्क का कहना है कि खेलो इंडिया गेम्स ने देशभर में किशोरों को सही दिशा और उद्देश्य दिया है। क्लार्क साई मीडिया से कहा, उबाऊ किशोरावस्था से ज्यादा परेशान करने वाली कोई चीज नहीं होती। इन खेलों ने देशभर में युवाओं को खेल अपनाने, उसमें आगे बढ़ने और करियर बनाने का मौका दिया है। खेल चरित्र भी विकसित करते हैं। 30 से अधिक वर्षों से कोचिंग कर रहे क्लार्क ने भारत सरकार की फिट इंडिया के प्रति प्रतिबद्धता की भी सराहना करते हुए कहा, वर्तमान केंद्र सरकार फिट इंडिया के विचार को लेकर काफी गंभीर है। ये खेल युवाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाएंगे और खेल ढांचे को भी मजबूती मिलेगी। जयपुर में अब तक जो सुविधाएं देखी हैं, वे प्रभावशाली हैं।

रायपुर सीरीज में अजेय बढ़त के लिए उतरेगा भारत

रायपुर, 2 दिसंबर। पहले एकदिवसीय में जबरदस्त प्रदर्शन के बाद भारत बुधवार को शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले जाने वाले दूसरे मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में अजेय बढ़ाने उतरेगा। वहीं पिछले मैच में संघर्षपूर्ण प्रदर्शन करनी वाली दक्षिण अफ्रीका के तीन मैचों की सीरीज में बराबरी का अवसर होगा।

पहले मैच में विराट कोहली के 135 रन सिर्फ एक आंकड़े से कहीं अधिक थे। यह पारी को गति देने, हालात को समझने और साझेदारी संभालने का एक मास्टरक्लास था। रोहित शर्मा का लगातार योगदान और केएल राहुल की जरूरत पड़ने पर तेजी से रन बनाने की काबिलियत भारत की बल्लेबाजी लाइनअप की गहराई और अनुभव को दिखाती है। यशस्वी जायसवाल और रुतुराज गायकवाड़ जैसे युवा प्रतिभाशाली शीर्षक्रम और मध्यम क्रम में जोश भरते हैं। यह एक ऐसा फॉर्मूला है जिसे भारत दोहराना चाहेगा। वहीं गेंदबाजी की बात करे तो कुलदीप यादव और हर्षित राणा ने कंसिस्टेंसी और स्मार्ट वैरिएशन की अहमियत दिखाई। अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा शुरुआती मूवमेंट का फायदा उठाने के लिए जरूरी तेज गेंदबाजी आक्रमण देते हैं, जबकि लाइट्स में पिच धीमी होने पर स्पिनर्स भी मैच जिता सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका की बात करे तो उसने रांची के हाई-स्कोरिंग कंडीशंस में मजबूती दिखाई। क्विंटन डी कॉक शीर्षक्रम में खतरा बने हुए हैं, जिनमें पारी की रफ़्तार तय करने में काबिल हैं। मैथ्यू ब्रीट्जके, मार्को यानसन और कॉर्बिन बॉश ने दिखाया कि निचले क्रम में साझेदारी कर मैच का पासा पलट सकती हैं, जिससे दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट की गहराई और अप्रत्याशित पर दबाव पड़ता है।

नंद्रे बर्गर और ओटनील बार्टमैन की अगुवाई में गेंदबाजी आक्रमण विविधता और भेदने की क्षमता देता है, जिससे पता चलता है कि पहले मैच में पिछड़ने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका चुपचाप नहीं खेलेगा। पिच की अगर बात की जाये तो शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम की पिच तो यह तेज गेंदबाज शुरुआती मूवमेंट हासिल कर सकते हैं, बल्लेबाजों को अपनी पारी पर ध्यान से आगे बढ़ाना होगा, और जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा, स्पिनर्स खेल में आएंगे।

दूसरे एकदिवसीय मैच के लिए भारत की संभावित टीम: रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, रुतुराज गायकवाड़, वाशिंगटन सुंदर, केएल राहुल (कप्तान/विकेट कीपर), रवींद्र जडेजा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा।

दक्षिण अफ्रीका टीम: टेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेट कीपर), एडन मारक्रम, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, टोनी डी जॉर्जी, डेवाल्ड ब्रेविस, मार्को जेनसेन, कॉर्बिन बॉश, प्रेनेलन सुब्रायन, केशव महाराज, नंद्रे बर्गर और ओटनील बार्टमैन।

विंडीज के गेंदबाजों का कहर, न्यूजीलैंड 231/9

क्राइस्टचर्च (न्यूजीलैंड), 2 दिसंबर। केन विलियमसन (52) और माइकल ब्रेसवेल (47) की जुझारू पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट मैच के पहले दिन मंगलवार को दिन का खेल समाप्त होने के समय नौ विकेट पर 321 रन बना लिये है। वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे न्यूजीलैंड के बल्लेबाज दिन भर जूझते नजर आये।

आज यहां वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये केन विलियमसन ने कप्तान टॉम लेथम के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 93 रनों की साझेदारी हुई। 30वें ओवर में जस्टिन ग्रीव्स ने टॉम लेथम 85 गेंदों में 24 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा।

इसके बाद न्यूजीलैंड ने महज 25 रन जोड़कर अपने दो और विकेट गंवा दिये। रचिन रविंद्र (तीन) और विल यंग 14 रन बनाकर आउट हुये। 49वें ओवर में जेडेन सील्स ने टॉम ब्लंडल 29 को आउटकर न्यूजीलैंड को छठा झटका दिया।

भारत ने नामीबिया को 13-0 से हराया

सैंटियागो (चिली, 2 दिसंबर। भारतीय टीम ने पूल सी के अपने पहले मैच में नामीबिया को 13-0 से रौंद कर महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड एस्टाडियो नैशनल में खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम के लिए कनिका सिवाच ने (12वें, 30वें, 45वें) मिनट और हिना बानो (35वें, 35वें, 45वें) मिनट में शानदार हैट्रिक लगाकर स्कोरिंग में सबसे आगे रहीं।

बांग्लादेश ने आयरलैंड को 8 विकेट से हराया और सीरीज भी जीती

चटगांव (बंगलादेश), 2 दिसंबर। मुस्तफिजुर रहमान और रिशाद हुसैन (तीन-तीन विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद तंजिद हसन (नाबाद 55) और परवेज हुसैन इमॉन (नाबाद 33) की शानदार पारियों के दम पर बंगलादेश ने मंगलवार को आयरलैंड को तीसरे टी-20 मुकाबले में 38 गेंदें शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ बंगलादेश ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। तंजिद हसन को प्लेयर ऑफ द मैच और महेदी हसन को प्लेयर ऑफ द सीरीज के पुरस्कार से नवाजा गया। 118 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश ने 13.4 ओवर में दो विकेट पर 119 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। तंजिद हसन और सैफ हसन सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़े।

आईपीएल 2026 की नीलामी में शामिल नहीं होंगे मैक्सवेल और मोईन

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और इंग्लैंड के बल्लेबाज मोईन अली इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की नीलामी में भाग नहीं लेंगे। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैक्सवेल ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए जानकारी साझा की है कि वह आईपीएल 2026 की नीलामी में हिस्सा नहीं लेंगे। हालांकि उन्होंने नीलामी से बाहर होने का कारण नहीं बताया है।

मैक्सवेल ने कहा, आईपीएल में कई अविस्मरणीय सीजन के बाद इस साल नीलामी में मैंने अपना नाम नहीं डालने का फैसला किया है। यह मेरे लिए एक बड़ा निर्णय है और इस लीग ने मुझे जो कुछ भी दिया, उसके लिए मैं बहुत आभार के साथ यह फैसला ले रहा हूं।

उन्होंने कहा, आईपीएल ने मुझे एक क्रिकेटर और इंसान के रूप में गढ़ने में मेरी मदद की है। मैं बेहद सौभाग्यशाली रहा हूं कि मुझे विश्वस्तरीय खिलाड़ियों के साथ खेलने और बड़ी फ्रैंचाइजियों का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। इसके साथ ही उन प्रशंसकों के सामने प्रदर्शन करने का मौका मिला है जिनका जुनून अद्वितीय है। भारत की चुनौती, यादें और ऊर्जा हमेशा मेरे साथ रहेंगी। इन वर्षों में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। उम्मीद है जल्द आपसे मुलाकात होगी।

मैक्सवेल के अलावा मोईन अली भी आईपीएल 2026 की नीलामी में शामिल नहीं होंगे, फॉफ डुप्लेसी की तरह ही उन्होंने भी आईपीएल की जगह पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने का फैसला किया है।

आर्यमन व आदित्य के शतकों से संस्कार की आसान जीत

जयपुर, 2 दिसम्बर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड हाथोज में चतुर्थ डॉ. ए.पी जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये पूल-सी के मुकाबले में आर्यन कटारिया 122 रन नाबाद तथा आदित्य झाला 100 रन नाबाद के शतकों की बदौलत संस्कार क्रिकेट एकेडमी ने एस.जे. स्कूल क्रिकेट एकेडमी को 90 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर संस्कार क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये आर्यन कटारिया 122 रन नाबाद (61 गेंद, 12 चौके, 7 छक्के) तथा आदित्य झाला 100 रन नाबाद (59 गेंद, 12 चौके, 3 छक्के) की शानदार बल्लेबाजी तथा पहले विकेट पर 233 रन की अविभाजित साझेदारी की बदौलत निर्धारित 20 ओवर में बिना कोई विकेट गवाये 233 रन बनाये। जवाबी पारी में एस जे. स्कूल क्रिकेट एकेडमी ने दिनेश मीणा 88 रन (57 गेंद, 10 चौके, 4 छक्के), शुभम खण्डेलवाल 13 रन, उमेश मीणा 11 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 143 रन बनाये। गेंदबाजी में संस्कार क्रिकेट एकेडमी की ओर से अभिषेक यादव 16 रन पर 3 विकेट, रितिन चौधरी 23 रन पर 2 विकेट, आदित्य झाला व योगेश सैनी प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच आर्यमन कटारिया संस्कार क्रिकेट एकेडमी रहे।

मनोज एस ने 63 का स्कोर बनाकर बढ़त हासिल की

जयपुर, 2 दिसंबर। सत्रह साल के नए खिलाड़ी मनोज एस ने जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब में खेले जा रहे 1 करोड़ रुपये के इवेंट विक्टोरियस चॉइस प्रेजेंट्स जयपुर ओपन 2025 पावर्ड बाय शुभाशीष होम्स में पहले राउंड में सात-अंडर 63 का स्कोर बनाकर बढ़त हासिल की। बेंगलुरु के मनोज एस, जो पीजीटीआई में अपने पिछले आठ स्टार्ट्स में छह टॉप-10 में रह चुके हैं, ने मंगलवार को भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और एक बोगी के मुकाबले आठ बर्डी लगाईं। शौर्य भट्टाचार्य, दिव्यांशु बजाज, कुशल सिंह और अर्जुन प्रसाद ने छह-अंडर 64 का स्कोर बनाकर लीडर के ठीक पीछे दूसरे स्थान पर रहे। पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट लीडर युवराज संधू ने अपने हफ्ते की शुरुआत 65 के स्कोर के साथ की, जिसमें लगातार पांच बर्डी की गोल्डन रन शामिल थी।

बाराकास सेंट्रल को 2-0 से हराकर जिम्नासिया क्लॉसुरा सेमीफाइनल में

ब्यूनस आयर्स, 2 दिसंबर। मैनुअल पानारो और फ्रैंको टोरेस ने दोनों हाफ में किए गये गोलों की बदौलत जिम्नासिया ने बाराकास सेंट्रल को 2-0 से हराकर अर्जेंटीना के प्राइमेरा डिवीजन क्लॉसुरा टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

रोहित और विराट के ड्रेसिंग रूम और मैदान में होने से माहौल खुशनुमा बना रहता है : राणा

रायपुर, 2 दिसंबर। तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम और मैदान में साथ रहने से माहौल खुशनुमा बना रहता है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने वाले राणा ने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय से पहले कहा, "यह मेरे लिए और पूरी टीम के लिए भी बहुत बड़ी बात है। अगर ऐसे अनुभवी खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम और मैदान पर आपके साथ हों, तो माहौल बहुत अच्छा रहता है। इस समय, मैदान के बाहर - यहां तक कि ड्रेसिंग रूम में भी - पूरी टीम के लिए खुशी का माहौल होता है। हर कोई बेहतर बनना चाहता है। उनके मन में, वे हमेशा चाहते हैं कि युवा बेहतर बनें। जैसे, जब मैं गेंदबाजी कर रहा होता हूं, तो वे हमेशा मुझे बताते हैं कि बेहतर गेंदबाजी कैसे करनी है। जब किसी खिलाड़ी को इतना अच्छा टीम माहौल मिलता है, तो चीजे अपने आप अच्छी हो जाती हैं।"

उन्होंने कहा, "वे हमेशा मोटिवेटेड रहते हैं - चाहे अच्छा समय हो या बुरा। वे आपका साथ देते हैं और आपको बताते हैं कि आपको आगे क्या कदम उठाने चाहिए। एक युवा खिलाड़ी के तौर पर, इससे आपको सच में मदद मिलती है, क्योंकि जब आप मैदान पर होते हैं - दबाव वाली स्थिति में - तो वे आपकी बहुत मदद करते हैं।"

उन्होंने कहा, "नई गेंद से, मैंने गेंदबाजी कोच मॉर्कल के साथ बहुत अभ्यास किया है, और अर्शदीप सिंह से भी बहुत बात की है। उनके पास बहुत अनुभव है, और वह अभ्यास में यह बताकर मेरी मदद करते हैं कि मुझे बेहतर गेंदबाजीकैसे करनी चाहिए।" राणा ने कहा, "आप जानते हैं कि आज के क्रिकेट में गेंदबाजों को उतनी मदद नहीं मिलती। यह नियम हमारे लिए बहुत मददगार रहा है, क्योंकि वह एक पुरानी गेंद, हम हमेशा अपने दिमाग में रखते हैं। 34वें ओवर के बाद जो भी गेंद पुरानी होती है।

लांस वाटसन-पद्मनाभ सिंह की बदौलत जयपुर ने चूंडा टीम को हराया

जयपुर, 2 दिसम्बर। पीपीसी पोलो ग्राउंड परजयपुर पोलो ओर चूंडा पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमेंजयपुर पोलो टीम ने चूंडा टीम को 6 के मुकाबले 8 गोल से हराया। जयपुर टीम की ओर से अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए लांस वाटसन ने 3 गोल ओर महाराज पद्मनाभ सिंह ने भी अपनी टीम के लिए 4 गोल किये।डीनो धनखड़ ने अपनी टीम के लिए 1 गोल किया। चूंडा टीम की ओर से फ्रेडेनिक डेनियल ने अकेले ही अपनी टीम के लिए 6 गोल किये पर टीम को विजय करने में विफल रहे।

सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान ने उत्तराखंड को हराया

राजस्थान की जीत में दीपक, अशोक, मानव चमके

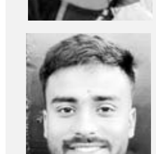

जयपुर, 2 दिसम्बर। अहमदाबाद में खेली जा रही सैयद मुशताकअली टी20 ट्रॉफी के आज खेले राजस्थान - उत्तराखण्डमैच में राजस्थान 73 रनो के विशाल अंर्तसे जीता, राजस्थान की जीत में दीपक हुड्डा, अशोक शर्मा, मानव सुथार चमके। राजस्थान पारी 193/8, टीम के लिएदीपक हुड्डा नाबाद 90 रन (50 गेंद, 10 चोक्के, 3 छक्के), महिपाल लोमरोर 26, भरत शर्मा 24, कार्तिक शर्मा 18 रन।उत्तराखंड के गेंदबाज राजन 37/4, तिवारी 33/2 विकेट। उत्तराखंड पारी 120 आल आउट। टीम के लिए शाश्वत 25 व राजन 24 रन।राजस्थान के गेंदबाज अशोक शर्मा, मानव सुथार, कमलेश नागरकोटी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई। अशोक शर्मा ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट प्राप्त किये। अशोक शर्मा 16/4, मानव सुथार 21/3, कमलेश नागरकोठी 32/2 व राहुल चाहर 29/1 विकेट प्राप्त किये।

बीसीसीआई अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी में जतिन का नाबाद शतक

जयपुर, 2 दिसम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जा रहे राजस्थान - विधर्भ अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच के दूसरे दिन राजस्थान ने विधर्भ के विरुध्दपहली पारी में विशाल बढ़त प्राप्त की, राजस्थान के बल्लेबाज जतिन का नाबाद शतक व आदित्य सैनी, कुशाग्र ओझा, रजत बघेल, रक्षित लुनावत, नावेद खान की शानदार बल्लेबाजी।विधर्भ पहली पारी 186 आल आउट। राजस्थान के गेंदबाज जतिन 16/3, नावेद खान 15/2, प्रखर शर्मा 46/2, हनी प्रताप सिंह, अभिषेक 1-1 विकेट। राजस्थान पहली पारी 381/9,आज दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने जतिन सैनी की नाबाद शतकीय पारी व आदित्य सैनी, कुशाग्र ओझा के अर्धशतकों की सहायता से 9 विकेट के नुकसान पर 381 रन बनाते हुए पहली पारी में विशाल बढ़त प्राप्त कर टीम को मजबूत स्तिथि में पहुँचाया। टीम के लिए जतिन नाबाद 114, आदित्य सैनी 57, कुशाग्र ओझा 53, रजत बघेल 41, रक्षित लुनावत 38, नावेद खान 32 व प्रखर शर्मा 11 रन। विधर्भ के गेंदबाज सार्थक 69/3, इकनूर 84/2 विकेट।

केआईयूजी 2025 : सुरभि राव ने महिलाओं की 10 मीटर पिस्टल में गोल्ड जीता

राहुल (पुरुषों की 20 किमी. रेस वॉक) और दीपिका (महिलाओं की जेवलिन थ्रो) ने स्वर्ण जीता

जयपुर, 2 दिसंबर. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के राहुल (पुरुषों की 20किमी रेस वॉक) और दीपिका (महिलाओं की जेवलिन थ्रो), स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के रुचिर मोरी (पुरुषों की 400मी बाधा दौड़), लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की पूजा (महिलाओं का हाई जंप) ने मंगलवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में जारी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में एथलेटिक्स मुकाबलों के दूसरे दिन केआईयूजी मीट रिकॉर्ड तोड़े।

केआईयूजी 2025 का पांचवां संस्करण राजस्थान के सात शहरों में हो रहा है। 222 यूनिवर्सिटी के 4448 एथलीट 23 मेडल वाले खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। ये गेम्स स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के अंडर राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल के साथ मिलकर हो रहे हैं और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी इसे होस्ट कर रही है।

सुबह के सेशन में, राहुल ने 20 किमी रेस वॉक में शुरू से आखिर तक लीड किया और घड़ी को 1:25:43.00 पर रोक

दिया, जिससे पंजाबी यूनिवर्सिटी के अक्षदीप सिंह के 2022 में बनाए गए 1:26:44.00 के पिछले रिकॉर्ड में सुधार हुआ। जननायक चंद्रशेखर यूनिवर्सिटी के सूरज यादव ने 1:30.06.50 के समय के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि बाकी दो प्रतिभागी अयोग्य घोषित हो गए।

बाद में, स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के रुचिर मोरी ने रानी चन्नम्मा यूनिवर्सिटी के अमरनाथ डी के 51.76 सेकेंड के पहले के केआईयूजी मार्क में सुधार किया और घड़ी को 51.00 सेकेंड

पर रोक दिया, क्योंकि वह इस इवेंट में अकेले रनर थे, इसलिए रिकॉर्ड बना रहेगा लेकिन उन्हें गोल्ड मेडल नहीं दिया जाएगा।

इसके बाद ज्योति ने 1.77 मीटर की ऊंचाई पार करके हाई जंप में गोल्ड जीता, जिससे ठोसेना मर्ली के पिछले केआईयूजी रिकॉर्ड में एक मीटर का सुधार हुआ। गुरु काशी यूनिवर्सिटी की ख्याति माथुर (1.71 मीटर) ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि अन्ना यूनिवर्सिटी की गिजी जॉर्ज स्टीफन (1.68 मीटर) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

इसके बाद दीपिका रिकॉर्ड तोड़ने वालों की लिस्ट में शामिल हो गईं। उन्होंने 55.53 मीटर की दूरी तक जेवलिन फेंककर गोल्ड मेडल जीता। इससे पहले का रिकॉर्ड चौधरी देवी लाल यूनिवर्सिटी की ज्योति के नाम था, जिन्होंने 53.16 मीटर की दूरी तय की थी। पिछले संस्करण के केआईयूजी चैंपियन चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने मंगलवार को कैनो और कयाकिंग में सात गोल्ड मेडल सहित 11 गोल्ड मेडल जीते, जिससे उनके गोल्ड मेडल की संख्या 22 हो गई। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने भी एथलेटिक्स में दो गोल्ड मेडल जीतकर 23 गोल्ड मेडल के साथ अपना तीसरा स्थान और पक्का कर लिया। जगतपुरा शूटिंग रेंज में, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की सुरभि राव ने महिलाओं की 10 मीटर पिस्टल इवेंट में कुल 238.9 के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता। मानव रचा यूनिवर्सिटी की वाणी कौशल ने 237.6 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की लक्षिता ने 216.8 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

सुरभि ने साई मीडिया को बताया, मुझे खुशी है कि मैंने आज गोल्ड जीता क्योंकि यह यूनिवर्सिटी गेम्स में मेरा आखिरी मौका था। मुझे खुशी है कि मैंने गोल्डन नोट पर खत्म किया।पुरुषों का हॉकी फ़ाइनल गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के बीच खेला जाएगा, जिन्होंने सेमीफ़ाइनल में एक जैसी जीत दर्ज की थी। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय ने बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी को 2-0 से हराया, जबकि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी को 2-0 से हराया।

प्रधानमंत्री से भजनलाल व मदन राठौड़ की मुलाकात के बाद मंत्रिमंडल की चर्चा तेज हुई

कहते हैं कि मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को प्रस्तावित फेरबदल की विस्तृत जानकारी दी

जयपुर, 2 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंगलवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात को राजस्थान के राजनीतिक हलकों में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चर्चा है कि मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल में प्रस्तावित फेरबदल के बारे में प्रधानमंत्री को विस्तृत जानकारी दी है और हरी झंडी मिलने के बाद राज्य में जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार या बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है। मुख्यमंत्री व प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह व भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की, जिससे राजनीतिक अटकलें और तेज हुई हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी को 10 दिसंबर को जयपुर में होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस समारोह में आमंत्रित किया है। पिछले साल राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान, हर साल प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। इस बार इसका पहला आयोजन जेईसीसी, जयपुर में होगा, जिसका उद्देश्य दुनियाभर में बसे प्रवासी राजस्थानियों को जोड़ना और उनके योगदान का सम्मान करना है। राइजिंग राजस्थान समिट का उद्घाटन भी पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी ने ही किया था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व विभिन्न केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात की।

राज्य में भजनलाल सरकार के दो वर्ष पूरे होने को हैं, लेकिन अब तक मंत्रिमंडल विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियां लंबित हैं। छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल विस्तार पहले ही पूरा हो चुका है, जबकि राजस्थान और मध्यप्रदेश में चर्चा जारी है। गुजरात में हाल ही में पूरे मंत्रिमंडल में हुए बड़े बदलाव के बाद राजस्थान में भी इसी तरह के राजनीतिक बदलाव की संभावना पर सियासी गलियारों में चर्चा जोरों पर है। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की नई टीम घोषित होने के बाद राजनीतिक नियुक्तियों के जरिए बाकी नेताओं व पदाधिकारियों को समायोजित किए

- प्रधानमंत्री के बाद, मुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष की केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह व भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से मुलाकात के कारण राजनीतिक अटकलें और तेज हो गईं।
- इसी क्रम में मुख्यमंत्री द्वारा बुधवार को 3 बजे मंत्रिमंडल व 4 बजे मंत्रिपरिषद की बैठक बुलाने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जाने की तैयारी भी चल रही है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक बुलाई है। सचिवालय में दोपहर 3 बजे मंत्रिमंडल और 4 बजे मंत्रिपरिषद की बैठक होगी। माना जा रहा है कि इन बैठकों में कई अहम फैसले किए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री का पांच दिनों में दिल्ली का यह दूसरा दौरा था।

'संचार साथी ऐप अनिवार्य नहीं है, आप इसे डिलीट भी कर सकते हैं'

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य ने इस एप को लेकर चल रही आशंकाएं दूर करने की कोशिश की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को संचार साथी ऐप से जुड़ी चिंता को दूर करने का प्रयास किया और कहा कि "संचार साथी" ऐप अनिवार्य नहीं है और उपयोगकर्ता इस पर रजिस्टर न करने या, यहाँ तक कि, इसे डिलीट करने का विकल्प भी चुन सकते हैं, लेकिन विपक्षी नेताओं की गोपनीयता उल्लंघन की आशंकाएं बनी हुई हैं।

28 नवंबर को, दूरसंचार विभाग ने मोबाइल हैंडसेट के निर्माताओं और आयातकों को निर्देश जारी किए थे कि वे भारत में उपयोग के लिए निर्धारित मोबाइल फोन पर इस ऐप को प्री इंस्टॉल करें, और पहले से निर्मित और बेचे गए उपकरणों पर सॉफ्टवेयर अपडेट के माध्यम से 90 दिनों के भीतर "संचार साथी" ऐप को पुश करें। सिंधिया ने कहा कि इस ऐप का विकास धोखाधड़ी कनेक्शनों की पहचान, चोरी हुए फोन का पता लगाने और सुरक्षा लागू के लिए बनाया गया है। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि यह ऐप जासूसी या कॉल की निगरानी करने में सक्षम नहीं है।

विपक्षी नेता इससे सहमत नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, "सरकार का यह एकतरफा कदम, बिना किसी को विश्वास में लिए ऐप को प्रीलोड करना, तानाशाही जैसा है। उनके तर्क सरकार के निजी स्वतंत्रता को कुचलने के पूर्व प्रयासों से संबंधित धारणाओं पर आधारित है। उन्होंने कहा, "सरकार ने डिजिटल गोपनीयता को

- जब से सरकार ने "संचार साथी ऐप" प्री इंस्टाल करने और सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए इसे पुश करने के लिए मोबाइल कंपनियों को अल्टीमेटम दिया है, तब से आशंकाओं का बाज़ार गर्म है और विपक्ष सरकार पर लोगों के मोबाइल फोन में "स्नूपिंग" का आरोप लगा रहा है।
- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कई पुराने मामले उठाकर संचार साथी ऐप के स्नूपिंग ऐप होने की आशंका जताई। प्रियंका गांधी ने भी इसे जासूसी की कोशिश करार दिया।
- हालांकि, सरकार का कहना है कि यह ऐप धोखाधड़ी वाले फोन कॉल्स, खोए फोन का पता लगाने व फोन की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। पर, फिलहाल सरकार की दलील पर भारी संदेह है।

कुचलने के लिए कदम उठाए, जिससे रोज़ाना की ऑनलाइन गतिविधियाँ 24X7 निगरानी क्षेत्र में बदल गईं। सरकार ने डीपीडीपी एक्ट में संशोधन के माध्यम से आरटीआई ढाँचे का गला घोंटा और पैगसस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों और दूसरों पर जासूसी करने के लिए किया।"

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने संचार साथी को एक "स्नूपिंग ऐप" कहा, और कहा कि वर्तमान शासन देश को हर रूप में तानाशाही में बदलने की कोशिश कर रहा है। शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इस घटनाक्रम को एक और "बिग बॉस निगरानी क्षण" करार दिया।

यह आशंकाएं पूरी तरह से निराधार नहीं हैं। "संचार साथी" की आधिकारिक नीति के अनुसार, कोई भी व्यक्तिगत डेटा उपयोगकर्ताओं को सूचित किए बिना एकत्र नहीं किया जाएगा, और यदि जानकारी एकत्र की जाती है, तो इसे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अलावा किसी अन्य एजेंसी या व्यक्ति के साथ साझा नहीं किया जाएगा। इसी समय, पॉलिसी पेज यह भी स्पष्ट करता है कि इस ऐप को कार्य करने के लिए भारी ड्यूटी एक्सेस की आवश्यकता होती है। इसमें कॉल करने और प्रबंधित करने, एसएमएस भेजने, कॉल और एसएमएस लॉग, कैमरा, फ़ंक्शन और फोटो और फाइलों तक पहुँच जैसी अनुमतियाँ शामिल हैं।

एक अन्य कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रहे हैं, जो यह दावा करते हैं कि मेवाड़ क्षेत्र पर उनका प्रभाव है।

मेवाड़ में 7 ज़िले हैं- उदयपुर, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, राजसमंद, सलूंबर और प्रतापगढ़।

इन 7 ज़िलों में स्थिति इस प्रकार है:

तीन ज़िला अध्यक्ष आदिवासी समुदाय से हैं (उदयपुर ग्रामीण, डूंगरपुर और बांसवाड़ा)।

दो ज़िला अध्यक्ष राजपूत समुदाय से हैं (उदयपुर शहर और चित्तौड़गढ़)।

एक ज़िला अध्यक्ष ब्राह्मण समुदाय से है (सलूंबर- परमानंद मेहता)।

प्रतापगढ़ ज़िले में अध्यक्ष की नियुक्ति लंबित है, क्योंकि दो राजपूत उम्मीदवार- दिग्विजय सिंह और भानु प्रताप सिंह दावेदार हैं।

- मेवाड़ में नियुक्तियों पर प्रभारी रंधावा वो ही कर रहे हैं, जो डॉ. सी.पी. जोशी व अन्य एक दो वरिष्ठ नेता चाहते हैं।
- अब झारखंड राज्य भी कांग्रेस के हाथ से निकल गया और राजस्थान में भी ट्राइबल्स व ओबीसी कांग्रेस के खिलाफ रहे थे, यह स्थिति ढाई साल बाद राजस्थान में होने वाले चुनाव में कांग्रेस को झटका दे सकती है।

सात में से तीन-चार डीसीसी अध्यक्षों का राजपूत समुदाय से होना, कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अच्छा संदेश नहीं देता। वैसे भी, अधिकांश राजपूत वोटर भाजपा के समर्थक माने जाते हैं।

उदयपुर संभाग में अधिकांश वोटर अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय से हैं, और दूसरी सबसे बड़ी संख्या ओबीसी मतदाताओं की है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि पूरे मेवाड़ में एक भी ओबीसी ज़िला अध्यक्ष नहीं है। यहाँ तक कि राजसमंद ज़िला, जहाँ अभी नियुक्तियाँ लंबित हैं, वहाँ भी जो नाम सूचीबद्ध किया गया है, वह राजपूत समुदाय से है और सीपी जोशी का करीबी है।

रंधावा लंबे समय से राजस्थान के प्रभारी हैं। लेकिन चूंकि वह डोटासरा, जोशी और गहलोत के गुट का हिस्सा हैं, इसलिए वे उन्हीं की लाइन पर काम कर रहे हैं। इस प्रक्रिया में, वह न केवल कांग्रेस को नुकसान पहुँचा रहे हैं बल्कि राहुल गांधी के एजेंडा को भी कमज़ोर कर रहे हैं।

राजसमंद ज़िले में ओबीसी समुदाय को अध्यक्ष पद देना ज़्यादा उचित होगा।

लोकसभा में 9 और 10 दिसम्बर को एसआईआर पर चर्चा होगी

लोकसभा अध्यक्ष के साथ बैठक में विपक्ष और सरकार में सदन चलाने की सहमति बनी

नयी दिल्ली, 02 दिसंबर। विपक्ष और सरकार के बीच संसद में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा को लेकर बना गतिरोध आज समाप्त हो गया। दोनों पक्षों में लोकसभा में आगामी मंगलवार और बुधवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा कराने को लेकर सहमति बन गयी है।

इस सहमति के बाद उम्मीद है कि बुधवार को सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलेगी। सोमवार से शुरु हुए शीतकालीन सत्र के पहले दो दिन विपक्षी सदस्यों ने एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर दोनों सदनों में भारी हंगामा किया, जिसके कारण कामकाज बाधित हुआ।

गतिरोध को देखते हुए, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज दिन में विपक्षी दलों के सदन के नेताओं की बैठक बुलाई थी, जिसमें यह सहमति बनी। बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि सोमवार

- इस सहमति के बाद यह उम्मीद की जा रही है कि बुधवार से लोकसभा सुचारु रुप से चलेगी।

को दोपहर 12 बजे से लोकसभा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ तथा मंगलवार को दोपहर 12 बजे से चुनाव सुधारों पर चर्चा की जाएगी।

इससे पूर्व, आज दूसरे दिन दोनों सदनों में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच भी रिजिजू ने कहा था कि सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा कराने को तैयार है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को, चर्चा कब कराई जाएगी इसको लेकर कड़ा रुख नहीं अपनाना चाहिए। सभी मुद्दे महत्वपूर्ण हैं और सरकार किसी भी मुद्दे पर नियमों के अनुरूप चर्चा कराने को तैयार है, लेकिन विपक्ष चर्चा तुरंत कराने की अपनी बात अड़ा हुआ था।

पायलट को बचाने के स्वदेशी एस्केप सिस्टम का ट्रायल सफल

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। सैन्य क्षेत्र में भारत ने आत्मनिर्भरता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लड़ाकू विमान की एस्केप प्रणाली का एक सफल उच्च-गति रॉकेट-स्लेड परीक्षण किया है, जिसकी जानकारी रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को दी। स्वदेशी लड़ाकू विमान की सुरक्षा तकनीक के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। रक्षा मंत्रालय की ओर से एक्स पर इस परीक्षण का एक वीडियो साझा किया गया है, जिसमें बताया गया है कि यह टेस्ट चंडीगढ़ में टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज सुविधा में 800 किमी/घंटे कंट्रोल्ड स्पीड पर किया गया था। इस सफल परीक्षण के बाद भारत दुनिया के उन चंद देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास पायलट इजेक्ट सिस्टम की यह जटिल प्राणाली है।

जासूसी के केस में ब्रह्मोस के वैज्ञानिक निशांत प्रदीप अग्रवाल को बड़ी राहत

मुंबई, 2 दिसंबर। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने मंगलवार को जासूसी मामले में ब्रह्मोस एयरोस्पेस के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक निशांत प्रदीप कुमार अग्रवाल को सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा रद्द कर दी। हालांकि, अदालत ने लापरवाही के लिए उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखा। निशांत पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ गोपनीय मिसाइल संबंधी जानकारी साझा करने का आरोप था।

पिछले वर्ष जून में यहां की एक सत्र अदालत ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व इंजीनियर निशांत प्रदीपकुमार अग्रवाल को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। अग्रवाल को 2018 में गिरफ्तार किया गया था।

उनकी दोषसिद्धि को आंशिक रूप

- बॉम्बे हाईकोर्ट ने उनकी आजीवन कारावास की सजा रद्द कर दी पर लापरवाही मामले में उन्हें दोषी माना है।

से पलटते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह दिखाने में विफल रहा कि उन्होंने (निशांत) भारत की एकता, अखंडता, सुरक्षा या संरक्षा को खतरे में डालने या समाज में आतंक फैलाने जैसा कोई कार्य किया हो। न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति प्रवीण पाटिल की खंडपीठ ने सोमवार को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (ओएसए) के प्रमुख आरोपों से निशांत अग्रवाल को बरी कर दिया और उनकी उम्रकैद की सजा भी रद्द कर दी।

एसआईआर के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया गया। सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि सोरेन ने चुपचाप दिल्ली में वरिष्ठ भाजपा नेताओं से मुलाकातें की हैं, जिससे उनकी संभावित राजनीतिक नज़दीकियों की अटकलें तेज़ हो गई हैं। भले ही कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है, लेकिन इन मुलाकातों से विपक्षी एकता की कमजोर स्थिति साफ़ दिखाई देती है।

ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पहले ही कांग्रेस-नेतृत्व वाली सामूहिक रणनीति से दूरी बना चुकी है और कई राष्ट्रीय मुद्दों पर समानान्तर रुख रखती है। उधर अरविंद केजरीवाल की आप खुलकर कह चुकी है कि वह अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है, जिससे कभी महत्वाकांक्षी रहा यह गठबंधन और कमज़ोर हो गया है।

यह बिखराव ऐसे समय हो रहा है जब भाजपा, कांग्रेस को अपने मुख्य राष्ट्रीय प्रतिद्वंदी के रूप में देखती है। भाजपा की रणनीति के अनुसार, क्षेत्रीय दल उनकी बढ़ती ताकत के लिए बड़ा खतरा नहीं हैं; असली चुनौती कांग्रेस ही है, जो कई राज्यों में भाजपा की राजनीतिक तौर-तरीकों और वोट बैंक को टक्कर दे सकती है। आंतरिक अविश्वास बढ़ने और छोटे सहयोगियों के दूर होने के साथ, इंडिय गठबंधन अब एक निर्णायक एवं महत्वपूर्ण परीक्षा से गुजर रहा है।

यह गठबंधन फिर से एकजुट हो पाएगा या शुरुआती दरारें बड़े टूटन का रूप लेंगी, यही सवाल शीतकालीन सत्र की राजनीतिक हलचल पर छाया हुआ है।

एयरपोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिससे चेक-इन प्रक्रिया धीमी हो गई। हालांकि अब सिस्टम धीरे-धीरे ठीक हो रहा है, लेकिन स्थिति पूरी तरह सामान्य होने में अभी थोड़ा समय लग सकता है।

इसके साथ, एअर इंडिया ने यात्रियों से अपील की है कि वे एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले आधिकारिक वेबसाइट पर अपनी उड़ान की स्थिति (फ्लाइट स्टेटस) जरूर जांच लें।

नाबालिग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि घटना के दिन अभियुक्त ने उससे वेलेन्टाइन डे सेलिब्रेट करने का कहकर घर आने को कहा था, किसी को बिना बताए वो चली गई थी। इसके बाद अभियुक्त ने उसे नशीली मिठाई खिलाई। जब उसे होश आया तो वह दिल्ली में थी। यहां अभियुक्त ने उसके साथ कई बार संबंध बनाए। बाद में पुलिस के कहने पर अभियुक्त उसे वापस ले आया था।

अभियुक्त पक्ष की ओर से कहा गया कि उसे इस मामले में रंजिशवश फंसाया जा रहा है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

इंडिया गठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर विचार विमर्श करेंगे।

गौरतलब है कि मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में संसद भवन में सर्वदलीय बैठक हुई, जिसमें विपक्ष की मांग को मानते हुए, लोकसभा में चुनाव सुधार से जुड़े मुद्दे पर चर्चा कराई जाएगी।

बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बताया कि चुनाव सुधारों पर चर्चा कराने पर सहमति बन गयी है और उन्हें उम्मीद है कि बुधवार से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित होगी। विपक्षी गठबंधन के सदस्य शीतकालीन सत्र के पहले दिन से एसआईआर पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा कर रहे हैं, जिसके कारण सदन नहीं चल पा रहा है।

आईएनएस अरिदमन पनडुब्बी परीक्षण के अंतिम चरण में पहुंची

नयी दिल्ली, 02 दिसंबर। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने मंगलवार को कहा कि भारत की तीसरी स्वदेशी परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन अब परीक्षण के अंतिम चरण में है और इसे जल्द ही भारतीय नौसेना में शामिल कर लिया जायेगा।

अरिहंत श्रेणी की तीन परमाणु बैलिस्टिक पनडुब्बियों से संबंधित इस पनडुब्बी में विस्तारित मिसाइल पेलोड है, जिससे यह अगस्त 2024 में शामिल की गई आईएनएस अरिधाट की तुलना में अधिक लंबी दूरी की परमाणु मिसाइलों को ले जाने में सक्षम है।

नौसेना प्रमुख ने बुधवार को होने वाले नौसेना दिवस समारोह से पहले वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि नौसेना के पहले चार राफेल विमानों के 2029 में आने की योजना है। विमानवाहक पोतों पर तैनात किए जाने वाले ऐसे 26 विमानों के लिए द्विपक्षीय समझौते को अप्रैल में फ्रांस के साथ अंतिम रूप दिया गया था, और समझौते के पांच साल बाद इनकी डिलीवरी शुरू हो जाएगी। इस पैकेज में हथियार, पुर्जे और सहायक उपकरण शामिल हैं और ये लड़ाकू विमान आईएनएस विक्रांत पर तैनात किए जाएंगे।

अब झारखंड ...

- चर्चा तो यह भी है कि कांग्रेस का झारखंड में विभाजन भी हो सकता है और हो सकता है कि एक बड़ा धड़ा हेमंत सोरेन की सरकार के समर्थन में आ जाए।
- राहुल के एक अन्य करीबी, के. राजू झारखंड के प्रभारी भी हैं, अब देखना है कि के. राजू झारखंड की इंडिया गठबंधन सरकार को कैसे बचा पाते हैं।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जब यह भी नहीं हुआ, तो सोरेन ने कहा कि कांग्रेस अपनी 61 सीटों में से सिर्फ 2 सीटें उन्हें दे देती, तो भी वे 35 आदिवासी सीटों पर प्रचार कर लेते।

सोरेन का आरोप है कि कांग्रेस गठबंधन धर्म का पालन नहीं कर रही है। सोरेन का सवाल है कि "फिर मैं उनके साथ सरकार में क्यों रहूँ?"

उन्होंने अलूवीरा, जो राहुल गांधी की पसंद हैं और बिहार संभाल रहे हैं, के लिए कुछ कड़े और असंसदीय शब्दों का भी इस्तेमाल किया।

एआईसीसी प्रभारी अलूवीरा ने न किसी से मुलाकात की, न ही सामाजिक समीकरण या सहयोगियों को संभालने में कोई कूटनीतिक भूमिका निभाई।

सब पूछ रहे हैं कि राहुल गांधी को अलूवीरा कहाँ से मिले थे।

झारखंड में, बहुमत का आंकड़ा 42 है, और अगर कांग्रेस के 16 और आरजेडी के 4 विधायक बाहर भी चले जाएँ तो भाजपा के 21 विधायक उनकी जगह ले सकते हैं।

और सबसे बड़ा खतरा यह है कि कांग्रेस के विधायकों के टूटकर सोरेन सरकार में शामिल होने की भी पूरी संभावना है।

झारखंड के प्रभारी के. राजू भी राहुल के नवरत्नों में से एक है। वे पूर्व अफसर हैं, जिन पर राहुल गांधी को बहुत भरोसा है।

अब देखना यह है कि वे झारखंड में कांग्रेस सरकार को कैसे बचाते हैं, जबकि कांग्रेस की संख्या लगातार तेज़ी से गिर रही है।

पावर ब्रेकफास्ट के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में भी "अंतिम निर्णय" राहुल गांधी ही लेंगे।

अगले छः माह में मुख्यमंत्री बनने की डीकेएस की उम्मीदों के लिए शायद यह शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि पिछले सप्ताह एनडीटीवी को बताया गया था कि गांधी मध्यावधि स्वैप से सहमत नहीं हैं। जो भी हो, आज डीकेएस के घर पर आयोजित ब्रेकफास्ट मीटिंग तीन दिनों में हुई दूसरी मीटिंग थी। जैसा कि कांग्रेस एक बार फिर शांति बनाने की कोशिश कर रही है, ताकि वर्ष 2028 के चुनाव पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके। और पार्टी ने एक जुटता को रेखांकित करने वाली एक और 'सब ठीक है' दर्शाती हुई फोटो जारी की।

डीकेएस ने एक तस्वीर, जिसमें दोनों एक साथ बैठे हुए हैं, के साथ "एक्स"पर लिखा, आज मेरे घर पर मुख्यमंत्री ने नाश्ता किया, ताकि हम राज्य के अच्छे शासन और कांग्रेस की सोच के अनुरुप, राज्य के निरंतर विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि कर सकें।" उन्होंने पत्रकारों से कहा, "हम कांग्रेस में एक आवाज़ हैं... पार्टी में कोई मतभेद नहीं है, यह केवल मीडिया का कारनामा है।"

शनिवार को वे मुख्यमंत्री के घर पर मिले थे। उस समय, मेन्यू में इडली, उपमा और केसरी भात था, और शायद कॉफी भी थी। लेकिन जो चीज़ नहीं थी, वह था उनके विवाद का तत्काल समाधान। सूत्रों ने कहा कि दोनों ने सत्ता के हस्तान्तरण पर बात की, लेकिन तारीख पर सहमति नहीं बना पाए। डीकेएस का खेमा चाहता है कि यह जल्दी से जल्दी, यानी अप्रैल 2026 तक हो जाये, जबकि मुख्यमंत्री का पक्ष इसे जितना हो सके, टालने का इच्छुक है, यहां तक कि कार्यकाल के अंत तक भी।

सूत्रों ने कहा कि सिद्धारमैया का प्रस्ताव था कि वे कार्यकाल पूरा करें और फिर 2028 चुनावों में डीकेएस का समर्थन करें, अहिन्डा समुदाय में उनका राजनीतिक रूप से प्रभावशाली स्थान उनकी अच्छी संभावना बना सकता है।

अगर डीकेएस इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं, तो इसका मतलब हो सकता है कि कांग्रेस राज्य के दो सबसे बड़े वोट बैंक को अपने पक्ष में एकजुट कर सकती है, वोक्कालिगा समुदाय, जो पहले से ही शिवकुमार समर्थक है, तथा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का समर्थक अहिन्डा समुदाय। इस विवाद का केन्द्र एक समझौता है जो कथित तौर पर कांग्रेस की चौंकाने वाली 2023 की चुनावी जीत के बाद हुआ था - कि सिद्धारमैया और डीकेएस पांच साल का कार्यकाल साझा करेंगे, यानी दोनों में से प्रत्येक मुख्यमंत्री के तौर पर ढाई साल कार्य करेंगे। पिछले महीने यह आधा कार्यकाल पूरा हो गया, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री पद छोड़ने को तैयार नहीं दिखे, जिससे डीकेएस की ओर से दबाव बढ़ा, जिसमें वचन निभाने की बातें याद दिलाई गईं, और कांग्रेस के कुछ विधायकों ने दिल्ली जाकर मल्लिकार्जुन खड़गे से सिद्धारमैया को पद छोड़ने के लिए कहने का आग्रह किया। सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने (अंततः) अपनी बात रखी।

सूत्रों ने बताया कि उन्होंने इस वादे को कायम रखने का आ ान किया, यह कहते हुए कि "यह वचन मेरे सामने दिया गया था... और इसे पूरा किया जाना चाहिए। अन्यथा, मेरे अपने राज्य में मेरी कोई विश्वसनीयता नहीं रहेगी।"

यह दूसरा अवसर है, जब मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस से इस मुद्दे को जल्दी ही सुलझाने का आग्रह किया है; पिछले सप्ताह उन्होंने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले इसे सुलझाने की बात की थी।

प्रधानमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की शुरुआत पहले ही की जा चुकी है।

अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) जल्द ही साउथ ब्लॉक के अपने पुराने दफ्तर से निकलकर नए सेवा तीर्थ परिसर में शिफ्ट हो जाएगा। नया पीएमओ सेवा तीर्थ-1 परिसर से काम करेगा। इस परिसर में सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय होंगे और सेवा तीर्थ-3 राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) का दफ्तर होगा। इन बदलावों के साथ-साथ, केंद्र सरकार ने देश में राज भवनों का नाम बदल कर लोक भवन करने का भी एलान किया है। इसके पहले दिल्ली में राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया गया था। वहीं, प्रधानमंत्री आवास अब लोक कल्याण मार्ग कहलाता है।

सेना ने इमरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही इमरान खान ने अपने लिए और पाकिस्तान के कमज़ोर मध्यम वर्ग के लिए बहुत कामयाबी से एक शानदार पोलिटिकल करियर बनाया। इमरान खान ने अपनी पॉलिटिकल पार्टी को कामयाबी की ऊँचाई पर पहुँचाया है और देश भर में उनके समर्थक हैं।

इमरान खान ने चुनाव लड़े और धीरे-धीरे समर्थन जुटाकर प्रधानमंत्री बने। शुरू में हालाँकि उनकी पॉलिटिकल पार्टी छोटी थी, लेकिन उन्होंने समर्थन जुटाया और फिर सेना ने उन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बिठाया।

हालांकि जल्द ही, इमरान और सेना के शीर्ष अधिकारियों के बीच झगड़े शुरु हो गए। कुछ ही समय बाद, भ्रष्टाचार के आरोपों पर उन्हें सत्ता से हटाकर कड़ी सुरक्षा वाली सबसे बुरी जेलों में से एक जेल में डाल दिया गया। यहीं से उनका राजनीतिक सफर अचानक रुक गया।

कई दिनों से सोशल मीडिया पर चर्चाएं और अफवाहें तेज थीं कि इमरान खान को जेल में मार दिया गया है। यह अफवाह इसलिए फैली, क्योंकि जेल प्रशासन लगातार उनके करीबी परिवार वालों को उनसे मिलने नहीं दे रहा था। बार-बार की अपील भी असफल रही। अंत में, पी.टी.आई. ने देशभर में विरोध प्रदर्शन किए और इमरान से मिलने की अनुमति की मांग की।

इमरान खान की लोकप्रियता ने पाकिस्तान की सेना के लिए दोधारी तलवार पैदा कर दी है। पहले तो सेना ने ही उन्हें उठाकर प्रधानमंत्री बनाया था, लेकिन बाद में इमरान की स्वतंत्र राजनीतिक शैली ने सेना के शीर्ष अधिकारियों को उनसे दूर कर दिया। विशेषकर आई.एस.आई. प्रमुख की नियुक्ति को लेकर बड़ा विवाद हुआ।

बाद में, इमरान ने सेना के बड़े अधिकारियों के निहित स्वार्थों पर चोट की, जिन्हें वर्षों से बिना रोक-टोक के पावर दी जाती थी और पॉलिटिकल अधिकारियों ने कभी उन पर रोक नहीं लगाई थी। इससे सेना पूरी तरह उनके खिलाफ हो गई और विपक्ष के साथ मिलकर उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया।

अब हालात ये हैं कि सेना वर्तमान नेताओं, जिनमें शाहबाज़ शरीफ भी शामिल हैं, से भी खुश नहीं है। आने वाले समय में पाकिस्तान में सत्ता की लड़ाई कैसे आगे बढ़ेगी, यह देखना दिलचस्प होगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908